आज का विचार

खूबसूरत रिश्तों को संभाल कर रखना साहब... अगर यह खो गए तो गूगल से भी नहीं ढूंढ पाओगे।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ I मंगलवार, 17 फरवरी, 2026 वर्ष 24, अंक 40, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

अपनत्व और आत्मीय संबंधों से निर्मित जीवंत व्यवस्था है कुटुंब : सरसंघचालक

एजेंसी (हि.स.)
गोरखपुर

संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गोरखपुर विभाग द्वारा तारामंडल स्थित बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में कुटुंब स्नेह मिलन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गोरखपुर महानगर के 20 नगरों, चौरी-चौरा तथा गोरखपुर ग्रामीण क्षेत्र के जिला स्तरीय कार्यकर्ता, नगर, जिला, विभाग एवं प्रांत कार्यकारिणी के पदाधिकारी, प्रवासी कार्यकर्ता तथा उनके परिवारजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि कुटुंब केवल एक छत और चारदीवारी का नाम नहीं है, बल्कि अपनत्व और आत्मीय संबंधों से निर्मित जीवंत व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि परिवार ही वह इकाई है जहाँ से सामाजिकता, संस्कार और कर्तव्यबोध का आरंभ होता है। अगली पीढ़ी को सामाजिक और संस्कारित बनाने की जिम्मेदारी कुटुंब निभाता है।

उन्होंने भारतीय परिवार व्यवस्था की विशेषता बताते हुए कहा कि भारत में संबंध अपनेपन पर आधारित होते हैं, जबकि पश्चिम में संबंध प्रायः सौदे पर आधारित माने जाते हैं। ह्लहम विवाह को कर्तव्य मानते हैं, करार नहीं, ह्व यह कहते हुए उन्होंने परिवार को राष्ट्र जीवन की आधारशिला बताया।

डॉ. भागवत ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का उल्लेख करते हुए कहा कि जब राष्ट्रहित में स्वर्ण दान का आह्वान किया गया, तब परिवारों ने स्वेच्छा से अपना योगदान दिया। यह भारतीय कुटुंब व्यवस्था की शक्ति का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि सामाजिक शिक्षा, आर्थिक गतिविधियों और संस्कृति के पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थानांतरण का केंद्र कुटुंब ही है। परिवार में माता की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि वही पीढ़ियों का निर्माण करती हैं और वहीं से ह्यभारत माताह्व की भावना सुदृढ़ होती है।

उन्होंने ह्यपंच परिवर्तनह्व को आचरण में उतारने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वयंसेवक को समाज से पांच कदम आगे रहना चाहिए। वर्ष में दो-तीन बार छोटे स्तर पर कुटुंब मिलन आयोजित कर संवाद और विचार-विमर्श की परंपरा को मजबूत करने पर भी बल दिया। पर्यावरण संरक्षण की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इसकी शुरूआत घर से होनी चाहिए—पानी बचाना, प्लास्टिक का त्याग और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना आवश्यक है। साथ ही भाषा, भूषा, भवन, भोजन और भजन में स्वदेशी भाव अपनाने का आग्रह किया। घर में मातृभाषा के प्रयोग, पारंपरिक वेशभूषा तथा स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को उन्होंने भारतीयता का आधार बताया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ तथा समापन भारत माता की आरती के साथ संपन्न हुआ। मंच पर प्रांत संघचालक डॉ. महेंद्र अग्रवाल एवं विभाग संघचालक शेषनाथ भी उपस्थित रहे। विभाग कार्यवाह संजय ने अतिथियों का परिचय कराया।

कार्यक्रम के माध्यम से पारिवारिक सुदृढ़ता, सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण का सशक्त संदेश दिया गया।

प्रधानमंत्री ने इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो-2026 का किया उद्घाटन

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो-2026 का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने एक्सपो में लगी विभिन्न प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। साथ ही प्रदर्शित एआई टूल के बारे में जाना।

इस दौरान जियो के चेयरमैन, आकाश अंबानी जियो एआई पवेलियन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हेल्थकेयर, एजुकेशन, कल्चर और स्मार्ट होम सॉल्यूशंस में कंपनी के एआई-लेड ट्रांसफॉर्मेशन को दिखाते हुए नजर आए। प्रधानमंत्री के साथ इलेक्ट्रोनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्वनी वैष्णव भी थे।

भारत मंडपम में आज से इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट- 2026 का शुभारंभ हुआ है। यह पहली बार है जब एआई पर इस स्तर का वैश्विक सम्मेलन किसी विकासशील देश में आयोजित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 19 फरवरी को सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन करेंगे और भाषण देंगे।

सम्मेलन वैश्विक सहयोग और समावेशी एवं जिम्मेदार एआई के लिए भारत के दृष्टिकोण को दिशा देगा। 16 से 20 फरवरी तक चलने वाले पांच दिवसीय शिखर सम्मेलन में 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख तथा 60 मंत्री एवं उपमंत्रियों सहित 100 से अधिक सरकारी प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इसके अलावा, सीईओ, संस्थापक, शिक्षाविद, शोधकर्ता, सीटीओ और परोपकारी संगठनों सहित 500 से अधिक वैश्विक एआई अग्रणी भी इसमें शामिल होंगे।

शिखर सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण, तीन प्रमुख वैश्विक प्रभाव चुनौतियां - एआई फॉर ऑल, एआई बाय हर और युवाआई - फाइनलिस्टों की घोषणा और ग्रैंड फिनाले शोकेस के साथ समाप्त होंगी। समावेशी, जिम्मेदार और विकासोन्मुखी एआई को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन की गई ये चुनौतियां राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और वैश्विक विकास उद्देश्यों के अनुरूप स्केलेबल, उच्च-प्रभाव वाले एआई समाधानों को गति देने के लिए शुरू की गई थीं। इन चुनौतियों के लिए मजबूत अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी को दर्शाते हुए 60 से अधिक देशों से 4,650 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए है। इससे जिम्मेदार और स्केलेबल एआई नवाचार के लिए एक विश्वसनीय वैश्विक केंद्र के रूप में भारत के उदय को मजबूत हुई है।

विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों, नीति निमार्ताओं और उद्योग जगत के नेताओं द्वारा किए गए गहन बहुस्तरीय मूल्यांकन के बाद, तीनों श्रेणियों में शीर्ष 70 टीमों को फाइनलिस्ट के रूप में चुना गया है। ये 16 और 17 फरवरी को नई दिल्ली के भारत मंडपम और सुषमा स्वराज भवन में आयोजित भव्य समापन समारोह और पुरस्कार वितरण समारोह में अपने समाधान प्रस्तुत करेंगे। फाइनलिस्ट नीति निमार्ताओं, उद्योग जगत के नेताओं, निवेशकों और शिक्षाविदों के साथ जुड़ेंगे और राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर अपने नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए मान्यता और सहयोग प्राप्त करेंगे।

18 फरवरी को हैदराबाद स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के सहयोग से आयोजित एआई और इसके प्रभाव पर अनुसंधान संगोष्ठी, शिखर सम्मेलन का प्रमुख शैक्षणिक मंच है। इस संगोष्ठी में अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका से लगभग 250 शोध प्रस्तुतियां प्राप्त हुई हैं और इसमें एस्टोनिया गणराज्य के राष्ट्रपति श्री अलार कारिस, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद उपस्थित रहेंगे। यह संगोष्ठी विश्व स्तर पर ख्यातिप्राप्त एआई विशेषज्ञों और अग्रणी अनुसंधान संस्थानों को एआई-संचालित वैज्ञानिक खोज, सुरक्षा और शासन ढांचे, कंप्यूटिंग अवसंरचना तक समान पहुंच और वैश्विक दक्षिण में अनुसंधान सहयोग पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ लाती है।

रक्षा मंत्री का विमानन वैज्ञानिकों से 6वीं पीढ़ी की इंजन तकनीक विकसित करने का आह्वान

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारत में अभी तक फाइटर जेट के इंजन बनने की योजना परवान नहीं चढ़ने के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज कहा कि हमें भविष्य की तरफ भी देखना होगा। अब हम सिर्फ 5वीं पीढ़ी के इंजन तक सीमित नहीं रह सकते, क्योंकि यह समय की मांग है। हमें 6वीं पीढ़ी की उन्नत तकनीकों का विकास भी जल्द से जल्द शुरू करना होगा। दुनिया में टेक्नोलॉजी बदल रही है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और नई सामग्रियों का प्रयोग बढ़ रहा है, हमें उनमें आगे रहना होगा।

रक्षा मंत्री सोमवार को बेंगलुरु में गैस टरबाइन रिसर्च एस्टेब्लिशमेंट के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में नागरिक उड्डयन का विस्तार और भी तेजी से होगा। भारत तो वैसे भी दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ने वाले विमानन बाजारों में से एक है। ऐसे में भविष्य में नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयोग सीधे उपयोगी साबित होंगे। जब हम डिफेंस सेक्टर में रिसर्च और इंजन डेवलपमेंट की बात करते हैं, तो उसका महत्व सिर्फ सैन्य इस्तेमाल तक सीमित नहीं रहता। किसी भी कॉम्प्लेक्स टेक्नोलॉजी की सबसे बड़ी अहमियत उसके दूर तक फैलने वाले नतीजों में होती है।

रक्षा मंत्री ने विमानन क्षेत्र से जुड़े वैज्ञानिकों से कहा कि अब आप जो तकनीक लड़ाकू विमानों के लिए विकसित कर रहे हैं, वही तकनीक कल सिविल एविएशन की दुनिया में क्रांति ला सकती है। आप जो हाई टेम्परेचर सहने वाले कम्पोजिट मटीरियल बना रहे हैं, वे पावर प्लांट में या स्पेसशिप में भी काम आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी इंजन को विकसित करने में 25 साल लग रहे हैं, तो भारत की मौजूदा स्थिति हमारी रणनीतिक जरूरतें और हमारी महत्वाकांक्षाएं ऐसी हैं कि आप मान कर चलिए कि आपके 20 साल पहले ही खत्म हो चुके हैं और अब सिर्फ 5 साल ही आपके पास बचे हैं। यह कोई शॉक होने वाली या अचानक वाली बात नहीं है, यह एक चुनौती है। हमें इसी 5 साल में वो कर दिखाना है, जो दूसरे देश 20 साल में करते हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि फिलहाल ब्रिटेन के साथ एयरो इंजन विकास के लिए संयुक्त अध्ययन किया जा रहा है, जो अच्छी पहल है। इसके अलावा फ्रांस के साथ भी एयरो इंजन के लिए हम राष्ट्रीय एयरो इंजन मिशन के तहत कार्य शुरू कर चुके हैं। फ्रांस और यूके दोनों ही देश एयरो इंजन तकनीक में बहुत आगे रहे हैं। उनके साथ यह सहयोग हमें न सिर्फ नई तकनीक सीखने का मौका देगा, बल्कि उन चुनौतियों को भी समझने में मदद करेगा, जिनमें उन्होंने पिछले दशकों में सामना किया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि हम उस ऐतिहासिक दौर से गुजर रहे हैं, जब पूरी दुनिया की नजर भारत की तरफ है। सभी देश हमारी आत्मनिर्भर भारत पहल में साझेदारी करना चाहते हैं। ऐसे में हमारे पास बहुत सारे विकल्प हैं, इसलिए हमें इन अवसरों का पूरा लाभ लेकर अपनी तकनीकी क्षमताओं को और मजबूत करना है।

उप्र, हरियाणा, पंजाब को जिला, ब्लॉक स्तर पर 'पराली सुरक्षा बल' गठित करने के निर्देश

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

गेहूं की पराली जलाने पर रोक के लिए वायु प्रबंधन गुणवत्ता आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली से सटे राजें को सोमवार को व्यापक वैधानिक निर्देश जारी किए। आयोग ने इन राज्यों को जिला और ब्लॉक स्तर पर पुलिस, कृषि एवं प्रशासनिक अधिकारियों सहित ह्लपराली सुरक्षा बलह्व के गठन का निर्देश दिया है। सीएक्यूएम के मुताबिक यह निर्देश पंजाब, हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश सरकार को जारी किया गया है, जबकि दिल्ली और राजस्थान से भी सहयोगात्मक प्रयासों में मदद करने के लिए कहा गया है। इन निदेर्शों के तहत राज्यों को जिला और ब्लॉक स्तर पर पुलिस, कृषि एवं प्रशासनिक अधिकारियों सहित ह्लपराली सुरक्षा बलह्व के गठन का निर्देश दिया है।

आयोग ने कहा है कि कृषि अवशेष जलाने से स्थानीय स्तर पर तथा एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता गंभीर रूप से प्रभावित होती है, इसलिए इसके लिए संगठित मौसमी तैयारी आवश्यक है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित मानक प्रोटोकॉल के अनुसार एक अप्रैल से 31 मई 2025 के बीच गेहूं कटाई सीजन में पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के एनसीआर जिलों में क्रमशः 10207, 1832 और 259 आग की घटनाएं दर्ज की गईं। उपग्रह आधारित निगरानी से स्पष्ट हुआ कि धान सीजन के साथ-साथ गेहूं सीजन में भी लक्षित हस्तक्षेप आवश्यक है। आयोग ने पहले संबंधित राज्यों को फसल अवशेष जलाने की रोकथाम एवं उन्मूलन के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान की थी और राज्य-विशिष्ट कार्ययोजनाएं तैयार करने को कहा था। 22 दिसंबर 2025 को आयोजित आयोग की 26वीं बैठक तथा उसी दिन राज्यों के साथ हुई बैठक में गेहूं पराली जलाने के मुद्दे पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया था। उस दौरान राज्यों द्वारा प्रस्तुत कार्ययोजनाओं में आवश्यक संशोधन और अद्यतन करने की सलाह दी गई। आयोग ने राज्यों को कार्ययोजना का प्रभावी और पूर्ण क्रियान्वयन कर गेहूं पराली जलाने की घटनाओं को समाप्त करने के साथ-साथ प्रत्येक गांव के सभी खेतों का मानचित्रण कर पराली प्रबंधन का तरीका निर्धारित करने के निर्देश दिए हैं।

डीपफेक और गलत सूचनाएं समाज की नींव पर हमला, तकनीकी, कानूनी समाधान जरूरी : वैष्णव

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

सूचना एवं प्रसारण और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एआई इम्पैक्ट समिट से पहले डीपफेक्स, गलत एवं भ्रामक सूचनाओं के प्रसारण पर कहा कि यह प्रवृत्ति समाज की नींव पर हमला है। समाज की नींव संस्थाओं के बीच विश्वास है। परिवार, सामाजिक पहचान और शासन जैसी संस्थाएं सदियों से समाज को जोड़कर रखती हैं, लेकिन डीपफेक्स और भ्रामक सूचनाओं का तेजी से फैलना इन संस्थाओं के बीच विश्वास को कमजोर कर रहा है।

वैष्णव ने यहां भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो के उद्घाटन से पहले एक सत्र में कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, एआई मॉडल और उनके निमार्ता सभी को जिम्मेदारी लेनी होगी कि नई तकनीक विश्वास को मजबूत करे, न कि उसे तोड़े। इसके लिए तकनीकी एवं कानूनी समाधान जरूरी हैं। अगर नई तकनीक संस्थाओं के बीच विश्वास को कमजोर करती है और विकल्प नहीं देती, तो यह समाज के लिए खतरनाक होगा।

मंत्री वैष्णव ने कहा कि उन्होंने 20 से अधिक देशों के मंत्रियों से इस विषय पर बातचीत की है। इनमें कुछ सबसे उदारवादी देश भी शामिल हैं और लगभग सभी का मानना है कि अब समय आ गया है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नए दृष्टिकोण से देखा जाए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ बोलने वाले व्यक्ति पर जिम्मेदारी भी होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि डीपफेक्स और गलत सूचना का मुकाबला करने के लिए वैश्विक स्तर पर साझा प्रयास जरूरी हैं। तकनीकी समाधान के साथ-साथ कानूनी ढांचे को भी मजबूत करना होगा ताकि समाज की नींव पर हमला करने वाली इन चुनौतियों का सामना किया जा सके।

उल्लेखनीय है कि 16 से 20 फरवरी तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाली एआई इम्पैक्ट समिट के साथ ही एआई एक्सपो का भी आयोजन हो रहा है। इस समिट में 65 से अधिक देशों की भागीदारी होगी और 600 से अधिक स्टार्टअप्स अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे।

सपा की अराजकता व अव्यवस्था को खत्म कर भाजपा ने उपद्रव प्रदेश को उत्सव प्रदेश में बदला: मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को उत्तर प्रदेश विधान परिषद में बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण पर पेश धन्यवाद पर चर्चा करते हुए समाजवादी पार्टी पर जमकर प्रहार किए। उन्होंने सपा को संवैधानिक मूल्यों, भारतीय संस्कृति और आस्था का अपमान करने वाली सिर्फ अपने परिवार को विकास करने वाली पार्टी करार दिया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 के पहले पैदा की गई अराजकता व अव्यवस्था को खत्म कर भाजपा ने उत्तर प्रदेश को उपद्रव प्रदेश को उत्सव प्रदेश में बदल दिया और अब यहां विकास की त्रिवेणी हैं।

विधान परिषद में मुख्यमंत्री योगी ने विधानमंडल के बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण का विरोध करने पर मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी को जमकर खरी खोटी सुनाई। उन्होंने कहा कि राज्यपाल प्रदेश की संवैधानिक प्रमुख हैं और उनका अभिभाषण प्रदेश सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं का दस्तावेज होता है, लेकिन सपा ने जिस तरह का आचरण किया वह न केवल संवैधानिक प्रमुख बल्कि नारी शक्ति का अपमान है और यह अवमानना के दायरे में आता है। मुख्यमंत्री ने सपा सदस्यों को सीख देते हुए कहा कि वे ऐसा आचरण न करें जिससे भावी पीढ़ी गलत दिशा में अग्रसर हो। हालांकि सपा से प्रदेश की विकास और संवैधानिक मूल्यों की अपेक्षा करना भी बेवकूफी होगी क्योंकि विपक्ष का दृष्टिकोण हमेशा से नकारात्मक ही रहता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनके साढे.आठ साल की सरकार में उत्तर प्रदेश ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। इनमें अपराध से कानून की ओर कदम बढ़ाया है, उपद्रव से उत्सव प्रदेश बना है। समस्या से समाधान और अविश्वास से विश्वास की यात्रा है और यह यात्रा इसलिए कि प्रदेश की 25 करोड़ जनता को उसका हक मिलना था, लेकिन संकुचित एजेंडे वाली सरकारों ने प्रदेश की जनता से खिलवाड़ किया और जब डबल इंजन की सरकार बनी तो प्रशासनिक प्रतिबद्धता से प्रदेश के विकास की रफ्तार तेज हुई ओर आज हम कह सकते हैं कि उत्तर प्रदेश के राजस्व सरप्लस राज्य बन चुका है।

सदन में वंदेमातरम गायन की अनिवार्यता किए जाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी के लोग आक्रांताओं का महिमा मंडन करते हैं, लेकिन अब यह सब नया उत्तर प्रदेश सहन नहीं करेगा। राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान किसी राष्ट्रद्रोह से कम नहीं है। कुछ लोग वंदेमातरम, तिरंगा का अपमान करते हैं। योगी ने कहा कांग्रेस और समाजवादी पार्टी से पूछना चाहता हूं कि राष्ट्रगीत का क्यों विरोध करवा रहे हैं। सपा के लोग गाजी का समर्थन करते हैं, लेकिन हमारी सरकार ने गाजी को हराने वाले हिंदू राजा महाराज सुहेलदेव की चित्तौड़ा बहराइच में प्रतिमा लगाई और आजमगढ़ में राजा सुहेल देव विश्वविद्यालय की स्थापना की है।

फार्म-7 के नाम पर फर्जी बातें कर रही सपा

मुख्यमंत्री योगी ने एसआईआर की चर्चा करते हुए कहा कि आज प्रदेश में बेहतर एयर कनेक्टिवटी है। प्रदेश में 16 डोमेस्टिक एयरपोर्ट, 4 इंटरनेशनल एयरपोर्ट हैं। पांचवा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर में बनकर तैयार है। इसी महीने हम कोशिश करेंगे कि वह शुरू हो जाये। प्रदेश में शिक्षा की बेहतर व्यवस्था है। टाटा टेक्नालॉजी के साथ मिलकर आईटीआई पर काम हुआ है। जब टीम वर्क होता है, तब परिणाम आता है। आज अपराधी भयभीत हैं, किसान खुशहाल है, हर गांव में बिजली है। उत्तर प्रदेश राम राज्य की ओर आगे बढ़ा है।

मुख्यमंत्री योगी ने सदन में कहा कि समाजवादी पार्टी तो बजट के बारे में अच्छा नहीं बोल पाई क्योंकि उनके पास कुछ अच्छा है नहीं; सपा जातीय संघर्षों को बढ़ावा देती है। आपस में लड़ाती है। आस्था को अपमानित करती है। संवैधानिक मूल्यों पर भी प्रहार करने वाली पार्टी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर भारत निर्वाचन आयोग करवा रहा है। इसमें सरकारों का रोल नहीं होता है। इस अभियान में उत्तर प्रदेश में 2 करोड़ 88 लाख लोग या तो मृत पाए गए, या शिफ्टिंग किए गए। सपा इन्हें फर्जी वोट बनाकर मतदान कराती थी। तभी फार्म-7 के नाम पर फर्जी बातें करती है। इनके कार्यकर्ता बीएलओ के साथ मारपीट कर रहे हैं। ये सांविधानिक मूल्यों का अपमान है। ये किसी भी प्रकार स्वीकार नहीं हो सकता है।

मुख्यमंत्री योगी ने पीडीए की चर्चा करते हुए कहा कि पहली की सरकारों का विकास परिवारवादी था। उन्होंने जेपीएनआईसी का उदाहरण देते हुए विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि यह 800 करोड़ खर्च हो गए वह फिर भी अधूरा है। हमने जेपी के जन्मभूमि पर अस्पताल बनवाया। 1400 करोड़ खर्च हो गए, फिर भी गोमती रिवर फ्रंट का प्रोजेक्ट अधूरा है, यह महज 300 करोड़ का प्रोजेक्ट था। जय प्रकाश नारायण और लोहिया के नाम पर सिर्फ राजनीति करते हैं।

मुख्यमंत्री योगी सदन में समाजवादी पार्टी की पूर्ववर्ती सरकार पर तीखे हमले किए; कहा कि सपा नेताओं ने अपने कार्यकाल में अराजकता फैलाई।

आरडीजी पर विधानसभा में चर्चा, विपक्ष-सरकार आमने सामने, मुख्यमंत्री सुक्खू बोले- ओपीएस नहीं होगी बंद

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

16वें वित्त आयोग द्वारा हिमाचल प्रदेश सहित 17 राज्यों के लिए राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) बंद किए जाने के मुद्दे पर सोमवार को हिमाचल प्रदेश विधानसभा में चर्चा शुरू हुई। यह चर्चा विपक्ष के विरोध के बीच आरंभ हुई।

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि इस विषय का उल्लेख पहले ही राज्यपाल के अभिभाषण में हो चुका है और बजट पर चर्चा के दौरान भी सदस्य इस पर अपने विचार रख सकते हैं, इसलिए अलग से सरकारी संकल्प लाकर चर्चा कराना उचित नहीं है। इसके बावजूद सरकार ने नियम 102 के तहत संकल्प सदन में पेश किया।

चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने स्पष्ट कहा कि आर्थिक चुनौतियों के बावजूद राज्य में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बंद नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि बिजली बोर्ड का निजीकरण नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने विपक्ष से पूछा कि क्या वह इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री से मिलकर प्रदेश का पक्ष रखने को तैयार है। उन्होंने कहा कि 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों का दूरगामी असर होगा और सरकार इस मुद्दे पर पूरी मजबूती से लड़ाई लड़ेगी।संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने संकल्प प्रस्तुत करते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेद 275 और 280 के तहत हिमाचल को 5वें से 15वें वित्त आयोग तक राजस्व सहायता अनुदान मिलता रहा है, लेकिन 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर केंद्र सरकार ने इसे अगले वित्त वर्ष से बंद करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश में आर्थिक संकट के हालात बन गए हैं। संकल्प में केंद्र सरकार से आग्रह किया गया है कि प्रदेश की आर्थिक स्थिति को देखते हुए राजस्व घाटे के अनुरूप आरडीजी की राशि फिर से प्रदान की जाए। चर्चा की शुरूआत करते हुए हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि यह मुद्दा किसी एक राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि प्रदेश की 75 लाख जनता के हितों से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि जीएसटी मुआवजा बंद होने के बाद हिमाचल का केंद्रीय करों में हिस्सा पहले ही कम हो गया था और अब आरडीजी भी बंद होने जा रही है, जिससे वित्तीय स्थिति और कठिन हो जाएगी। उन्होंने दावा किया कि 15वें वित्त आयोग के दौरान हिमाचल को उदार सहायता मिली थी, लेकिन 16वें वित्त आयोग ने इसे पूरी तरह समाप्त कर दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2025-26 में राज्य सरकार ने अब तक का सबसे अधिक राजस्व अर्जित किया है। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने चर्चा में हिस्सा लेते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुझाव सुनते नहीं हैं और यदि सुनते हैं तो मानते नहीं। उन्होंने सरकार को फिजूलखर्ची रोकने की सलाह दी और कहा कि यदि ऐसा नहीं किया गया तो कर्मचारियों के वेतन, भत्ते, पेंशन और विकास कार्यों पर संकट आ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने अपने सीपीएस को बचाने के लिए वकीलों पर 10 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए हैं और कई चेयरमैनों का वेतन बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के समय प्रदेश पर 69,600 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो अब बढ़कर करीब 1.10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। ठियोग के विधायक कुलदीप राठौर ने कहा कि आरडीजी का मुद्दा राजनीतिक नहीं, बल्कि प्रदेश के अधिकार से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से उबर रहे हिमाचल की तुलना बड़े और संसाधन सम्पन्न राज्यों से नहीं की जा सकती। वहीं भाजपा विधायक रणधीर शर्मा ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह आरडीजी के मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाना चाहती है और पहले फिजूलखर्ची पर लगाम लगाए।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र शुरू, राज्यपाल का अभिभाषण तीन मिनट से कम में समाप्त

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र राज्यपाल के अभिभाषण के साथ सोमवार को शिमला में शुरू हो गया। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने अभिभाषण की सिर्फ शुरू की कुछ लाइन पढ़ी। इसके बाद राज्यपाल ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि अभिभाषण की आगे की लाइनों की पढ़ने की जरूरत है।

राज्यपाल ने कहा कि अभिभाषण में पैरा 3 से पैरा 16 तक संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ टिप्पणी टिप्पणियां है। यह टिप्पणियां संवैधानिक मयार्दाओं से परे है। राज्यपाल ने कहा कि इसके आगे अभिभाषण में सरकार की उपलब्धियां हैं। इसके उपरांत राज्यपाल ने अपना अभिभाषण समाप्त कर दिया। राज्यपाल ने कुल 2 मिनट 45 सेकंड अपना अभिभाषण दिया। राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में प्रदेश के लोगों की खुशहाली की कामना भी की।

लिखित अभिभाषण में प्रदेश सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं का उल्लेख किया गया है। इसमें बताया गया कि पिछले तीन वर्षों में राज्य के कर राजस्व में लगभग 3,300 करोड़ रुपये और गैर-कर राजस्व में 1,600 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आदर्श स्वास्थ्य संस्थान योजना शुरू की गई है। इसके तहत प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कुल 70 आदर्श स्वास्थ्य संस्थान स्थापित किए जा रहे हैं। वर्ष 2025 में स्वास्थ्य विभाग में 29 नए पद सृजित किए गए, 335 पदों पर नियुक्तियां हुईं और 464 कर्मचारियों को पदोन्नति दी गई। इसके अलावा 707 अनुबंध कर्मचारियों को नियमित किया गया है तथा 900 असिस्टेंट स्टाफ नर्स और 500-500 रोगी मित्रों के पद भरने की प्रक्रिया जारी है।

सामाजिक कल्याण योजनाओं का जिक्र करते हुए अभिभाषण में बताया गया कि इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना के तहत 35,687 पात्र महिलाओं को 1,500 रुपये प्रतिमाह की दर से कुल 7 करोड़ 42 लाख रुपये की सहायता दी गई है। मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, मुख्यमंत्री शगुन योजना, इंदिरा गांधी सुख शिक्षा योजना, राजीव गांधी प्राकृतिक खेती खुशहाल किसान योजना, मुख्यमंत्री कृषि उत्पादन संरक्षण योजना, बागवानी विकास योजना और गोपाल योजना जैसी योजनाओं को भी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल बताया गया है।

राजस्व विभाग में सीधी भर्ती के माध्यम से पटवारियों के 645 पद भरे जा रहे हैं। आपदा प्रबंधन के संदर्भ में बताया गया कि वर्ष 2025-26 के दौरान लगभग 16,488 परिवार प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित हुए। प्रदेश में 2,246 मकान पूरी तरह और 7,888 मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए, जिनके पुनर्निर्माण के लिए विशेष राहत पैकेज के तहत 141 करोड़ 61 लाख रुपये की पहली किश्त जारी की जा चुकी है।

दिन के तापमान में उछाल, शिमला 18 डिग्री के पार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में सर्दी के मौसम के बीच दिन के तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है और कई इलाकों में फरवरी के मध्य में ही मौसम अपेक्षाकृत गर्म महसूस किया जा रहा है।

मौसम विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार राज्य का औसतन अधिकतम तापमान सामान्य से लगभग 5 डिग्री सेल्सियस अधिक चल रहा है, जबकि राजधानी शिमला में अधिकतम तापमान 18.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो इस समय के सामान्य तापमान से करीब 5.2 डिग्री ज्यादा है।

प्रदेश के अन्य प्रमुख शहरों में भी दिन के तापमान में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई है। ऊना में अधिकतम तापमान 28.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य में सबसे अधिक रहा, जबकि मंडी में 26.2 डिग्री, कांगड़ा में 25.5 डिग्री, सुंदरनगर और बरठीं में 25.1 डिग्री, भुंतर में 25.0 डिग्री, नाहन और सोलन में 24.0 डिग्री, धर्मशाला में 22.0 डिग्री तथा मनाली में 17.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। जुब्बड़हट्टी में अधिकतम तापमान 19.6 डिग्री, कसौली में 17.2 डिग्री, कल्पा में 15.2 डिग्री, नेरी में 27.4 डिग्री और ताबो में 6.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार दिन के तापमान में यह बढ़ोतरी पिछले कुछ दिनों से जारी शुष्क मौसम और साफ आसमान के कारण हो रही है। रात के तापमान की बात करें तो कई स्थानों पर अभी भी ठंड का असर बना हुआ है। शिमला में न्यूनतम तापमान 8.0 डिग्री, सुंदरनगर में 6.2 डिग्री, भुंतर में 5.0 डिग्री, धर्मशाला में 7.0 डिग्री, ऊना में 7.8 डिग्री, नाहन में 9.8 डिग्री, सोलन में 4.2 डिग्री, मनाली में 2.2 डिग्री, मंडी में 7.2 डिग्री और कांगड़ा में 7.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ऊंचाई वाले इलाकों में ठंड ज्यादा बनी हुई है, जहां कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान माइनस 8.6 डिग्री और ताबो में माइनस 8.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा देहरा गोपीपुर में 12.0 डिग्री, पांवटा साहिब में 10.0 डिग्री, नेरी में 11.4 डिग्री, बरठीं में 5.5 डिग्री और कसौली में 8.9 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज हुआ।

मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क बना रहेगा और 22 फरवरी तक बारिश या बर्फबारी की कोई व्यापक संभावना नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय महाशिवरात्रि महोत्सव शुरू, मुकेश अग्निहोत्री ने किया विधिवत शुभारम्भ

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

अंतरराष्ट्रीय महाशिवरात्रि महोत्सव मंडी-2026 का उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर मंडी नगर के 500 वर्ष पूर्ण होने पर तैयार विशेष लोगो जारी किया, विभिन्न विभागों की प्रदर्शनियों का उद्घाटन किया तथा मेला समिति की स्मारिका का विमोचन भी किया। उप-मुख्यमंत्री मंडी जनपद के अधिष्ठाता श्री राज माधो राय की पारंपरिक प्रथम जलेब में शामिल हुए। इससे पहले उन्होंने श्री राज माधो राय मंदिर में पूजा-अर्चना की। उप-मुख्यमंत्री ने परंपरानुसार पगड़ी समारोह में भी भाग लिया और पड्डल में आयोजित शुभारम्भ कार्यक्रम में प्रदेशवासियों तथा जिला के लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मंडी का पांच सौ साल का इतिहास यहां की समृद्ध विरासत का प्रतीक है और अंतरराष्ट्रीय महाशिवरात्रि महोत्सव केवल उत्सव नहीं बल्कि देव संस्कृति, लोक आस्था और सामूहिक पहचान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह द्वारा मंडी शिवरात्रि और कुल्लू दशहरा मेले को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने से इन मेलों की प्रतिष्ठा विश्व स्तर तक पहुंची और आज यह हिमाचल की सांस्कृतिक पहचान बन चुके है। विदेशी कलाकार यहां आ रहे हैं और मंडी के लोगों ने इस देवसमागम की परंपरा को सदियों से सहेज कर रखा है।

संक्षिप्त-समाचार

कठुआ पुलिस की बड़ी कामयाबी, 13 वर्षीय किशोर की हत्या का आरोपी चंद घंटों में गिरफ्तार

कठुआ। कठुआ के राजबाग थाना क्षेत्र के अधीन हरियाचक में 13 वर्षीय किशोर की हत्या के सनसनीखेज मामले में कठुआ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चंद घंटों के भीतर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने मामले की गुत्थी सुलझाते हुए हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत विशेष टीमों का गठन किया और मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, घटनास्थल से मिले सुरागों और स्थानीय लोगों से पूछताछ के आधार पर संदिग्ध की पहचान की। उन्होंने बताया कि पुलिस ने लगातार कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में आरोपी को हिरासत में ले लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस अब मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी गहनता से जांच कर रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस अपराध में कोई अन्य व्यक्ति शामिल तो नहीं है। पुलिस की इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना की जा रही है। इस जघन्य घटना से जहां पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल था, वहीं आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी से लोगों ने राहत की सांस ली है। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि मामले में सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करते हुए आरोपी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाएगा।

विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश, उपायुक्त कठुआ ने की प्रगति की समीक्षा

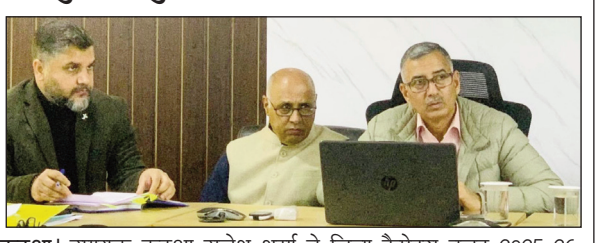

कठुआ। उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने जिला कैपेक्स बजट 2025-26, एमएलए-सीडीएस तथा एसएएससीआई योजनाओं के अंतर्गत जिले में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों का विस्तार से मूल्यांकन किया गया। उपायुक्त ने संबंधित कार्यान्वयन एजेंसियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए कार्यों में तेजी लाई जाए तथा जनहित में टिकाऊ और गुणवत्तापूर्ण परिसंपत्तियों के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को वित्तीय वर्ष के अंत में कोई नई भौतिक या वित्तीय देनदारी न लेने के निर्देश देते हुए 15 मार्च को अंतिम तिथि निर्धारित की, ताकि बिलों के समय पर निपटान में कोई बाधा न आए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्देशों की अवहेलना या देरी के कारण अगली वित्तीय वर्ष में स्थानांतरित होने वाली देनदारी की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होगी। उपायुक्त ने अधिकारियों को क्षेत्रीय निरीक्षण बढ़ाने, कार्यों की नियमित निगरानी करने और ठेकेदारों द्वारा गुणवत्ता मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त सुरिंदर मोहन शर्मा, मुख्य योजना अधिकारी रंजीत ठाकुर, सहायक आयुक्त विकास, मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के कार्यपालक अभियंता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पंजाबी श्रद्धालु की दरियादिली, मां को भेंट किया 25 तोले सोने का मुकुट व टीका

ऊना। विश्व विख्यात मां चिंतपूर्णी के दरबार में सोमवार सुबह आरती के समय पंजाब से आए एक श्रद्धालु ने मां चिंतपूर्णी की पावन पिंडी पर लगभग 25 तोले सोने का मुकुट व टीका मां के चरणों में अर्पित किया। मंदिर पुजारी संदीप कालिया ने वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ विधिपूर्वक पूजा करवा कर सुबह आरती के समय मुकुट ब टीका मां की पावन पिंडी के चरणों में सुशोभित किया। पुजारी संदीप कालिया ने बताया कि श्रद्धालु पंजाब राज्य से संबंध रखता है और उन्होंने अपना नाम ना बताने के लिए कहा है। मां के चरणों में यह गुप्त दान श्रद्धालुओं की आस्था और श्रद्धा को दशार्ता है। मां चिंतपूर्णी के प्रति श्रद्धालु की गहरी आस्था और श्रद्धा समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीक कारीगरी से तैयार किया गया सोने का मुकुट मां की पावन पिंडी को आती सुशोभित कर रहा है। बताते चलें कि पिछले कुछ वर्षों से मां चिंतपूर्णी के दरबार में श्रद्धा श्रद्धालुओं द्वारा अनेक ऐसे गुप्त दान किए हैं जो कि उनकी माता के प्रति भक्ति श्रद्धा भाव को व्यक्त करते हैं और माता के प्रति विश्वास को और गहरा बनाते हैं।

पांच दिन की हड़ताल के बाद एंबुलेंस कर्मचारियों का प्रदर्शन, बड़े आंदोलन की चेतावनी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में 108 और 102 एंबुलेंस सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों की पांच दिवसीय प्रदेशव्यापी हड़ताल सोमवार को प्रदर्शन के साथ समाप्त हुई। सीटू से संबद्ध 108 एवं 102 एंबुलेंस कर्मचारी यूनियन के बैनर तले सैकड़ों कर्मचारियों ने शिमला के कुसुंपटी स्थित नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के प्रबंध निदेशक कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर श्रम कानूनों को लागू करने, न्यूनतम वेतन देने और कर्मचारियों की कथित प्रताड़ना रोकने की मांग उठाई।

यूनियन के अनुसार 12 से 16 फरवरी तक चली इस हड़ताल के दौरान प्रदेशभर में कई स्थानों पर एंबुलेंस सेवाएं प्रभावित रहीं। प्रदर्शन के बाद यूनियन का प्रतिनिधिमंडल एनएचएम के प्रबंध निदेशक प्रदीप ठाकुर से मिला और मांगों के समाधान की मांग की।प्रबंध निदेशक ने आश्वासन दिया कि जिन कर्मचारियों को कथित रूप से गैरकानूनी तरीके से नौकरी से निकाला गया या स्थानांतरित किया गया है, उन्हें जल्द बहाल करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। साथ ही अन्य मांगों पर चर्चा के लिए 7 मार्च को एनएचएम प्रबंधन, यूनियन और मेडस्वान फाउंडेशन प्रबंधन के बीच बैठक बुलाई जाएगी। यूनियन नेताओं का आरोप है कि एनएचएम के अंतर्गत एंबुलेंस सेवाएं संचालित करने वाली कंपनी के अधीन कार्यरत पायलट, कैप्टन और ईएमटी कर्मचारियों को घोषित न्यूनतम वेतन तक नहीं मिल रहा है और उनसे 12-12 घंटे काम लेने के बावजूद ओवरटाइम का भुगतान नहीं किया जाता। उनका कहना है कि हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय, लेबर कोर्ट और अन्य न्यायिक मंचों के आदेशों के बावजूद श्रम कानूनों का पालन सही तरीके से नहीं हो रहा है।

यूनियन नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि यूनियन गतिविधियों में सक्रिय कर्मचारियों का तबादला कर दिया जाता है या उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है, जिससे वे नौकरी छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। कई कर्मचारियों को महीनों तक ड्यूटी से बाहर रखने, छुट्टियां न देने और ईपीएफ-ईएसआई के क्रियान्वयन में गड़बड़ियों की भी शिकायतें सामने आई हैं। यूनियन का कहना है कि पहले ये कर्मचारी जीवीके ईएमआरआई के अधीन कार्यरत थे, लेकिन सेवा समाप्ति के समय उन्हें छंटनी भत्ता, ग्रेच्युटी और अन्य देयकों का भुगतान नहीं किया गया।

जीडीसी हीरानगर के छात्रों ने स्वास्थ्य केंद्र का किया शैक्षणिक भ्रमण

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ

जीएलडीएम डिग्री कॉलेज हीरानगर के पर्यावरण विज्ञान विभाग के छठे सेमेस्टर के छात्रों ने अपने पाठ्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हीरानगर का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी प्रदान करना था।

कॉलेज की प्राचार्य डॉ प्रज्ञा खन्ना के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का समन्वय विभागाध्यक्ष नीरू शर्मा तथा डॉ निशू की देखरेख में किया गया। भ्रमण के दौरान छात्रों ने स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों और कर्मचारियों से बातचीत कर वायुजनित, जलजनित और खाद्यजनित बीमारियों के कारण, लक्षण, रोकथाम और नियंत्रण उपायों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही छात्रों ने स्वास्थ्य कर्मियों के ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार का आकलन करने के लिए प्रश्नावली आधारित सर्वे भी किया, जिससे उन्हें डेटा संग्रह और विश्लेषण का व्यावहारिक अनुभव मिला। यह शैक्षणिक भ्रमण छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक साबित हुआ तथा इससे अकादमिक संस्थानों और स्वास्थ्य सेवाओं के बीच समन्वय को भी मजबूती मिली। कॉलेज प्रशासन ने भविष्य में भी ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

सांस्कृतिक दलों ने भी राजदेवता की जलेब में शिरकत की

राज देवता माधोराय की जलेब के साथ शुरू हुआ अंतर्राष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव-2026

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

छोटी काशी मंडी में सोमवार को सात दिवसीय मंडी शिवरात्रि महोत्सव-2026 का आगाज राजदेवता माधोराय की शाही जलेब के साथ हुआ। इस अवसर पर उप -मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने राज देवता माधोराय के मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद अंतर्राष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव-2026 की प्रथम शाही जलेब में शिरकत की। यह पहला मौका था जब प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री द्वारा अंतर्राष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव का शुभारंभ किया गया।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू विधानसभा के बजट सत्र की वजह से इस बार मेलों में शिरकत नहीं कर पाए। खुशनुमा मौसम के चलते धूमधाम से निकली राजदेवता माधोराय की जलेब में ढोल-नगाड़ों की धून पर झूमते हुए सैंकड़ों देवलुओं ने झूमते नाचते हुए शिरकत की। मंडी जनपद के देवी-देवता अपने देवलुओं के साथ ढोल-नगाड़ों की तान पर झूमते हुए पड्डल मेला मैदान तक पहुंचे। माधोराय की शाही जलेब में सबसे आगे पुलिस के घुड़सवार पुलिस और होमगार्ड बैंड, पुलिस के जवान, महिला पुलिस, होमगार्डस,की टुकडियों के साथ-साथ सांस्कृतिक छटा बिखेरते सांस्कृतिक दलों ने भी राजदेवता की जलेब में शिरकत की।

उपायुक्त कार्यालय परिसर से शुरू हुई राजदेवता माधोराय की जलेब पड्डल मैदान में पहुंची। यहां पर उप-मुख्यमंत्री ने ध्वजारोहण कर शिवरात्रि महोत्सव का शुभारंभ किया। वहीं जलेब में हिमाचली व मंडयाली संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाले सांस्कृतिक दलों ने अपने क्षेत्र के परंपरागत पहनावे के साथ शामिल होकर प्रतिनिधित्व किया। इसमें भगवान भोलेनाथ की बारात, मंडयाली लोककलाकारों के दल, महिलाओं की नाटी के साथ-साथ मंडी का नागरीय नृत्य की झलक भी जलेब में देखने को मिली। प्रजापिता ब्रम्हकुमारी संस्था की ओर से शिवरात्रि को लेकर विशेष झांकी के साथ जागरूकता का संदेश दिया। माधोराय की पहली जलेब में बालीचौकी क्षेत्र के देवता छानणू-झमाहूं की जोड़ी ढोल नगाड़ों की लय पर झूमे। इसके बाद देव कोटलू नारायण, देव सरोली मार्कंडेय, देव शैटी नाग, देवी डाहर की अंबिका, देव विष्णू मतलोड़ा, देव मगरू महादेव, देव चपलांदू नाग, श्रीदेव बायला नारायण, देव बिटठु नारायण, देव लक्ष्मी नारायण पखरोल, चौहारघाटी के देव हुरंग नारायण, देव घड़ौनी नारायण, देव पशाकोट नारायण, देव पेखरू का गहरी, देव चुंजवाला शिव, देव तुंगासी ब्रम्हा, देवी सरस्वती महामाया, देवी नाऊ अंबिका के बाद राज माधव की चांदी की कुर्सी और उसके पीछे राजदेवता की पालकी चल रही थी जबकि राजदेवता माधोराय की पालकी के पीछे देव शुकदेव डगाहंदु, देव शुकदेव मड़घयाल, देव जलौणी गणपति, देव शेषनाग टेपर, देव झाथीवीर और देव टूंडीवीर शामिल रहे।

जलेब में धर्मपुर के विधायक चंद्रशेखर, पूर्व मंत्री कौल सिंह ठाकुर,पमर्व मंत्री रंगीला राम राव, पूर्व मंत्री प्रकाश चौधरी, पूर्व सी.पी.एस. सोहन लाल ठाकुर,जिला कांग्रेस अध्यक्ष चंपा ठाकुर व उपायुक्त अपूर्व देवगन व एस.पी. विनोद कुमार आदि उपस्थित रहे।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

रोहतक में युवक की गोली मारकर हत्या

बदमाशों ने करीब बीस राउंड की फायरिंग, दिनेश उर्फ गोगा नाम के युवक की मौत

एजेंसी (हि.स.)
रोहतक

शहर के दिल्ली बाइपास के समीप एक निजी अस्पताल के बाहर दो बदमाशों ने सोमवार की देर शाम एक युवक की गोली मारकर बेरहमी से हत्या कर दी। घटना के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए, इसी बीच सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुँची और शव को अपने कब्जे में ले लिया।

शुरूआती जांच में सामने आया कि गैंगवार के चलते वारदात हुई है। पुलिस के अनुसार सोमवार देर शाम को दिल्ली बाईपास के चौराहे के नजदीक स्कूटी सवार दो युवकों ने एक युवक पर ताबडतोड़ फायरिंग कर दी। बदमाशों ने करीब बीस राउंड फायरिंग की और जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

बाद में मौके से बदमाश फरार हो गए और घटना के बाद वहां पर काफी संख्या में राहगीर एकत्रित हो गए। इसी बीच सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुँची और शव को अपने कब्जे में ले लिया। इसी दौरान मृतक की पहचान गांव निजामपुर निवासी दिनेश उर्फ गोगा के रुप में हुई।

मौके पर पहुंचे डीएसपी रवि खुंडिया ने बताया कि अभी तक यह नहीं पता चल पाया है कि हत्या की घटना को अंजाम देने वाले बदमाश कौन थे और इस हत्या के पीछे कारण क्या रहे हैं।

पुलिस मामले की गहनता से जांच पड़ताल कर रही है। सीन आफ क्राइम की टीम ने भी घटना स्थल का निरीक्षण किया है और इस बारे में आसपास के लोगों से पता किया। शुरूआती जांच में सामने आया है कि मामला गैंगवार से जुड़ा हो सकता है। पुलिस मामले की गहनता से छानबीन कर रही है।

फरीदाबाद : फैक्ट्री में आग से दो पुलिसकर्मियों समेत एक दर्जन झुलसे

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद के सेक्टर-24 स्थित एक फैक्टरी में सोमवार शाम को भीषण आग लगने से दो पुलिसकर्मी और 10 अन्य लोग झुलस गए। आग इतनी तेजी से फैली कि फैक्ट्री का बड़ा हिस्सा जलकर खाक हो गया। घायलों को तुरंत बादशाह खान अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। फायर विभाग और पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फैक्ट्री में सीएनसी मशीन से स्टील की प्लेट काटने का काम होता है। शाम करीब चार बजे प्लेट काटते समय एक चिंगारी केमिकल से भरे ड्रम में चली गई। कर्मचारियों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन इससे ब्लास्ट हो गया। ब्लास्ट के बाद आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री में फैल गई। सूचना मिलते ही मौके पर फायर ब्रिगेड की कई गाडियां पहुंचीं। आग बुझाने के दौरान तेल से भरे ड्रमों की मौजूदगी से आग और भडक गई। वहीं शॉर्ट सर्किट को भी आग का एक कारण बताया गया है, लेकिन प्रारंभिक जांच में सीएनसी मशीन से निकली चिंगारी और केमिकल ड्रम में ब्लास्ट मुख्य वजह लग रही है। झुलसे हुए लोगों में मनोज, लुकमान, अनीश, राकेश, विपिन, रविंदर व अन्य शामिल हैं। दो पुलिसकर्मी भी आग बुझाने और बचाव कार्य में शामिल होने के दौरान झुलस गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और फैक्ट्री मालिक से पूछताछ की जा रही है। फायर विभाग और पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आग पर अब पूरी तरह काबू पा लिया गया है। औद्योगिक क्षेत्रों में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त दिशा निदेशों की जरूरत पर जोर दिया जा रहा है।

अमृत भारत स्टेशन योजना में कालांवाली स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य आरंभ

एजेंसी (हि.स.)
सिरसा

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत उत्तर-पश्चिम रेलवे बीकानेर मंडल के 15 स्टेशनों के आलावा सात स्टेशनों पर भी पुनर्विकास कार्य होगा। सिरसा जिले के कालांवाली रेलवे स्टेशन पर पुनर्विकास का कार्य आरंभ हो चुका है और लगभग छह प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। सोमवार को मिली जानकारी के अनुसार स्टेशन भवन के समरूप में बड़े स्तर पर सुधार कार्य, स्टेशन की ओर आने-जाने वाले मार्ग में प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग प्रावधान का कार्य, बाउंड्री वॉल, सर्कुलेटिंग एरिया में सौंदर्यीकरण, दोपहिया, चौपहिया वाहनों के लिए अलग-अलग पार्किंग सुविधा, बुकिंग ऑफिस रिटायरिंग रूम आदि में सुधार, नए टॉयलेट ब्लॉक्स का कार्य होगा। लगभग आठ करोड़ 76 लाख रुपये की लागत से होने वाले पुनर्विकास कार्यों में उपरोक्त कार्यों के अलावा सौंदर्य वर्धन के लिए एलईडी लाइटिंग, तथा दीवारों पर आर्टवर्क भी किया जायेगा। स्टेशन का मुख्य प्रवेश द्वार अत्यन्त आकर्षक बनाया जाएगा, जिसकी छत पर स्थानीय कला एवं संस्कृति का समन्वय करते हुए कलाकारों द्वारा आकर्षक पेंटिंग की जाएगी। इन सभी सुविधाओं का दिव्यांगजनों तक पहुंच बनाने के लिए उपयुक्त साइनेज भी लगाया जाएगा। इसके अलावा यात्री सूचना प्रणाली में सुधार हेतु के कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड, मल्टीलाइन डिस्प्ले बोर्ड्स, सिंगल लाइन डिस्प्ले बोर्ड, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, बड़े एलइडी स्क्रीन्स तथा जीपीएस आधारित डिजिटल क्लॉक भी लगाया जाएगा।

स्टेशन की प्रकाश व्यवस्था, सुगम, निर्बाध एवं निरंतर तकनीकी रेल कार्यों के संचालन के लिए हरित ऊर्जा उत्पादन सोलर ऊर्जा प्लांट भी स्थापित किया जाएगा। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत इस स्टेशन के पुनर्विकसित होने से यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी, आवागमन सुगम होगा एवं व्यापारी वर्ग भी लाभान्वित होगा। स्टेशन के पुनर्विकास से स्थानीय कारीगर एवं मजदूरों को रोजगार मिलेगा जिससे उनकी आय बढ़ेगी। स्टेशन के पुनर्विकसित होने से पर्यटन, स्थानीय हस्तशिल्प कला आदि को बढ़ावा मिलेगा जिससे क्षेत्र की लोकप्रियता बढ़ेगी एवं साथ रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इस प्रकार स्टेशन के पुनर्विकास से क्षेत्र का आर्थिक और सामाजिक विकास भी होगा। उल्लेखनीय है कि बीकानेर रेल मंडल पर 22 स्टेशनों का पुनर्विकास एवं बीकानेर स्टेशन का मेजर अपग्रेडेशन हो रहा है।

समाज की मजबूती-बुजुर्गों के अनुभव, संस्कार और आशीर्वाद से ही संभव : महीपाल ढांडा

कैथल में धूमधाम से मनाया गया महाराजा सूरजमल का जन्मोत्सव, 151 बुजुर्गों का हुआ सम्मान, समाज को एकता व संस्कारों का दिया संदेश

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने कहा कि जो समाज अपने बुजुर्गों को सम्मान देता है, वही समाज प्रगति की राह पर आगे बढ़ता है। उन्होंने महाराजा सूरजमल के आदर्शों को वर्तमान समय में प्रासंगिक बताते हुए कहा कि उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज शिक्षा, संगठन और सेवा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां प्राप्त कर सकता है। ढांडा जाट समाज के महान योद्धा एवं दूरदर्शी शासक महाराजा सूरजमल जाट के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में कैथल में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे बुजुर्ग हमारी विरासत, हमारी धरोहर थीम पर आधारित कार्यक्रम में समाज के बुजुर्गों, युवाओं, शिक्षाविदों तथा गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और समाज की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। उन्होंने संयुक्त परिवार व्यवस्था को भारतीय संस्कृति की शक्ति बताते हुए नई पीढ़ी से अपील की कि वे अपने बुजुर्गों का सम्मान करें और उनके मार्गदर्शन को जीवन में उतारें। उन्होंने समाज हित में 11 लाख रुपये की सहयोग राशि देने की घोषणा भी की। संस्था द्वारा 151 बुजुर्गों को शॉल, चादर और सम्मान चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

हिसार : बेटियों की सुरक्षा, शिक्षा व सम्मान से निर्धारित होती किसी भी राष्ट्र की प्रगति : जनरल वत्स

एजेंसी (हि.स.)
हिसार

महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज अग्रोहा में इरिया हरियाणा चैप्टर के तत्वावधान में आयोजित फीटल इको कार्डियोग्राफी रिफ्रेशर कोर्स सोमवार को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए वरिष्ठ रेडियोलॉजिस्ट, प्रोफेसर, चिकित्सकगण, शोधार्थी एवं प्रतिभागियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। यह आयोजन मातृ-शिशु स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रति चिकित्सा जगत की प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से अभिव्यक्त करता है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनरल डॉ. डीपी वत्स रहे। उनके साथ विशिष्ट अतिथि, वरिष्ठ शिक्षकों तथा प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा को और बढ़ाया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुआ, जो ज्ञान, सेवा और चिकित्सा के उज्ज्वल संकल्प का प्रतीक है। समारोह के दौरान समाज के प्रति चिकित्सा समुदाय की जिम्मेदारी को रेखांकित करते हुए मुख्य अतिथि ने सभी उपस्थित चिकित्सकों, विद्यार्थियों और प्रतिभागियों को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के समर्थन में शपथ दिलाई। शपथ में कन्या भ्रूण हत्या के विरोध, बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने, लैंगिक समानता स्थापित करने तथा समाज में सम्मानजनक वातावरण निर्मित करने का संकल्प लिया गया। मुख्य अतिथि जनरल डॉ. डीपी वत्स ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसकी बेटियों की सुरक्षा, शिक्षा और सम्मान से निर्धारित होती है। उन्होंने चिकित्सा समुदाय की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि डॉक्टर केवल उपचारकर्ता ही नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने वाले संवेदनशील प्रहरी भी होते हैं। साथ ही उन्होंने युवाओं से राष्ट्रहित, नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रतिसजग रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को शॉल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

संक्षिप्त-समाचार

सोनीपतः 17 फरवरी से 11 अप्रैल तक होगी सीबीएसई परीक्षाएं, धारा 163 लागू

सोनीपत। सोनीपत में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा जिला में 17 फरवरी से 11 अप्रैल तक आयोजित होनी वाली सेकेंडरी एवं सीनियर सेकेंडरी परीक्षाओं के मद्देनजर जिलाधीश सुशील सारवान ने परीक्षा केंद्रों पर बाहरी हस्तक्षेप की रोकथाम, सार्वजनिक शांति एवं सौहार्द में व्यवधान उत्पंन न हो इसलिए सोमवार को जिला में धारा 163 लागू करने के आदेश जारी किए। परीक्षाओं को आयोजन प्रातः 10 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक किया जाएगा। जिलाधीश के आदेशनुसार सभी परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर की परिधि में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने पर प्रतिबंध रहेगा। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के हथियार जैसे तलवार, गंडासी, लाठी, बरछा, कुल्हाड़ी, चाकू आदि लेकर चलने पर पूर्ण रूप से रोक रहेगी। परीक्षा केंद्रों के आसपास मोबाइल फोन लेकर अनावश्यक रूप से घूमने तथा फोटोस्टेट की दुकानों के संचालन पर भी परीक्षा अवधि के दौरान प्रतिबंध लगाया गया है। जिलाधीश सुशील सारवान ने आमजन से अपील की है कि वे प्रशासन द्वारा जारी निदेर्शों का पालन करें और परीक्षा कार्य में सहयोग दें। आदेशों की अवहेलना करने पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

इग्नू ने 28 फरवरी तक बढ़ाई नए दाखिले और पुनः पंजीकरण की अंतिम तिथि

चंडीगढ़। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र कार्यक्रमों में प्रवेश जनवरी 2026 सत्र के लिए प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 28 फरवरी, 2026 कर दी है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है, ताकि वे अभ्यर्थी जो किसी कारणवश निर्धारित समय सीमा में आवेदन नहीं कर पाए थे उन्हें एक और अवसर मिल सके, जो विद्यार्थी किसी अन्य महाविद्यालय या विश्वविद्यालय में नियमित पाठ्यक्रम (रेगुलर मोड) में अध्ययनरत हैं, वे भी इग्नू से एक अतिरिक्त डिग्री या डिप्लोमा कार्यक्रम में प्रवेश लेकर अपने करियर विकल्पों का विस्तार कर सकते हैं। इससे उन्हें दो अलग-अलग विषयों में गहन ज्ञान प्राप्त करने का अवसर मिलता है। उन्होंने बताया कि पुनः पंजीकरण कराने वाले विद्यार्थियों को 200 रुपये विलंब शुल्क का भुगतान करना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय ने सभी पात्र विद्यार्थी निर्धारित तिथि के भीतर आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना पुनः पंजीकरण सुनिश्चित करें, ताकि आगे किसी प्रकार की शैक्षणिक असुविधा से बचा जा सके।

एडवोकेट जनरल, हरियाणा एवं उच्च न्यायालय कार्यालय में प्रवेश हेतु ऑनलाइन विजिटिंग पास अनिवार्य

चंडीगढ़। हरियाणा के महाधिवक्ता तथा उच्च न्यायालय कार्यालय में प्रवेश को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से ऑनलाइन विजिटिंग पास प्रणाली लागू की जा रही है। एक सरकारी प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि अब हरियाणा के महाधिवक्ता तथा उच्च न्यायालय के कार्यालय में कार्यालयों से संबंधित किसी भी आधिकारिक कार्य अथवा किसी केस या सुनवाई के लिए आने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों एवं संबंधित व्यक्तियों को एलएमएस पोर्टल (ँ३३स्र२://ेर१८.ङ्म५.ल्ल) के माध्यम से पूर्व में ऑनलाइन विजिटिंग पास बनवाना अनिवार्य होगा।उन्होंने बताया कि ऑनलाइन विजिटिंग पास के संबंध में आवेदक के पास अपना एम्प्लॉई आईडी कार्ड अनिवार्य होना चाहिए, गेट पास के प्रिंटआउट को अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता से सत्यापित करवाना होगा तथा पास जारी होने के उपरांत संबंधित कार्यालय से उसका सत्यापन करवाना आवश्यक होगा। प्रवक्ता ने बताया कि इस नई प्रणाली के माध्यम से कार्यालय में प्रवेश प्रक्रिया को अधिक संगठित, सुरक्षित एवं डिजिटल बनाया गया है, ताकि कार्य निष्पादन में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित की जा सकेगी।

कुरुक्षेत्र के नैंसी गांव में तर्कशील मेले का आयोजन

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

तर्कशील सोसाइटी हरियाणा गांव नैसी जिला कुरुक्षेत्र में तर्कशील मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन जसप्रीत कौर व कर्मजीत ठसका ने किया।

पंजाबी फिल्मों एवं टी.वी. के कलाकार एकत्र सिंह के नेतृत्व मे चंडीगढ़ स्कूल ऑफ ड्रामा की टीम ने नाटक ' ठगी ' और ' ब्लाकी राम ' नाटक तथा कोरियोग्राफी ' मजदूर दी लुट ' व देश नू चल्लो ' प्रस्तुत किए। तर्कशील जादूगर 'फरियाद सन्याना' व 'राम प्रसाद' की टीम ने 'चमत्कारों का पदार्फाश ' शो में विभिन्न मैजिक ट्रिक्स दिखाए व उनकी व्याख्या भी प्रस्तुत की ।उन्होंने इस के साथ ही चमत्कारों में न फंसने की अपील की और बताया कि दुनिया में चमत्कार के नाम पर आम जन की लूट की जाती है। बलजीत भारती महासचिव ने तर्कशील सोसाइटी का परिचय देते हुए संस्था की 23 शर्तों की चुनौती रखी जिसे दुनियां का कोई भी व्यक्ति करके करोड़ों का इनाम जीत सकता है। रेयांश कुंडू व सुभाष तितरम ने तर्कशील साहित्य की प्रदर्शनी लगाई जिसमें लोगों ने भारी संख्या में पुस्तकें खरीदीं । कार्यक्रम का प्रबंध नैसी इकाई के प्रधान बलचित्र सिंह ढिल्लों ने किया जिसमें अन्य साथियों रवनीत गिल, करमजीत ठसका ने भरपूर सहयोग किया। राज्य कमेटी की ओर से बलजीत भारती, ईश्वर सिंह, अनुपम सिंह, आत्मा सिंह, हरबिलास, सुभाष तितरम व परविंदर सिंह उपस्थित रहे। कंवलजीत सिंह ढिल्लों सरपंच व दिलबाग सिंह गुराया समाज सेवी मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए।

उपस्थित लोगों ने कार्यक्रम की भरपूर सराहना की एवं आर्थिक सहयोग भी किया। यह कार्यक्रम स्मृति शेष तर्कशील साथी टहल सिंह गिल को समर्पित रहा,जिनकी कुछ वर्ष पूर्व एक्सीडेंट में मृत्यु हो गई थी ,साथी टहल सिंह गिल इलाके में तर्कशील मेले करवाने के नाम से जाने जाते थे।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत एवं स्थानीय लोगों का बेहद सहयोग रहा ।कार्यक्रम में जनवादी लेखक संघ , भारतीय किसान यूनियन,मजदूर यूनियन तथा अन्य सामाजिक संगठनों के सदस्य भी उपस्थित रहे।

एआई के दुरुपयोग से बढ़ सकती हैं डीपफेक व साइबर हमलों की चुनौतियां : अजय सिंघल

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

हरियाणा के पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने सोमवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में ह्यसॉवरेन एआईह्ल की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। शिखर सम्मेलन का आयोजन इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार द्वारा केपीएमजी इंडिया के सहयोग से किया गया।

डीजीपी सिंघल ने कहा कि इंटरनेट और मोबाइल क्रांति के बाद अब एआई एक अत्यंत शक्तिशाली तकनीक के रूप में उभर रहा है, जो शासन और सुरक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने की क्षमता रखता है। यह केवल कार्यों को तेज करने का माध्यम नहीं, बल्कि शासन, सुरक्षा और समाज की संरचना को पुनर्परिभाषित करने वाली परिवर्तनकारी शक्ति है। उन्होंने कहा कि यदि एआई का विकास स्वदेशी, सुरक्षित और विश्वसनीय आधार पर नहीं हुआ, तो राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी प्रणालियाँ जोखिम में पड़ सकती हैं। इसी संदर्भ में उन्होंने एआई के पाँच स्तर–ऊर्जा, चिप्स, अवसंरचना, मॉडल और एप्लीकेशन–का उल्लेख करते हुए कहा कि केवल एप्लीकेशन स्तर पर आत्मनिर्भर होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि बिजली, चिप्स, डेटा और सर्वर सहित पूरी तकनीकी व्यवस्था देश के नियंत्रण में और सुरक्षित होनी चाहिए, ताकि किसी भी संकट के समय सुरक्षा तंत्र निर्बाध रूप से कार्य करता रहे।

डीजीपी ने चिंता व्यक्त करते हुआ कहा कि एआई के दुरुपयोग से संवेदनशील डेटा की चोरी, आपात सेवाओं में बाधा, एल्गोरिद्मिक हेरफेर, डीपफेक और साइबर हमलों जैसी चुनौतियों तेजी से बढ़ सकती हैं, इसलिए कानून-प्रवर्तन एजेंसियों का तकनीकी रूप से सशक्त और प्रशिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है।

29 विभागों के 271 कैडरों के लिए ऑनलाइन तबादला अभियान का दूसरा चरण जल्द

20 फरवरी तक इंट्रा हरियाणा पोर्टल पर अपनी जानकारी अपडेट करें कर्मचारी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा सरकार मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी -2025 के तहत ऑनलाइन तबादला अभियान के दूसरे चरण की शुरूआत करने जा रही है। इस चरण में 29 विभागों एवं बोर्डों के 271 कैडरों को शामिल किया जाएगा।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि इस प्रक्रिया को सुचारु रूप से लागू करने के लिए संबंधित विभागों ने इंट्रा हरियाणा पोर्टल पर कार्यरत नियमित कर्मचारियों के डाटा का प्रारंभिक अपडेट शुरू कर दिया है। सभी कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने यूजर आईडी से लॉग-इन कर अपनी प्रोफाइल में दर्ज विवरण को ध्यानपूर्वक जांच लें। यदि किसी कर्मचारी की जानकारी में कोई कमी या त्रुटि पाई जाती है, तो उसे तुरंत पोर्टल पर दर्शाए गए संबंधित प्राधिकारी/चेकर से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेज जमा कराने होंगे, ताकि सही जानकारी दर्ज की जा सके। डाटा का सही और समय पर अपडेट होना जरूरी है, क्योंकि इसी के आधार पर सेवा अवधि, मेरिट अंक और पात्रता निर्धारित की जाएंगी।

उन्होंने आगे बताया कि आवश्यकतानुसार कर्मचारियों को न्यायालय के आदेश, मृत्यु प्रमाण पत्र, अधिकृत मेडिकल बोर्ड चंडीगढ़, रोहतक, हरियाणा/दिल्ली/चंडीगढ़ के सरकारी मेडिकल कॉलेज) द्वारा जारी चिकित्सा प्रमाण पत्र, यूडीआईडी प्रमाण पत्र और अन्य सरकारी दस्तावेज संबंधित चेकर को प्रस्तुत करने होंगे। प्रवक्ता ने बताया कि सभी कर्मचारी मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी-2025 और उसके संशोधनों को भली-भांति पढ़ें तथा 20 फरवरी, 2026 तक अपनी प्रोफाइल का सत्यापन और अपडेट सुनिश्चित करें।

सीनियर सैकेण्डरी की 25 तथा सैकेण्डरी की 26 फरवरी से संचालित होंगी वार्षिक परीक्षाएं

सैकेण्डरी व सीनियर सैकेण्डरी (शैक्षिक/मुक्त विद्यालय) के एडमिट कार्ड कल से होंगे लाईव

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

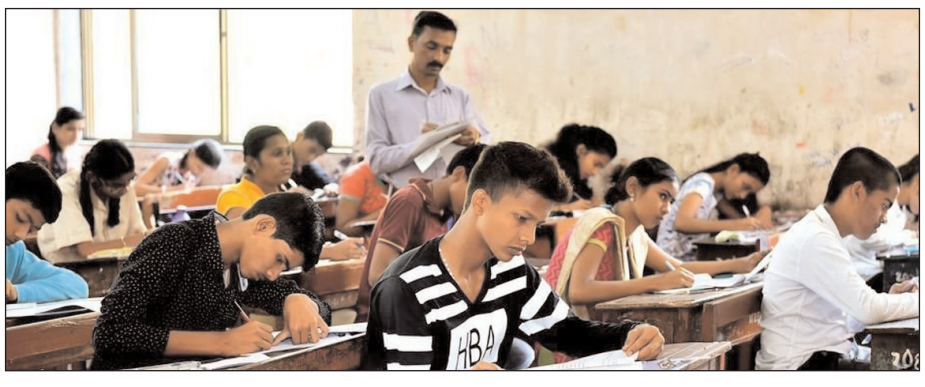

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा सैकेण्डरी व सीनियर सैकेण्डरी (शैक्षिक/मुक्त विद्यालय) नियमित/स्वयंपाठी वार्षिक परीक्षा फरवरी/मार्च-2026 के लिए प्रवेश-पत्र (एडमिट कार्ड) कल से बोर्ड वेबसाइट पर जारी होंगे। सैकेण्डरी (शैक्षिक/मुक्त विद्यालय) नियमित/स्वयंपाठी की वार्षिक परीक्षाएं 26 फरवरी से 20 मार्च, 2026 तक तथा सीनियर सैकेण्डरी की परीक्षाएं 25 फरवरी से 01 अप्रैल, 2026 तक संचालित करवाई जाएंगी। इन परीक्षाओं में प्रदेशभर में 1421 परीक्षा केन्द्रों पर करीब 566400 परीक्षार्थी प्रविष्ट होंगे। परीक्षाओं का समय दोपहर 12:30 बजे से 3:30 बजे तक रहेगा।

इस आशय की विस्तृत जानकारी देते हुए बोर्ड प्रवक्ता ने बताया कि सैकेण्डरी एवं सीनियर सैकेण्डरी (शैक्षिक/मुक्त विद्यालय) वार्षिक परीक्षाओं के प्रवेश-पत्र (एडमिट कार्ड) कल से बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर लाईव होंगे। सभी विद्यालय मुखिया बोर्ड वेबसाइट ६६६.ुँ२ी.ङ्म५.्रल्ल पर अपने यूजर आई.डी. व पासवर्ड से लॉगिन करके आवश्यक दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए विद्यालय में अध्ययनरत परीक्षार्थियों के प्रवेश-पत्र का रंगीन प्रिंट आऊट ए-4 साईज पेपर पर डाउनलोड करना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि यदि परीक्षार्थी के विवरणों में कोई त्रुटि है तो तुरंत बोर्ड कार्यालय में सम्पर्क करते हुए शुद्धि से सम्बंधित मूल दस्तावेज एवं वांछित शुद्धि शुल्क सहित बोर्ड कार्यालय में उपस्थित होकर शुद्धि करवा सकते हैं। सभी परीक्षार्थी प्रवेश पत्र पर दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देशों का पालन करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त स्वयंपाठी परीक्षार्थी जिन द्वारा कम्पार्टमेंट (ए.क.ड.ढ.), अतिरिक्त विषय एवं पूर्ण विषय अंक सुधार/आंशिक अंक सुधार की परीक्षा दी जानी है वे अपना प्रवेश-पत्र बोर्ड वेबसाइट पर दिये गये लिंक से पिछला अनुक्रमांक/नाम, पिता का नाम, माता का नाम भरते हुए प्रवेश पत्र का रंगीन प्रिंट आऊट ए-4 साईज पेपर पर डाउनलोड कर सकते हैं।

इसी प्रकार मुक्त विद्यालय परीक्षा (फ्रेस, रि-अपीयर,अतिरिक्त विषय, सी.टी.पी., ओ.सी.टी.पी., मर्सी चांस, पूर्ण विषय अंक सुधार व आंशिक अंक सुधार श्रेणी) के लिए परीक्षार्थी अपना पिछला अनुक्रमांक/नाम, पिता का नाम, माता का नाम /रजिस्ट्रेशन नं0 भरते हुए प्रवेश पत्र का रंगीन प्रिंट आऊट ए-4 साईज पेपर डाउनलोड करें। यदि विवरणों में कोई अशुद्धि है तो शुद्धि हेतु परीक्षार्थी 20 फरवरी, 2026 तक मूल दस्तावेजों व शुद्धि शुल्क सहित बोर्ड कार्यालय में व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित होकर शुद्धि करवा सकते हैं।

परीक्षा समाप्ति उपरांत फोटो व हस्ताक्षर में परिवर्तन की अनुमति किसी भी परीक्षार्थी को नहीं होगी। यदि किसी विद्यालयी/स्वयंपाठी या मुक्त विद्यालय परीक्षार्थी का अनुक्रमांक किसी कारण से रोका गया है तो ऐसे विद्यालय/परीक्षार्थी बोर्ड कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस में व्यक्तिगत तौर पर वांछित साक्ष्यों/दस्तावेज सहित उपस्थित होकर अपना प्रवेश-पत्र जारी करवा सकते हैं।

उन्होंने आगे बताया कि यदि किसी दिव्यांग परीक्षार्थी को लेखक की सुविधा लेनी है तो परीक्षा केन्द्र के मुख्य केन्द्र अधीक्षक/केन्द्र अधीक्षक द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी से प्रामाणिक दिव्यांग प्रमाण पत्र/वउ्क्क्ष उंश् की जांच करने उपरान्त दिव्यांग परीक्षार्थी को परीक्षा आरंभ होने से एक घण्टा पूर्व लेखक उपलब्ध करवाया जाएगा, इसके अतिरिक्त बोर्ड कार्यालय में सहायक सचिव द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी से प्रामाणिक दिव्यांग प्रमाण पत्र/ की जांच करने उपरान्त दिव्यांग परीक्षार्थी को परीक्षा आरंभ होने से एक दिन पूर्व लेखक उपलब्ध करवाया जाएगा।

संपादकीय

खाली खाते की भारी कीमत ! पांच साल में बैंकों ने कमाए साढ़े आठ हजार करोड़

भारतीय बैंकिंग व्यवस्था में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की भूमिका केवल वित्तीय लेनदेन तक सीमित नहीं रही है, बल्कि इन्हें सामाजिक और आर्थिक विकास के वाहक के रूप में देखा जाता रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में शाखाओं का विस्तार, छोटे बचतकताओं को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ना और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना इनकी प्रमुख जिम्मेदारियों में शामिल रहा है। लेकिन हाल के वर्षों में एक ऐसी प्रवृत्ति सामने आई है जिसने बैंकिंग व्यवस्था के इस सामाजिक चरित्र पर सवाल खड़े किए हैं। उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने बीते पाँच वर्षों में न्यूनतम शेष राशि बनाए न रखने पर ग्राहकों से लगभग साढ़े आठ हजार करोड़ रुपये तक जुमार्ना वसूला है। यह स्थिति केवल राजस्व संग्रह का मामला नहीं है, बल्कि इससे यह बहस भी जन्म लेती है कि क्या यह नीति वास्तव में ग्राहक हितों और वित्तीय समावेशन के उद्देश्यों के अनुरूप है। न्यूनतम बैलेंस रखने की शर्त मूल रूप से बैंकिंग संचालन को व्यवस्थित बनाए रखने और प्रशासनिक लागत को संतुलित करने के लिए लागू की गई थी। बैंक खातों की देखरेख, लेनदेन की प्रक्रिया, सुरक्षा उपायों और तकनीकी संरचना पर खर्च करते हैं, जिसके कारण शुल्क और जुमार्ने को एक वित्तीय साधन के रूप में देखा गया। लेकिन समय के साथ यह व्यवस्था ऐसे वर्गों पर बोझ बन गई जिनकी आय अस्थिर है। असंगठित क्षेत्र के कामगार, छोटे किसान, दैनिक मजदूरी करने वाले लोग और निम्न आय वर्ग के ग्राहक अक्सर नियमित रूप से खाते में निर्धारित राशि बनाए रखने में सक्षम नहीं होते। नतीजतन, वे बार-बार जुमार्ना चुकाने के लिए विवश हो जाते हैं, जो उनकी आर्थिक स्थिति को और कमजोर कर सकता है। यहाँ एक महत्वपूर्ण विरोधाभास भी सामने आता है। सरकार और बैंकिंग संस्थाएँ वित्तीय समावेशन के लिए खाते खोलने को प्रोत्साहित करती हैं, लेकिन यदि उन्हीं खातों पर जुमार्ने का बोझ बढ़ता है तो ग्राहक बैंकिंग प्रणाली से दूरी बना सकते हैं। कई मामलों में देखा गया है कि खाते निष्क्रिय हो जाते हैं या ग्राहक केवल आवश्यक लेनदेन तक ही सीमित रहते हैं। यह प्रवृत्ति वित्तीय समावेशन के दीर्घकालिक लक्ष्य के लिए चुनौती बन सकती है। इस मुद्दे का एक और पहलू पारदर्शिता और जानकारी की उपलब्धता से जुड़ा है। कई ग्राहकों को यह स्पष्ट नहीं होता कि उनके खाते पर न्यूनतम बैलेंस की क्या शर्तें लागू हैं, जुमार्ने की दर कितनी है और उससे बचने के विकल्प क्या हैं। बैंकिंग शर्तों की जटिल भाषा और सूचना की कमी के कारण उपभोक्ता अनजाने में अतिरिक्त शुल्क का भुगतान करते रहते हैं। वित्तीय साक्षरता के अभाव में यह समस्या और गहरी हो जाती है। इसलिए विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि ग्राहकों को स्पष्ट और सरल भाषा में जानकारी उपलब्ध कराई जाए तथा जागरूकता कार्यक्रमों को मजबूत किया जाए। हालाँकि बैंकिंग क्षेत्र के दृष्टिकोण से देखा जाए तो शुल्क और जुमार्ने की व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त करना भी सरल नहीं है। बैंकिंग ढाँचे को बनाए रखने के लिए लागत आती है, और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भी प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में कार्य कर रहे हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म, साइबर सुरक्षा और ग्राहक सेवा के लिए निवेश आवश्यक है। लेकिन प्रश्न यह है कि इन खर्चों का संतुलन किस प्रकार स्थापित किया जाए ताकि बैंक भी टिकाऊ रहें और ग्राहकों पर अनावश्यक भार भी न पड़े। डिजिटल बैंकिंग के विस्तार ने इस बहस को नया आयाम दिया है। ऑनलाइन लेनदेन और मोबाइल बैंकिंग के बढ़ते उपयोग से बैंकिंग लागत में कमी आने की संभावना व्यक्त की जाती है। साथ ही, शून्य-बैलेंस खातों जैसी पहलें यह दर्शाती हैं कि वैकल्पिक मॉडल संभव हैं। यदि तकनीकी प्रगति के माध्यम से सेवाएँ सस्ती और सुलभ बनाई जा सकती हैं, तो जुमार्ने की नीति में भी लचीलापन लाने की गुंजाइश बनती है। उदाहरण के तौर पर, आय या खाते के उपयोग के आधार पर शुल्क संरचना में भिन्नता लाई जा सकती है या कमजोर वर्गों को छूट दी जा सकती है। नीतिगत स्तर पर नियामक संस्थाओं और सरकार की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। बैंकिंग शुल्क से संबंधित नियमों की समय-समय पर समीक्षा और ग्राहक संरक्षण के उपाय आवश्यक हैं। यदि जुमार्ने की राशि अत्यधिक प्रतीत होती है, तो इसके सामाजिक प्रभाव का आकलन किया जाना चाहिए। जनप्रतिनिधियों और उपभोक्ता संगठनों द्वारा इस विषय को उठाया जाना भी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में सहायक हो सकता है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को भी आत्ममंथन की आवश्यकता है। उनकी स्थापना का उद्देश्य केवल लाभ कमाना नहीं था, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी निभाना भी था। यदि उनकी नीतियाँ कमजोर वर्गों के लिए असुविधाजनक बनती हैं, तो इससे संस्थागत भरोसे पर असर पड़ सकता है। दीर्घकाल में ग्राहक विश्वास ही बैंकिंग व्यवस्था की स्थिरता का आधार होता है। इसलिए आवश्यक है कि राजस्व अर्जन और सामाजिक दायित्व के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। समग्र रूप से यह स्पष्ट है कि न्यूनतम शेष राशि पर जुमार्ना वसूली का मुद्दा बहुआयामी है। इसमें बैंकिंग लागत, ग्राहक अधिकार, वित्तीय समावेशन और नीतिगत संतुलन जैसे अनेक पहलू जुड़े हुए हैं। यह केवल आँकड़ों का विषय नहीं है, बल्कि आर्थिक न्याय और सामाजिक संवेदनशीलता से जुड़ा प्रश्न है। यदि बैंकिंग व्यवस्था को वास्तव में समावेशी बनाना है, तो ऐसी नीतियों की आवश्यकता है जो सभी वर्गों के लिए समान रूप से अनुकूल हों। अंततः, यह बहस एक अवसर भी प्रदान करती है–ऐसी नीतियों को विकसित करने का अवसर जो बैंकिंग क्षेत्र को अधिक पारदर्शी, लचीला और जनोन्मुखी बना सकें। जब बैंकिंग सेवाएँ सहज और भरोसेमंद होंगी, तभी वित्तीय समावेशन का लक्ष्य पूर्ण रूप से साकार हो सकेगा और आम नागरिक स्वयं को आर्थिक प्रणाली का सक्रिय हिस्सा महसूस करेंगे।

बांग्लादेश की नई सरकार को यूनुस के किरदार को समझना होगा

योगेश कुमार सोनी (हि.स)

बीते दो वर्ष में बांग्लादेश ने राजनीतिक भूचाल देखा है। पहली बार ऐसा हुआ कि किसी एशियाई प्रधानमंत्री को देश से भागना पड़ा। अब बांग्लादेश की नई गाथा के बाद एक नया कूटनीतिक अध्याय शुरू होगा। आम चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने कड़े स्वर में कहा कि सत्ता संभालते ही उसका पहला बड़ा एजेंडा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का प्रत्यर्पण होगा। अब सवाल सिर्फ कानूनी नहीं बल्कि भारत-बांग्लादेश संबंधों की दिशा तय करने वाला भी है चूंकि बीते लंबे समय से हसीना को लेकर भारत-बांग्लादेश के अलावा पूरी दुनिया की निगाह है कि आखिर शेख हसीना को लेकर अगला अध्याय क्या होगा। बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्य सलाहुद्दीन अहमद ने शुक्रवार को स्पष्ट कहा कि उनकी पार्टी भारत से औपचारिक रूप से शेख हसीना को ट्रायल के लिए बांग्लादेश प्रत्यर्पित करने का आग्रह करेगी। उनका कहना है कि यह मामला दोनों देशों के संबंधित मंत्रालयों के बीच तय कानूनी प्रक्रिया के तहत सुलझाया जाना चाहिए।

बीएनपी का तर्क है कि हसीना के कार्यकाल में हुए कथित दमन और भ्रष्टाचार के मामलों की निष्पक्ष सुनवाई जरूरी है। पार्टी ने भारत से सहयोग की उम्मीद जताई है लेकिन यह भी स्पष्ट कर दिया है कि न्यायिक प्रक्रिया से पीछे हटने का सवाल नहीं उठता। बांग्लादेश चुनाव में बीएनपी की बड़ी जीत के बाद पार्टी नेता तारिक रहमान देश की कमान संभालने के लिए तैयार हैं। इसके साथ ही दो दशक बाद बांग्लादेश की सत्ता में बीएनपी की वापसी हो रही है। इसका असर भारत पर भी होगा। बांग्लादेश के 13वें राष्ट्रीय चुनाव में बीएनपी ने 300 में से 212 सीटों पर रिकॉर्ड जीत हासिल कर बहुमत हासिल किया है। जमात-ए-इस्लामी गठबंधन को मात्र 77 सीटें हासिल हुई हैं। अन्य दलों का प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा। व सत्ताधारी अवामी लीग को इस चुनाव में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी गई।

अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना की 15 साल पुरानी सरकार गिर गई थी जिसके बाद से देश राजनीतिक अस्थिरता और हिंसा के दौर से गुजरा। अब बांग्लादेश सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वहां बदहाली व गुंडागर्दी को कैसे नियंत्रित करेगी। दुनिया ने खुली आंखों से देखा कि किस तरह देश के प्रधानमंत्री की भी जान सुरक्षित नही है। गुंडागर्दी का तांडव ऐसा हुआ कि हसीना के निजी अंगवस्त्रों के साथ फोटो सोशल मीडिया पर डाले गए। मोहम्मद यूनुस ब्रांड के रूप में जाने जाते हैं। उनकी वैश्विक पहचान एक सामाजिक उद्यमी और नागरिक समाज के नेता के रूप में रही है। उनकी यह घोषणा कि थी वह चुनाव के बाद सत्ता में नहीं रहेंगे लेकिन आज बांग्लादेश की सरकार को यूनुस की कितनी आवश्यकता है और क्या वह उनके किरदार व अनुभव का इस्तेमाल करके अपने आप को सशक्त करने का प्रयास करेगी। यह अहम सवाल है। सरकार को यूनुस का फायदा यह मिल सकता है कि उनकी साख सभी नेताओं से बहुत मजबूत मानी जाती है।

संभावना जताई जा रही है कि चुनाव के बाद यूनुस फिर से सामाजिक विकास, गरीबी उन्मूलन और फिनटेक आधारित वित्तीय समावेशन जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। इस तरह उनका भविष्य प्रत्यक्ष राजनीति से दूर, लेकिन राष्ट्रीय पुनर्निर्माण से जुड़ा रह सकता है। टाइम मैगजीन ने बुधवार को वर्ष 2025 के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की लिस्ट जारी की थी, जिसमें मोहम्मद यूनुस को जगह मिली है।

पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने पहली बार लिखा था कि यूनुस बांग्लादेश को मुश्किलों से बाहर निकाल रहे हैं और मानवाधिकारों को बहाल कर रहे हैं। बहरहाल, अब बांग्लादेश को स्वयं को लेकर अपनी सकारात्मक शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी। चूंकि जितना नुकसान बीते कुछ समय में हुआ है उसकी भरपाई करना बेहद मुश्किल है। सरकार का नया स्वरूप ऐसा होना चाहिए कि वह अपनी छवि को सुधारते हुए सभी के साथ चले और देश की जनता में अपना विश्वास बनाए रखे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष: शिक्षा या प्रशिक्षण क्षेत्र से जुड़े लोगों की प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत हैं। आप दूसरों की सहायता करने के लिए आगे आएंगे। नया व्यवसाय शुरू करने की प्रेरणा मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ समय सुखद रहेगा, हालांकि आत्मनिर्भर रहना बेहतर होगा। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा होने में अपेक्षा से अधिक समय लग सकता है। अपने विचार दूसरों पर थोपने से बचें। शेयर बाजार में निवेश सोच-समझकर करें। विदेश में रहने वालों को कुछ उलझनों का सामना करना पड़ सकता है। संतान से जुड़ी चिंता और कमर दर्द की शिकायत संभव है। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: व्यापार में अच्छा आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। पुरानी बातों पर मनन करेंगे और जोखिमपूर्ण निवेश में रुचि ले सकते हैं। भविष्य से जुड़ा बड़ा निर्णय ले सकते हैं। संपत्ति विवाद बढ़ने की आशंका है, वहीं युवा करियर में नए प्रयोग करेंगे। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: समय का सदुपयोग करें और अनावश्यक कार्यों से दूरी रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान देना जरूरी रहेगा। निर्माण या मरम्मत कार्यों में आ रही अड़चन दूर हो सकती है। घरेलू जरूरतों की खरीदारी करेंगे और अपनी पसंद के कार्यों में मन लगेगा। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: काम करने के तरीके में बदलाव करना लाभदायक रहेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। परिवार के साथ व्यवहार संतुलित रखें। आवश्यक वस्तु प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है, लेकिन नए काम की शुरूआत के अवसर मिलेंगे। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: आपके आचरण और व्यवहार की सराहना होगी। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहेंगे और लोगों पर आपका प्रभाव सकारात्मक रहेगा। जीवनसाथी के साथ समय सुखद बीतेगा। कार्यों में आई बाधाओं को लेकर चिंता कम हो सकती है। *(सिटी दर्पण)*

तुला: रक्तचाप से जुड़े लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए और खानपान नियंत्रित रखें। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप से बचें। मन में संशय की स्थिति रह सकती है और आय के स्रोत थोड़े कमजोर पड़ सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

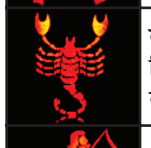

वृश्चिक: आत्मविश्वास मजबूत रहेगा और विद्यार्थियों का ध्यान पढ़ाई में लगेगा। आर्थिक लेन-देन के लिए दिन अनुकूल है। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। अधूरे कार्यों को फिर से शुरू करने का प्रयास करेंगे। भाई-बहनों से संबंध बेहतर रहेंगे, मौसम बदलने से सूजन की समस्या हो सकती है। *(सिटी दर्पण)*

धनु: मन में उत्साह और प्रसन्नता का भाव रहेगा। ऑनलाइन लेन-देन करते समय सतर्क रहें। क्रोध पर नियंत्रण रखना जरूरी है। जीवन के प्रति सकारात्मक सोच बढ़ेगी, हालांकि पाचन से जुड़ी परेशानी हो सकती है। *(सिटी दर्पण)*

मकर: व्यापारिक यात्रा की संभावना बन सकती है। परिवार में किसी घटना को लेकर चिंता बनी रह सकती है। विवाद से दूर रहें। माता-पिता के साथ मतभेद और आत्मसम्मान को ठेस लगने जैसी स्थिति बन सकती है। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: कार्य पूरे करने में आपकी तत्परता दिखाई देगी। खुदरा व्यापार में प्रगति होगी। लक्ष्य हासिल करने का दबाव महसूस होगा, इसलिए अनुभवी लोगों की सलाह लें। तेज धूप से बचाव रखें, अन्यथा सिरदर्द हो सकता है। *(सिटी दर्पण)*

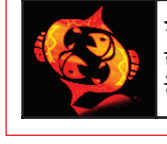

मीन: युवाओं के विवाह से जुड़े विषय आगे बढ़ सकते हैं। संतान की उपलब्धियों से गर्व महसूस होगा। आर्थिक तंगी कुछ परेशानी दे सकती है। निम्न रक्तचाप की आशंका है और व्यवसाय विस्तार के लिए ऋण लेना पड़ सकता है। *(सिटी दर्पण)*

श्रम संहिताएं : एक नई दृष्टि

प्रो बीजू वर्के

डॉ शैलजा त्रिपाठी

चार श्रम संहिताओं की 21 नवंबर, 2025 को आधिकारिक घोषणा के साथ ही एक नए युग की शुरूआत हो गई है। यह घोषणा भारत की श्रम कानून व्यवस्था में एक बड़े ढांचागत सुधार का संकेत है। अनुमानों के अनुरूप ही इसकी सराहना और आलोचना, दोनों ही की गई है। बहुप्रतीक्षित श्रम कानून सुधारों ने कामगारों से संबंधित 29 से ज्यादा कानूनों को चार व्यापक संहिताओं में समेट दिया है।

भारतीय श्रम कानूनों में सुधारों की मांग लंबे अरसे से चली आ रही थी। इस संबंध में समय-समय पर सीमित घोषणाएं की गईं और उन्हें टुकड़ों में लागू किया गया। सभी हितधारक इस बात पर सहमत थे कि देश को आगे ले जाने के लिए एक उत्पादक, समावेशी और सशक्त कार्यबल तथा कामकाज का उपयुक्त परिवेश जरूरी है। बदलाव की इच्छा सब में होने के बावजूद हर हितधारक की अपनी अलग-अलग उम्मीदें और चिंताएँ थीं।

इन सुधारों का उद्देश्य श्रमिक कल्याण को मजबूती देना और अनुपालन को सरल बनाना है। श्रम नियमन के ढांचे को वर्तमान आर्थिक और सामाजिक वास्तविकताओं के अनुरूप बनाना तथा व्यवसाय सुगमता में वृद्धि के उपायों को मजबूत करना भी इनका उद्देश्य रहा है। इन सुधारों के तहत 29 महत्वपूर्ण कानूनों को वेतन, सामाजिक संरक्षा, व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा तथा औद्योगिक संबंध से जुड़ी चार संहिताओं में समेट दिया गया है। नई व्यवस्था का उद्देश्य श्रमिकों के कामकाज को औपचारिक रूप देना, कानून के दायरे से अब तक बाहर रहे अनौपचारिक, अस्थाई और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए काम करने वाले कामगारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना, महिला अधिकारों का संवर्द्धन तथा सभी क्षेत्रों में नियोक्ता-श्रमिक संबंधों को आधुनिक बनाना है।

नई श्रम संहिताओं की नीचे वर्णित कुछ विशिष्टताएं उन्हें देश की मौजूदा और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बनाती हैं-

सुदृढ़ीकरण और सामंजस्यः भारत के श्रम कानून ऐतिहासिक तौर पर विभाजित तथा परिभाषाओं की बहुलता और सख्त अनुपालन व्यवस्थाओं से ग्रसित थे। नियोक्ताओं को एकदूसरे से मिलती-जुलती अनेक नियामक जरूरतों का सामना करना पड़ता था। श्रमिक और खास तौर से असंगठित कामगार आम तौर पर वैधानिक संरक्षण के दायरे से बाहर थे। श्रम संहिताओं ने अनुपालन की पिछली जटिल प्रणाली को समरूप परिभाषाओं, डिजिटल प्रक्रियाओं और विस्तारित दायरे से सरल बनाया है।

सम्मानजनक कार्य सिद्धांतों का अनुपालनः सुधारों में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के सम्मानजनक कार्य सिद्धांतों को शामिल किया गया है। इन कार्य सिद्धांतों में उच्च गुणवत्ता वाले रोजगारों का सृजन, श्रमिक अधिकारों और समानता का संरक्षण तथा सामाजिक सुरक्षा और संवाद शामिल है।

अनुपालन का सरलीकरणः पुरानी प्रणाली में अत्यधिक कागजी कार्रवाई, निरीक्षणों पर अतिनिर्भरता और कमजोर अनुपालन जैसी खामियां थीं। नई संहिताओं में अनुपालन प्रणालियों को सुचारू बनाने के साथ ही उल्लंघनों को रोकने के लिए कठोर दंड की व्यवस्था की गई है।

संवहनीय विकास लक्ष्यों के साथ तालमेलः ये संहिताएं श्रमिक अधिकारों को मजबूत कर, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करते हुए तथा समावेशी विकास को बढ़ावा देकर संवहनीय विकास लक्ष्य (एसडीजी) 8 को आगे बढ़ाती हैं। इसके अलावा ये एसडीजी 1,3,5 और 10 को हासिल करने में भी सहायक हैं।

कार्य संबंधी भविष्य की जरूरतों के अनुरूपः इन संहिताओं में तेज आर्थिक और प्रौद्योगिकीय बदलावों को ध्यान में रखा गया है। इनमें विस्तारित परिभाषाओं, पुनर्प्रशिक्षण के प्रावधानों, व्यापक सामाजिक सुरक्षा कवरेज और वैकल्पिक कार्य व्यवस्थाओं के औपचारीकरण के जरिए भविष्य की कार्य संबंधी चिंताओं का निराकरण किया गया है।

संहिताओं की मुख्य विशेषताएं और उनका प्रभावः

वेतन संहिता, 2019ः यह संहिता पिछले चार कानूनों को एकीकृत करती है और ₹मजदूरी₹ की एक समान परिभाषा तथा 'राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी' की अवधारणा पेश करती है। यह व्यापक और अधिक सुसंगत वेतन सुरक्षा सुनिश्चित करती है, समय पर भुगतान को अनिवार्य बनाती है, और समान पारिश्रमिक के नियम को सुदृढ़ करती है, जिससे आय सुरक्षा मजबूत होती है और विवादों में कमी आती है।

औद्योगिक संबंध संहिता, 2020ः यह संहिता मजदूर संगठनों, औद्योगिक विवादों और स्थायी आदेशों को नियंत्रित करने वाले कानूनों को एक साथ लाती है। यह विवाद समाधान की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करती है, निश्चित समय-सीमा निर्धारित करती है और हड़ताल, कामबंदी तथा छंटनी से जुड़े नियमों को तर्कसंगत बनाती है। जहाँ यह नियोक्ताओं को परिचालन के लिए लचीलापन प्रदान करती है, वहीं सामूहिक सौदेबाजी और कानूनी समाधान के लिए सुरक्षा उपायों को भी बरकरार रखती है।

सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020ः यह संहिता संगठित क्षेत्र से आगे जाकर सुरक्षा के दायरे का विस्तार करके एक बड़े बदलाव का संकेत देती है। इसके अंतर्गत गिग कामगारों, प्लेटफॉर्म के जरिये काम करने वाले श्रमिकों को भविष्य निधि, बीमा, मातृत्व लाभ और वृद्धावस्था सुरक्षा से संबंधित वैधानिक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने का प्रावधान किया गया है।

व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति (ओएसएच) संहिता, 2020ः यह ओएसएच संहिता सुरक्षा से संबंधित कई कानूनों को एक एकीकृत ढांचे में समाहित करती है। यह कार्यस्थल सुरक्षा मानदंडों का मानकीकरण करती है, नियामक निरीक्षण को मजबूत करती है और सभी क्षेत्रों में इसे लागू करने में सुधार करती है।

आगे की राह क्या है?

वी. वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान द्वारा नए श्रम कानूनों के बारे में नियोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच हाल ही में किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि इन संहिताओं ने बेहतर भविष्य के प्रति सकारात्मक उम्मीद जगाई है। जहाँ 64% श्रमिकों का मानना है कि संहिताओं के लागू होने से आय सुरक्षा बढ़ेगी, वहीं नियोक्ताओं ने भी निश्चित अवधि के रोजगार अनुबंधों (64%) और कार्यस्थल सुरक्षा (73%) को लेकर इसी तरह के भाव व्यक्त किए हैं। दोनों ही हितधारक इन संहिताओं को एक ऐसे साधन के रूप में देखते हैं जो दोनों पक्षों के अनुभवों को बेहतर बनाएगा।

चारों श्रम संहिताएं भारत के श्रम शासन में एक ऐतिहासिक परिवर्तन का प्रतीक हैं। पुराने पड़ चुके कानूनों को एकीकरण, सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार और नियोक्ताओं के लचीलेपन तथा श्रमिक सुरक्षा के बीच संतुलन बनाकर, इन सुधारों का उद्देश्य एक अधिक कुशल, समावेशी और विकासोन्मुखी श्रम बाजार बनाना है। चूंकि ये संहिताएं कार्यान्वयन के शुरूआती चरण में हैं, इसलिए यह आवश्यक है कि सभी हितधारक इन्हें खुले मन से अपनाएं और 'विफलता से सीखकर तेजी से सुधार' करने वाला दृष्टिकोण रखें। इनकी अंतिम सफलता इनके प्रभावी कार्यान्वयन, हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने और संवैधानिक मूल्यों तथा अंतर्राष्ट्रीय श्रम मानकों की तरह निरंतर अमल में लाने पर निर्भर करेगी।

(लेखक, प्रो. बीजू वर्के आईआईएम अहमदाबाद में प्रोफेसर और डॉ शैलजा त्रिपाठी वेजइंडिकेटर हैं)

सृजन, सुविधा और नई संस्कृति

डॉ. सत्यवान सौरभ (हि.स)

कहा जाता है कि हर नई तकनीक अपने साथ सुविधा लेकर आती है, पर कुछ तकनीक धीरे-धीरे हमारी सोच और आदतों को भी बदल देती हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज ऐसे ही मोड़ पर खड़ी है। उसने लिखने की गति बढ़ाई है, उसे आसान और सुलभ बनाया है, पर उसी अनुपात में उसने सृजन के अर्थ को धुंधला भी किया है। अब प्रश्न यह नहीं रह गया कि 'लिखा कितना अच्छा है', बल्कि यह बन गया है कि 'लिखा किसने है और किस तरह लिखा है।' जब किसी लेख, कविता या विचार को पढ़ते हुए यह बोध होता है कि वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा रचा गया है, तो पाठक के भीतर कुछ टूट-सा जाता है। शब्द सधे हुए होते हैं, भाव भी उपयुक्त लगते हैं, पर कहीं एक रिक्तता रह जाती है। जैसे सुंदर शरीर हो, पर उसमें प्राण न हों। रचना का वह जादू, जो लेखक और पाठक के बीच एक अदृश्य संबंध बनाता है, अचानक समाप्त हो जाता है। यह केवल सौंदर्य का नहीं, विश्वास का भी प्रश्न है।

समस्या यह नहीं है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता लिख सकती है। समस्या यह है कि वह लिखते समय मनुष्य होने का भ्रम रचती है। वह अनुभव की नकल करती है, पीड़ा की भाषा बोलती है, प्रेम और करुणा के मुहावरे दोहराती है-बिना कभी असफलता, भय या दुविधा से गुजरे। जब ऐसी सामग्री किसी मनुष्य के नाम से प्रस्तुत की जाती है, तो वह तकनीकी सहायता नहीं रह जाती; वह बौद्धिक नकल का रूप ले लेती है। यह नकल कोई नई बात नहीं है। हमारी शिक्षा व्यवस्था लंबे समय से इस मानसिकता को पोषित करती रही है कि अंक सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण हैं, प्रक्रिया नहीं। परीक्षा में नकल करके उत्तीर्ण होना, दूसरों की उत्तर पुस्तिकाओं से विचार उठाना, और फिर उसी सफलता का गर्वपूर्वक प्रदर्शन—यह सब समाज में किसी न किसी रूप में स्वीकार्य रहा है। आज वही प्रवृत्ति कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से नई शक्ल में सामने आई है। अंतर केवल इतना है कि अब नकल अधिक चमकदार, अधिक विश्वसनीय और अधिक सुरक्षित दिखाई देती है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से उत्पन्न सामग्री की एक पहचान बन चुकी है—भाषा की दृष्टि से निर्दोष, संरचना में संतुलित, और भावनात्मक रूप से 'उचित'। पर यही परिपूर्णता उसे संदिग्ध भी बनाती है। क्योंकि वास्तविक सृजन प्रायः परिपूर्ण नहीं होता। उसमें झिझक होती है, दोहराव होता है, कभी-कभी असंगति भी होती है। सच्चा लेखक अपने ही विचारों से जूझता है, अपनी ही सीमाओं से संघर्ष करता है। उस संघर्ष की छाया शब्दों में दिखाई देती है, और वही रचना को जीवंत बनाती है।

आज सामाजिक माध्यमों और अंकीय मंचों पर सामग्री की बाढ़ है। हर विषय पर, हर दृष्टिकोण से, तुरंत लेख उपलब्ध हैं। इस भीड़ में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक तीव्र यंत्र की तरह काम करती है, जो पहले से मौजूद हजारों विचारों को जोड़कर एक नया पैकेज बना देती है। यह पैकेज उपयोगी हो सकता है, जानकारी पूर्ण हो सकता है, पर क्या वह दृष्टि दे सकता है? क्या वह जोखिम उठा सकता है? क्या वह यह स्वीकार कर सकता है कि 'मैं गलत भी हो सकता हूं'? यहीं मनुष्य और यंत्र के बीच मूल अंतर स्पष्ट होता है। मनुष्य अपनी बात कहते समय डरता है—आलोचना से, अस्वीकार से, असफलता से। और यही डर उसकी आवाज को विशिष्ट बनाता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता को न आलोचना का भय है, न अस्वीकार का। इसलिए वह सुरक्षित भाषा में लिखती है—सबको स्वीकार्य, किसी को असुविधाजनक न लगे ऐसी। परिणामस्वरूप, हम ऐसी रचनाएं पढ़ रहे हैं जो सब कुछ कहती हैं, पर वास्तव में कुछ भी नहीं कहतीं।

एक और गंभीर प्रश्न श्रेय का है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एक औजार की तरह उपयोग किया जाए—शोध, संपादन या भाषा-सुधार के लिए—और यह स्पष्ट कर दिया जाए कि इसमें यंत्र की सहायता ली गई है, तो यह ईमानदारी है। पर जब पूरी रचना यंत्र द्वारा तैयार की जाए और लेखक का नाम किसी मनुष्य का हो, तो यह धोखा है। यह पाठक के साथ भी अन्याय है और सृजन की परंपरा के साथ भी। अकर यह तर्क दिया जाता है कि ह्लअंतिम परिणाम ही महत्त्वपूर्ण है, तरीका नहीं ह्ल पर यही तर्क नकल को भी वैध ठहराता है। यदि तरीका अप्रासंगिक होता, तो शिक्षा, प्रशिक्षण और अभ्यास का कोई अर्थ न रह जाता। सृजन केवल परिणाम नहीं है, वह एक प्रक्रिया भी है। लिखते समय जो सोच विकसित होती है, जो आत्मसंघर्ष होता है, वही लेखक को गढ़ता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता उस प्रक्रिया को बीच में ही काट देती है।

यह कहना भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता स्वयं में शत्रु नहीं है। हर तकनीक की तरह उसका मूल्य उसके उपयोग में निहित है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब सुविधा, सृजन का स्थान लेने लगती है। जब लेखक बनने के स्थान पर 'सामग्री उत्पादक' बनने की होड़ लग जाती है। जब पहचान मेहनत और अनुभव से नहीं, बल्कि उत्पादन की मात्रा से तय होने लगती है। भविष्य में संभवतः दो प्रकार के लेखन स्पष्ट रूप से दिखेंगे। एक, जो तेज होगा, चमकदार होगा, हर जगह उपलब्ध होगा—और शीघ्र भुला दिया जाएगा। दूसरा, जो धीमा होगा, सीमित होगा, कभी-कभी असुविधाजनक भी होगा—पर टिकेगा। क्योंकि वह किसी मनुष्य द्वारा चुकाई गई कीमत के साथ लिखा गया होगा।

पाठक भी धीरे-धीरे इस अंतर को समझने लगेंगे। लेखक का मूल्य उसके साहस से आंका जाएगा—उस साहस से, जिसे किसी यंत्र से उधार नहीं लिया जा सकता।

अंततः प्रश्न कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नहीं, हमारी ईमानदारी का है। सृजन सदैव कठिन रहा है और रहेगा। जो उसे अत्यधिक आसान बना देता है, वह अकसर उसे खोखला भी कर देता है। इसलिए आज, इस तकनीकी कोलाहल के बीच, सबसे आवश्यक प्रतिरोध यही है कि हम लिखते समय यह स्मरण रखें—शब्द केवल जोड़ने के लिए नहीं होते, जीने के लिए होते हैं। और जीवन की सच्ची अनुभूति की नकल कोई भी यंत्र, चाहे वह कितना ही कुशल क्यों न हो, पूर्ण रूप से नहीं कर सकता।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अकाली, भाजपा और कांग्रेस ने पंजाब को नशे की दलदल में धकेला, अब 'आम आदमी पार्टी' बना रही नशा मुक्त पंजाब : केजरीवाल

हमने पंजाब पर चिट्टे का कलंक हटाने का वादा किया था, जो हम 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान के माध्यम से पूरा कर रहे हैं: भगवंत सिंह मान

सिटी दर्पण संवाददाता
मोगा

मोगा में विलेज डिफेंस कमेटी (वी.डी.सी.) के शपथ ग्रहण समारोह में आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पंजाब सरकार के 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान के तहत स्पष्ट और सख्त संदेश देते हुए कहा कि जहां शिरोमणि अकाली दल, भाजपा और कांग्रेस ने राज्य को नशों में डुबो दिया, वहीं 'आप' की सरकार इस नुकसान की भरपाई के लिए नशों के कारोबार में शामिल हर किसी के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है।

'आप' प्रमुख ने कहा कि पंजाब के इतिहास में पहली बार किसी सरकार ने नशा तस्करों को बचाने की बजाय उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। उन्होंने 2,000 किलो से अधिक नशे की बरामदगी, बड़े सौदागरों को जेलों में डालने और उनके महलनुमा घरों पर बुलडोजर चलाने का हवाला देते हुए कहा कि युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के जमीनी स्तर पर सार्थक नतीजे सामने आ रहे हैं। उन्होंने पंजाब के लोगों को सचेत करते हुए कहा कि अगर पिछली सरकारें सत्ता में आईं तो पंजाब को फिर नशों की दलदल में जाने से कोई नहीं बचा सकता।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने दोहराया कि आप की सरकार 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान के तहत पंजाब पर 'चिट्टे' के दाग को मिटाने के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार की रणनीति इस अभियान को सख्ती से लागू करने के माध्यम से नशा मुक्त पंजाब सृजित करने की ओर केंद्रित है, जिसमें हर गांव में खेल मैदानों का निर्माण और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए रोजगार के अवसर सृजित करना शामिल है।

आप के दोनों वरिष्ठ नेताओं ने नशा विरोधी अभियान को पंजाब के शासन में एक निर्णायक पड़ाव घोषित करते हुए इसे कानून लागू करने वाला मिशन और प्रदेश भर में लोगों का विश्वास जीतने तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने की ओर निर्देशित एक व्यापक प्रयास करार दिया।

समारोह को संबोधित करते हुए 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि लोग आज 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान में शामिल होने के लिए एकत्र हुए हैं। उन्होंने कहा कि एक साल पहले 1 मार्च को मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने यह अभियान शुरू किया था। उन्होंने कहा कि जब हमने एक साल पहले 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान शुरू किया था तब लोगों में इसके प्रति ज्यादा उत्साह नहीं था क्योंकि उन्होंने पिछली सरकारों को बड़े-बड़े दावे करते और जमीनी स्तर पर कुछ न करने देखा था। उन्होंने कहा कि इसी कारण जब हमने नशों के खिलाफ यह जंग शुरू की तो उस समय लोगों में कहीं न कहीं सहम और झिझक का माहौल था और कोई भी नशा तस्करों और नशों के बारे में जानकारी साझा करने के लिए आगे आने को तैयार नहीं था क्योंकि उन्हें डर था कि अगर वे ऐसा करेंगे तो उनके परिवारों को डराया-धमकाया और तंग-परेशान किया जाएगा।

पिछले साल की कार्रवाई पर प्रकाश डालते हुए 'आप' प्रमुख ने आगे कहा कि पिछले एक साल में, जिस तरह पुलिस ने नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और विभिन्न स्थानों से नशीले पदार्थ जब्त किए, जिसमें 2,000 किलो से अधिक नशीले पदार्थों की बरामदगी और नशा बेचने वालों के शानदार बंगलों पर बुलडोजर चलाना, नशों के बड़े तस्करों (जिनका नाम लेने से भी लोग डरते और कांपते थे) को जेलों में डालना शामिल है, तो धीरे-धीरे लोगों को विश्वास होने लगा कि यह 'आप' की सरकार है, यह भगवंत मान की सरकार है, जो किसी से नहीं डरती।

उन्होंने कहा कि पहली बार पंजाब में नशों के खिलाफ ऐसा जोरदार अभियान शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि इस 'युद्ध' में हिस्सा लेने के लिए आज का विशाल समागम स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि जनता का विश्वास बढ़ रहा है और लोगों के दिलों से डर उठ रहा है, जिसके चलते लोग आगे आ रहे हैं और सरकार तथा पुलिस में उनका विश्वास मजबूत हो रहा है।

इस अभियान के तहत सृजित संरचना के बारे में बताते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पूरे पंजाब के हर गांव और हर वार्ड में लोगों की कमेटियां बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल के तहत विलेज डिफेंस कमेटियां (वी.डी.सी.) बनाई जा रही हैं और प्रत्येक वार्ड और गांव के सम्मानित और प्रभावशाली लोगों जैसे सेवानिवृत्त शिक्षक, सेवानिवृत्त फौजी अधिकारी, युवा, सरपंच आदि को इन कमेटियों में शामिल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन कमेटियों की मुख्य रूप से दो जिम्मेदारियां हैं, जिसमें पहली जिम्मेदारी सरकार को उन लोगों के बारे में सूचित करना है जो गांव या वार्ड में नशा बेच रहे हैं और ऐसे लोगों के बारे में जिनसे वे आगे नशा खरीदते हैं।

इस बीच, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि ह्यचिट्टेह्ल को पंजाब विरोधी ताकतों ने युवाओं की रगों में उतारा, जिसके कारण राज्य और लोगों के जीवन से रंग गायब हो गए। उन्होंने कहा, जो लोग सत्ता में रहते हुए नशे को संरक्षण देते थे, वे अपने आधिकारिक वाहनों में राज्य में नशा ढोते थे।मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा, गहन अध्ययन के बाद राज्य सरकार ने बहुआयामी रणनीति अपनाई और आपूर्ति श्रृंखलाओं को तोड़ा, पीड़ितों का पुनर्वास किया, उनकी संपत्तियां ध्वस्त कीं और ह्ययुद्ध नशे के विरुद्धह्ल के तहत इन अपराधियों को सलाखों के पीछे डाला।

पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा कि अब नशा तस्कर राज्य से भाग रहे हैं क्योंकि नशे के खिलाफ जन आंदोलन शुरू किया गया है और इसके सकारात्मक परिणाम जनता के सामने हैं। उन्होंने कहा, हमने रंगला पंजाब बनाने के लिए ही पदभार संभाला है और इस महान उद्देश्य के लिए जनता के सहयोग से कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। विपक्ष पर तंज कसते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा, यदि मैं नियमित जांच के लिए अस्पताल भी चला जाऊं, तो वे मेरे और मेरे स्वास्थ्य के बारे में अफवाहें फैलाते हैं क्योंकि वे मुझसे और मेरे जनहितैषी दृष्टिकोण से ईर्ष्या करते हैं। मुख्यमंत्री सेहत योजना के बारे में जनता को गुमराह करने के लिए अफवाहें फैलाने पर विपक्ष की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, लोगों को व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए राज्य सरकार ने यह योजना शुरू की है, जो देश में अपनी तरह की पहली है। इस योजना के तहत पंजाब के प्रत्येक निवासी परिवार को 10 लाख रुपए तक का कैशलेस चिकित्सा उपचार प्राप्त करने का अधिकार है। यह अत्यंत गर्व और संतोष की बात है कि पंजाब ऐसा व्यापक स्वास्थ्य कवरेज देने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है।

पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना जनता पर वित्तीय बोझ को काफी हद तक कम करेगी और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा, यह ऐतिहासिक कदम राज्य के सभी परिवारों को सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से उठाया गया है। सभी सरकारी कर्मचारी, पेंशनभोगी और प्रत्येक अन्य नागरिक स्वास्थ्य कार्ड के पात्र हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस पहल से उन परिवारों को बड़ी राहत मिली है जिन्हें बीमारी की स्थिति में उपचार के लिए अपनी जेब से भारी खर्च करना पड़ता था।

हालांकि, भ्रामक जानकारी के खिलाफ चेतावनी देते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री ने आगे कहा, कुछ पंजाब विरोधी ताकतें, जो नहीं चाहतीं कि राज्य के लोग ऐसी सुविधाओं का लाभ उठाएं, इस महत्वाकांक्षी योजना के बारे में जानबूझकर झूठ फैला रही हैं। ये भ्रामक बातें लोगों को योजना का लाभ लेने से हतोत्साहित करने के उद्देश्य से फैलाई जा रही हैं, जो पूरी तरह से अनुचित और अवांछनीय है।

भगवंत सिंह मान ने लोगों को इन ताकतों से सावधान रहने की चेतावनी दी, जो राज्य की प्रगति और जनता की समृद्धि को पटरी से उतारने की साजिश रच रही हैं।

पंजाब की छवि को हुए नुकसान पर दुख व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि पंजाब ने कई उत्कृष्ट खिलाड़ी, जरनैल, शहीद और अन्य महान हस्तियां पैदा की हैं, लेकिन दुर्भाग्यवश इन ताकतों ने पंजाबियों को नशेड़ी कहकर पंजाब के नाम पर कलंक लगा दिया। उन्होंने कहा, जिन्होंने ये पाप किए हैं, उन्हें जनता सजा देगी, और आगे कहा कि, वे अपनी अवैध कमाई के बल पर अदालतों से सजा से बच सकते हैं, लेकिन जनता उन्हें माफ नहीं करेगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि शिक्षकों और अभिभावकों दोनों को आगे आकर सामूहिक और समन्वित प्रयासों से नई पीढ़ी को बचाना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों के कारण राज्य में पासपोर्ट बनवाने वालों की संख्या कम हुई है, क्योंकि पंजाब सरकार स्थानीय युवाओं को योग्यता के आधार पर रोजगार दे रही है। राज्य सरकार ने पूरे पंजाब में 63,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी हैं, जिसके कारण लोग अब विदेश जाने की योजनाएं छोड़ रहे हैं। जहां राज्य सरकार जनता के कल्याण के लिए निरंतर काम कर रही है, वहीं विपक्ष अपने शासनकाल के दौरान केवल सफल योजनाओं में हिस्सेदारी चाहता था। विपक्षी नेतृत्व पर हमला करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा, ये वे शैतान हैं जो नशे और अपराधियों को संरक्षण देकर राज्य को बर्बाद करना चाहते हैं, जिसके कारण लोगों ने उन्हें सत्ता से बाहर कर दिया है। अब ये सभी पंजाब-विरोधी ताकतें पंजाब को बर्बाद करने के लिए एकजुट हो गई हैं, और अब समय आ गया है कि पंजाबी भी एकजुट होकर उन्हें बाहर का रास्ता दिखाएँ। राज्य सरकार की जनहितकारी पहलों का उल्लेख करते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा, आज हर गाँव के अंतिम छोर तक पानी पहुँच रहा है, जबकि पहले नहर का पानी केवल संपन्न लोगों के खेतों तक ही सीमित रह जाता था।

उन्होंने कहा, अब 90 प्रतिशत घरों को मुफ्त बिजली मिल रही है और किसानों को दिन के समय बिजली दी जा रही है, जिससे किसानों को काफी लाभ हुआ है। नशे के कारोबार में शामिल लोगों या नशा तस्करों का समर्थन करने वालों के खिलाफ शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई गई है। उन्होंने आगे कहा, पंजाब को फिर से रंगला पंजाब बनाने की यात्रा में आम जनता का सहयोग सबसे अधिक आवश्यक है। भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब और पंजाबी हर युद्ध जीतने का गौरव रखते हैं, और अब नशे के खिलाफ यह युद्ध भी लोगों के सहयोग से जीता जाएगा।

इस मौके आप के वरिष्ठ नेता और आप पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने कहा, युद्ध नशे के विरुद्ध ने नशे की कमर तोड़ दी है और 17,000 नशा तस्करों को जेल भेजा गया है। उन्होंने कहा, युद्ध नशे के विरुद्ध का दूसरा चरण नशे की बीमारी के ताबूत में आखिरी कील साबित होगा, और गाँव रक्षा कमेटियां (वीडीसी) पंजाब को नशा-मुक्त बनाने में उत्प्रेरक की भूमिका निभाएँगी। मनीष सिसोदिया ने कहा कि पुलिस और सिविल प्रशासन के सक्रिय सहयोग से इस अभियान को जारी रखने में गाँव रक्षा कमेटियों को प्रमुख भूमिका निभानी होगी।

एक ऐतिहासिक पहल के तहत, सोमवार को आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में लाखों लोगों को पंजाब को नशा-मुक्त राज्य बनाने की शपथ दिलाई गई। इससे पहले, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने लोगों को पंजाब को नशा-मुक्त बनाने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर कई कैबिनेट मंत्री, विधायक, सांसद और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

गैंगस्टरां ते वारह्ल का 27वां दिनः पंजाब पुलिस ने 516 स्थानों पर की छापेमारी; 181 काबू

चंडीगढ़। मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा- निदेशों पर शुरू की गई निर्णायक 'गैंगस्टरां ते वार' मुहिम के 27वें दिन, पंजाब पुलिस ने आज सूबे भर में गैंगस्टरों के साथियों से संबंधित पहचाने गए और मैप किए टिकानों पर 516 छापेमारियां की।जानकारी अनुसार, गैंगस्टरां ते वार - पंजाब को गैंगस्टर मुक्त सूबा बनाने के लिए शुरू की एक निर्णायक जंग झ 20 जनवरी, 2026 को डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव की तरफ से शुरू की गई थी। इसके अंतर्गत सभी जिलों की पुलिस टीमों द्वारा एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के तालमेल के साथ राज्य भर में विशेष कार्यवाहियों की जा रही है।इस मुहिम के 27वें दिन, पुलिस टीमों ने 181 व्यक्तियों को गिरफ़्तार करके उनसे 2 हथियार बरामद किए। इसके साथ मुहिम की शुरूआत से अब तक गिरफ़्तार किए व्यक्तियों की संख्या 9,442 हो गई है। इसके इलावा 67 व्यक्तियों विरुद्ध रोकथाम कार्यवाही की गई, जबकि 139 व्यक्तियों की तस्दीक की गई और पूछताछ के बाद उनको छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों ने कार्यवाही दौरान 9 भगौड़े अपराधियों (पीओ) को भी गिरफ़्तार किया है। वांछित अपराधियों/ गैंगस्टरों के बारे जानकारी और अपराध एंव अपराधिक गतिविधियों के बारे सूचना देने के लिए लोग गुप्त तौर पर एंटी गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946- 93946 पर संपर्क कर सकते है। जिक्रयोग्य है कि पुलिस टीमों ने नशे के विरुद्ध अपने अभियान युद्ध नशें के विरुद्ध को 352वें दिन भी जारी रखते आज 77 नशा तस्करों को गिरफ़्तार कर- के उनके कब्जे में से 2 किलो हेरोइन, 1345 नशीली गोलियां/ कैप्सूल और 69,120 रुपए की ड्रग मनी बरामद की गई है। इसके साथ, सिर्फ 352 दिनों में गिरफ़्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 49, 841 हो गई है। जिक्रयोग्य है कि बठिंडा पुलिस ने एक नशा तस्कर को 1.5 किलो हेरोइन सहित गिरफ़्तार किया है। नशा छुड़ाओ मुहिम के हिस्के तौर पर, पंजाब पुलिस ने आज 16 व्यक्तियों को नशा छुड़ाओ और पुनर्वास के लिए राजी किया है।

पंजाब सरकार की ओर से लुधियाना के फर्जी स्कूल के खिलाफ सख्त कार्रवाई; मान्यता वापस लेने और आपराधिक शिकायत दर्ज करने की कार्रवाई शुरू

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- हरजोत सिंह बैंस ने शिक्षा प्रणाली में ईमानदारी और पवित्रता बनाए रखने के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की
- शिक्षा मंत्री की ओर से जांच टीमों को अन्य संदिग्ध स्कूलों की जांच में तेजी लाने और जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने के निर्देश

राज्य की शिक्षा प्रणाली की पवित्रता और ईमानदारी को बनाए रखने के लिए बड़ी कार्रवाई करते हुए पंजाब सरकार ने लुधियाना के एक फर्जी स्कूल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है, क्योंकि इस स्कूल में प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए सुविधाओं की कमी के बावजूद 12वीं की परीक्षाओं के लिए छात्रों को रजिस्टर किया गया था।

इस संबंध में जानकारी साझा करते हुए पंजाब के शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड (पी.एस.ई.बी.) द्वारा दसमेश पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, महिदूदां, लुधियाना (स्कूल कोड 3100187) के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी गई है, जिसमें मान्यता वापस लेना और फर्जी दस्तावेज जमा करने के लिए आपराधिक शिकायत दर्ज करना शामिल है। उन्होंने बताया कि पी.एस.ई.बी. ने स्कूल द्वारा रजिस्टर किए गए सभी 27 छात्रों के रोल नंबर भी रद्द कर दिए हैं।

स. हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि फिजिकल जांच के दौरान इस स्कूल का कोई अस्तित्व सामने नहीं आया, इसकी इमारत किराए पर दी गई थी और कोई कक्षा नहीं चल रही थी। 12वीं कक्षा की परीक्षाओं के लिए रजिस्टर्ड 27 छात्रों के रोल नंबर भी मौजूद नहीं थे, जिसके कारण पी.एस.ई.बी. ने उनके रोल नंबर रद्द कर दिए। उन्होंने बताया कि चार अन्य स्कूल जांच के अंतर्गत हैं क्योंकि पंजाब सरकार शिक्षा की गुणवत्ता से समझौता करने वाली और परीक्षा में गड़बड़ियां करने वाली संस्थाओं पर शिकंजा कसने के लिए प्रतिबद्ध है।

स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा, मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार मानक शिक्षा सुनिश्चित करने और छात्रों के भविष्य की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। हम 'गोस्ट स्कूल' चलाने वाली और छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाली संस्थाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे और कोई नरमी नहीं बरती जाएगी।

शिक्षा मंत्री ने माता-पिता और छात्रों को भरोसा दिलाया कि छात्रों को अन्य स्कूल आवंटित करके और मार्गदर्शन देकर योग्य छात्रों के हितों की रक्षा की जाएगी और फर्जी संस्थाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि जांच टीमों को अन्य संदिग्ध स्कूलों की जांच में तेजी लाने और जल्द से जल्द रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए गए हैं।

संक्षिप्त-समाचार

सूर्य ग्रहण आज ,भारत में कहीं नही दिखेगा

जैतो। इस साल का पहला सूर्य ग्रहण मंगलवार 17 फरवरी को लगने जा रहा है। यह ग्रहण भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजकर 26 मिनट लगेगा जो सायं 7 बजकर 57 मिनट तक रहेगा। यह जानकारी प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य दिवंगत पंडित कल्याण सरूप शास्त्री विद्यालंकार के पुत्र पंडित शिव कुमार शर्मा ने आज जैतो में दी। उन्होंने कहा कि यह ग्रहण अंटार्कटिका, दक्षिण अफ्रीका व दक्षिण अमेरिका आदि में विशेष रूप से दिखाई देगा लेकिन यह सूर्य ग्रहण भारत में कहीं दिखाई नहीं देगा जिस लिए इसका सूतक काल मान्य नहीं होगा। उन्होंने कहा कि शास्त्रों में कहा गया है कि जिस देश में ग्रहण दिखाई नहीं देता है वहां किसी भी राशि, राजनीतिक,आर्थिक व कारोबार पर तेजी - मंदी का शुभ व अशुभ प्रभाव नही पड़ता है।

मंदबुद्धि दलित युवा के साथ कुत्ते से कुकर्म करवाने के मामले में एस.सी.आयोग ने जालंधर देहाती के एस.एस.पी. से रिपोर्ट की तलब

चंडीगढ़। पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने फिल्लौर में एक मंदबुद्धि दलित नौजवान के साथ कुत्ते से कुकर्म करवाने के मामले में सू मोटो नोटिस लिया है। इस सम्बन्धित जानकारी देते पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन स. जसवीर सिंह गढ़ी ने बताया कि फिल्लौर में एक मंदबुद्धि दलित नौजवान के साथ कुत्ते से कुकर्म करवाने के मामलो में वीडियो वायरल हुई है और अखबारों में खबरें भी छपी है जिसका कमिश्न ने सू मोटो नोटिस लेते जालंधर देहाती के एस.एस.पी. से 19 फरवरी 2026 को रिपोर्ट तलब करते सूचना की रिपोर्ट दो पड़तों (एक असली और एक फोटो कापी) में डी.एस.पी भरत मसीह को निजी तौर पर कमीशन दफ़्तर में पेश करने के आदेश दिए है।

बायोडायवर्सिटी के संरक्षण पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के जूलॉजी डिपार्टमेंट के द एरिसटोटल क्लब की ओर से पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का थीम ह्यजमीन या पानी के इकोसिस्टम का संरक्षणह्ल था। प्रतियोगिता का विषय द एरिसटोटल क्लब की कोऑर्डिनेटर और जूलॉजी डिपार्टमेंट की हेड डॉ. इंदु मेहता ने चुना था। इसका मकसद जमीनी और पानी के इकोसिस्टम, दोनों पर फोकस करना था ताकि स्टूडेंट्स में बायोडायवर्सिटी और उसके बचाव के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़े। कार्यक्रम के जरिए विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाने और उन्हें जैव विविधता के महत्व से जोड़ने की दिशा में सार्थक प्रयास किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न कक्षाओं के बीस विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी रचनात्मकता व संवेदनशील सोच का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने इस प्रतियोगिता में द एरिसटोटल क्लब, फैकल्टी और वॉलंटियर्स की सक्रिय भूमिका की सराहना की।

इनोवेटिव प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में एआई और ग्रीन कंप्यूटिंग पर छात्रों की नवाचारी सोच ने बटोरी सराहना

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस विभाग के आईसीटी क्लब फीनिक्स की ओर से सोमवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन कंप्यूटिंग विषय पर इनोवेटिव प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम फीनिक्स क्लब की संयोजक डॉ. मोनिका सेठी के निर्देशन में आयोजित हुआ।प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य आधुनिक तकनीक के दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों–आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन कंप्यूटिंग–के बीच संबंध और उनके भविष्य की संभावनाओं पर छात्रों को रचनात्मक रूप से सोचने के लिए प्रेरित करना था। इसमें विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण के साथ तकनीकी विकास को संतुलित करने से जुड़े विभिन्न नवाचारों और विचारों को प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में विभाग के प्रतिभाशाली छात्रों की कई टीमों ने भाग लिया। प्रत्येक टीम को इस बात की पड़ताल करने का कार्य दिया गया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शक्ति का उपयोग पर्यावरणीय स्थिरता से समझौता किए बिना कैसे किया जा सकता है। आज के समय में बड़े डेटा सेंटरों के बढ़ते कार्बन फुटप्रिंट को लेकर तकनीकी उद्योग पर बढ़ती चिंता के बीच, प्रतिभागियों ने सस्टेनेबल इंटेलिजेंस और ऊर्जा-कुशल एल्गोरिदम डिजाइन जैसे विषयों पर नए और रचनात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का मूल्यांकन फैकल्टी मेंबर्स डॉ. हिमानी मित्तल और डॉ. गरिमा श्रीवास्तव की ज्यूरी पैनल द्वारा किया गया। प्रतिभागियों को उनके तकनीकी ज्ञान, प्रस्तुति के दृश्यात्मक डिजाइन और जटिल विषयों को सरल तरीके से प्रस्तुत करने की क्षमता के आधार पर आंका गया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्ण प्रस्तुतियाँ दीं और इसके बाद ज्यूरी द्वारा गहन प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया। इन सभी चरणों के बाद निर्णायक मंडल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया। पहला स्थान जापनीत कौर ने एज एआई विषय पर अपनी प्रस्तुति के लिए प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर ब्यूटी कुमारी रहीं, जिन्होंने अफेक्टिव कंप्यूटिंग विषय प्रस्तुत किया, जबकि तीसरा स्थान दिक्षु ग्रोवर ने इको वेब झ कार्बन इंटेलिजेंस फॉर द इंटरनेट विषय पर अपनी प्रस्तुति के लिए हासिल किया। विजेताओं को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने विजेताओं को सम्मानित किया, उनका उत्साहवर्धन किया और उनके प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का समापन विभागाध्यक्ष डॉ. रीना के प्रेरणादायक संबोधन के साथ हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आने वाली पीढ़ी के डेवलपर्स की जिम्मेदारी केवल कोड लिखने तक सीमित नहीं है। आज के दौर में जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारे जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है, तब हमें इसके पर्यावरणीय प्रभाव को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि ग्रीन टेक्नोलॉजी को विकल्प नहीं, बल्कि एक मानक के रूप में अपनाया जाना चाहिए, क्योंकि छात्र ही एक सतत और जिम्मेदार डिजिटल भविष्य के निर्माता हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कॉलेज का कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस विभाग शैक्षणिक उत्कृष्टता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग नियमित रूप से प्रतियोगिताओं और कार्यशालाओं का आयोजन करता है, ताकि छात्रों की सैद्धांतिक पढ़ाई को वास्तविक तकनीकी चुनौतियों से जोड़ा जा सके और उन्हें भविष्य के लिए बेहतर रूप से तैयार किया जा सके।

भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र की केमिकल पटाखा फैक्ट्री में आग, सात मजदूरों की मौत

प्रशासन ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए

- प्रशासन ने मृतकों की शिनाख्त के लिए डीएनए जांच कराने की बात कही

एजेंसी (हि.स.)

अलवर

भिवाड़ी की खुशखेड़ा कारोली की एक केमिकल और पटाखा बनाने वाली फैक्टरी में सोमवार सुबह अचानक भीषण आग लग गयी। धमाकों और आग की लपटों के बीच फैक्टरी में काम कर रहे मजदूरों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे में अब तक सात लोगों की झुलसने से मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि एक मजदूर के अब भी अंदर फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद भिवाड़ी, खुशखेड़ा, तिजारा, धारूहेड़ा, रेवाड़ी सहित कई जगह की दमकल मौके पर आग बुझाने के लिए पहुंचीं और आग पर काबू पा लिया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर वन व पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा विधानसभा से घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं।

फोटोः हि.स.

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सोमवार सुबह करीब 9.30 बजे तेज धमाके की आवाज के साथ देखते ही देखते आग ने पूरी यूनिट को अपनी चपेट में ले लिया। फैक्टरी में ज्वलनशील केमिकल और पटाखा सामग्री रखी होने के कारण आग तेजी से फैल गई। मौके पर पहुंची दमकल की कई गाड़ियों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसा का है। रीको के फायर अधिकारी राजू खान ने बताया कि घटनास्थल से अब तक सात शव मिल चुके हैं। हादसा इतना भयावह था कि कई शव बुरी तरह झुलस गए। रेस्क्यू टीम को बॉडी पार्ट्स प्लास्टिक बैग में इकट्ठा करने पड़े। प्रशासन ने मृतकों की शिनाख्त के लिए डीएनए जांच कराने की बात कही है।

जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। फैक्टरी में सुरक्षा मानकों की जांच शुरू कर दी गई है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। प्रशासन ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। मौके पर पुलिस और प्रशासन के तमाम अधिकारी सहित बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हैं।

पीएम ने भिवाड़ी में आग लगने की घटना पर जताया दुख

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को राजस्थान के भिवाड़ी में आग लगने की घटना पर दुख जताया। उन्होंने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर दुख व्यक्त करते हुए लिखा कि राजस्थान के भिवाड़ी में आग लगने की घटना अत्यंत दुःखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। उल्लेखनीय है कि, राजस्थान के भिवाड़ी के खुशखेड़ा करौली औद्योगिक क्षेत्र स्थित प्लॉट संख्या जी1/118बी में सोमवार सुबह अग्निकांड की घटना सामने आई, जहां संचालित एक निजी औद्योगिक इकाई में अचानक आग लग गई। इस हादसे में अब तक सात लोगों के मौत की सूचना है।

असम बजट सत्रः विपक्षी हंगामे के बीच राज्यपाल ने सदन में पूरा अभिभाषण पढ़ा

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

गुवाहाटी

असम विधानसभा के बजट सत्र की शुरूआत में सोमवार को अफरा-तफरी मच गई, जब राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य के भाषण के दौरान विपक्षी विधायक सदन के वेल में आ गए, नारे लगाए और कार्यवाही में रुकावट डालने की भरपूर कोशिश की।

राज्यपाल के 40 मिनट के भाषण के मुश्किल से पांच मिनट बाद ही विरोध शुरू हो गया। कांग्रेस, एआईयूडीएफ, सीपीआई (एम) और एक निर्दलीय विधायक अपनी सीटों से उठकर पोडियम के पास जमा हो गए, प्लेकार्ड उठाए और नारे लगाए। कई विधायकों ने राज्यपाल के अभिभाषण की कॉपी पोडियम की ओर फेंकने की कोशिश की। ड्यूटी पर मौजूद मार्शलों ने तुरंत दखल दिया, बुकलेट जब्त कर लीं और विरोध कर रहे विधायकों के दिखाए प्लेकार्ड और कागज हटा दिए। 20 से ज्यादा सुरक्षाकर्मियों ने राज्यपाल के चारों ओर एक सुरक्षा घेरा बना लिया, जबकि 30 से ज्यादा विपक्षी सदस्य पूरे भाषण के दौरान वेल में ही रहे। विरोध कर रहे विधायकों ने मुख्यमंत्री के कथित तौर पर दिखाए गए एक विवादित वीडियो पर नारे लगाए और प्रसिद्ध संगीतकार जुबीन गर्ग के लिए न्याय की मांग की। विपक्षी विधायकों के विरोध के बावजूद राज्यपाल अपना अभिभाषण जारी रखा तो हारकर कुछ विधायक विरोध में वेल के अंदर ही जमीन पर बैठ गए, जबकि राज्यपाल शोर-शराबे के बीच अपना भाषण पढ़ते रहे। रुकावट के बावजूद, लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने अपना भाषण जारी रखा, जिसमें उन्होंने सरकार के विकास के कामों, वेलफेयर स्कीमों और पिछले पांच सालों की उपलब्धियों के बारे में बताया। राज्य में चुनाव से पहले मौजूदा सरकार के तहत सोमवार की मीटिंग असेंबली का आखिरी पूरा सेशन है। वोट ऑन अकाउंट मंगलवार को पेश किया जाना है। राज्यपाल का अभिभाषण समाप्त होने के बाद सदन नियमानुसार लगभग डेढ़ घंटे के लिए स्थगित किया गया। 12 बजे से पुनः सदन की कार्रवाई आरंभ हुई।

शुरूआती घंटे में शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

घरेलू शेयर बाजार में सोमवार शुरूआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच सीमित दायरे में कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। सोमवार को कारोबार की शुरूआत गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक उछल कर हरे निशान में पहुंच गए। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। पहले 20 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इन दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट आ गई। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.16 प्रतिशत और निफ्टी 0.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

सोमवार सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, कोल इंडिया, एचडीएफसी बैंक, एनटीपीसी और ओएनजीसी के शेयर 2.40 प्रतिशत से लेकर 1.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर जियो फाइनेंशियल, इंफोसिस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, अदानी पोर्ट्स और अडानी इंटरप्राइज के शेयर 1.57 प्रतिशत से लेकर 1.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,646 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 858 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,788 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर फिसली चांदी, सोने में गिरावट

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

घरेलू सराफा बाजार में गिरावट का सामना करने के साथ ही मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी चांदी के भाव में सोमवार बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। एमसीएक्स पर आज चांदी पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार के क्लोजिंग प्राइस से लगभग चार प्रतिशत टूट कर 2,35,208 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर तक गिर गई। हालांकि बाद में चांदी के भाव में थोड़ा सुधार हुआ, जिसकी वजह से दोपहर 12:30 बजे तक एमसीएक्स पर यह चमकीली धातु 2,35,605 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही थी।

एमसीएक्स पर सोने के भाव में भी आज गिरावट का रुख बना हुआ है। एमसीएक्स पर सोना पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार के क्लोजिंग प्राइस की तुलना में एक प्रतिशत से अधिक टूट कर 1,54,125 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक गिर गया था। हालांकि बाद में इसकी स्थिति में मामूली सुधार आया, जिससे दोपहर 12:30 बजे सोना एमसीएक्स पर 1,54,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना आज 1.10 प्रतिशत लुढ़क कर 4,988.04 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर आ गया है। वहीं अप्रैल में डिलीवरी वाला यूएस गोल्ड फ्यूचर्स 0.81 प्रतिशत की गिरावट के साथ फिलहाल 5,006.60 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इससे पहले जनवरी माह में चांदी की कीमत चार लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर को भी पार कर गई थी, लेकिन उसके बाद प्रॉफिट बुकिंग और कंसोलिडेशन के कारण इस चमकीली धातु की कीमत में बड़ी गिरावट आई। चांदी फिलहाल अपने सर्वोच्च स्तर से करीब डेढ़ लाख रुपए तक टूट चुकी है।

घरेलू सराफा बाजार में सोने के भाव में मामूली गिरावट, चांदी सात हजार रुपये तक टूटी

नई दिल्ली। घरेलू सराफा बाजार में आज दिन के पहले सत्र के कारोबार में सोने के भाव में सांकेतिक गिरावट नजर आ रही है, जबकि चांदी के भाव में सात हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। सोने के भाव में मामूली गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज भी 1,57,740 रुपये से लेकर 1,57,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना सोमवार 1,44,590 रुपये से लेकर 1,44,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में सोमवार 2,68,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,57,890 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,57,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,57,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,57,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,57,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,57,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,44,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

संक्षिप्त-समाचार

रांची मंडल को रेलवे सप्ताह पुरस्कार 2025 में 'सिक्योरिटी शील्ड' से किया जाएगा सम्मानित

रांची, 16 फरवरी (हि.स.)। रांची मंडल को रेलवे सप्ताह पुरस्कार 2025 के तहत इस वर्ष 'सिक्योरिटी शील्ड' प्रदान की जा रही है। यह प्रतिष्ठित सम्मान मंडल द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, सतर्कता बढ़ाने, अपराध नियंत्रण तथा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिया जा रहा है। रांची रेल मंडल की ओर से सोमवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि यह पुरस्कार 70वें रेलवे सप्ताह समारोह के अवसर पर 17 फरवरी 2026 को बीएनआर ऑफिसर्स क्लब, गार्डन रीच, कोलकाता में आयोजित जोनल स्तरीय समारोह के दौरान प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर रांची मंडल की ओर से मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार यह सम्मान ग्रहण करेंगे। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, दक्षिण पूर्व रेलवे के लिए यह गर्व का क्षण है। यह पुरस्कार रांची मंडल की सुरक्षा व्यवस्था, सतत निगरानी और यात्रियों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो मंडल की कार्यकुशलता और जिम्मेदारी को दर्शाता है।

बांग्लादेश की नई सरकार के शपथग्रहण समारोह में नेपाल का प्रतिनिधित्व करेंगे विदेशमंत्री बालानंद शर्मा

काठमांडू। बांग्लादेश की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में नेपाल का प्रतिनिधित्व विदेशमंत्री बालानंद शर्मा करेंगे। उनके नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल आज ढाका रवाना होगा। प्रतिनिधिमंडल में विदेश सचिव अमृत राई भी शामिल हैं। आज काठमांडू में हुई कैबिनेट की बैठक में विदेशमंत्री को भेजने का निर्णय किया गया। सरकार के प्रवक्ता तथा गृहमंत्री ओमप्रकाश अर्याल ने बताया कि विदेशमंत्री शर्मा आज ही ढाका रवाना होने वाले हैं। बांग्लादेश में 12 फरवरी को हुए आम चुनाव के बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार को आयोजित होगा। बीएनपी ने तारिक रहमान को संसदीय दल का नेता चुना है। रहमान पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के पुत्र हैं। उनकी पार्टी ने चुनाव में दो-तिहाई बहुमत हासिल किया है। शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने नेपाल सहित भारत, चीन, सऊदी अरब, भारत, पाकिस्तान, तुर्की, यूएई, कतर, मलेशिया, ब्रुनेई, श्रीलंका, मालदीव और भूटान के सरकार प्रमुखों को निमंत्रण भेजा था। भारत की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और विदेश सचिव विक्रम मिस्री समारोह में शामिल होंगे।

प्रतिनिधि सभा चुनाव में झापा-5 सीट सबसे अधिक चर्चा में, ओली को कड़ी चुनौती दे रहे हैं बालेन शाह

काठमांडू। नेपाल के प्रतिनिधि सभा सदस्य चुनाव में झापा-5 सीट सबसे अधिक चर्चा में है। यह पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की परम्परागत सीट हैं। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के तरफ से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बालेन शाह उन्हें कड़ी चुनौती दे रहे हैं। नामांकन के बाद शाह देश में रोड शो कर रहे हैं। पिछले चुनाव में देशभर में पार्टी के उम्मीदवारों के पक्ष में चुनावी सभा और रोड शो करने वाले ओली इस बार नामांकन के बाद से सिर्फ अपने क्षेत्र में ही घिर कर रह गए हैं। ओली आम मतदाओं के घर-घर जाकर प्रचार करने में व्यस्त हैं। इन दोनों नेताओं को 'जेन-जी' आंदोलन के बाद बदली हुई राजनीति में एक-दूसरे के विपरीत ध्रुव पर देखा जा रहा है। 'जेन-जी' आंदोलन के दबाव में ही उस समय नेकपा (एमाले) के अध्यक्ष रहे ओली को प्रधानमंत्री पद से हटना पड़ा था। वहीं, उसी 'जेन-जी' आंदोलन के प्रमुख नेताओं में बालेन शाह को भी गिना जाता है। झापा-5 का नाम आते ही आम तौर पर लोगों के मन में ओली का ही चुनावी क्षेत्र होने की छवि उभरती है। ओली के मुकाबले मैदान में उतरे काठमांडू के निवर्तमान मेयर बालेन शाह की बढ़ती लोकप्रियता के कारण इस बार झापा-5 के चुनाव परिणाम का अनुमान लगाना कठिन हो गया है। संविधान सभा चुनाव 2008 को छोड़ दें तो ओली लगातार इसी क्षेत्र से निर्वाचित होते आए हैं। महानगर के मेयर पद से इस्तीफा देकर रास्वपा के साथ एकता करने के बाद बालेन शाह की लोकप्रियता और बढ़ी है।

बर्ड फ्लू की रोकथाम के लिए तमिलनाडु-आंध्र सीमा पर सख्ती

- वाहनों पर कीटाणुनाशक का छिड़काव तेज

एजेंसी (हि.स.)

वेल्लोर

फोटोः हि.स.

बर्ड फ्लू के संभावित प्रसार को रोकने के लिए तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश सीमा पर एहतियाती कदम तेज कर दिए गए हैं। सीमा चेकपोस्टों पर आंध्र प्रदेश से आने वाले वाहनों पर कीटाणुनाशक दवाओं का छिड़काव किया जा रहा है और सघन जांच की जा रही है।

दरअसल, पिछले महीने चेन्नई के अडयार क्षेत्र में अचानक कई कौए मृत पाए गए थे। इसके बाद नगर निगम अधिकारियों ने मृत पक्षियों के नमूने जांच के लिए भोपाल स्थित राष्ट्रीय पशु रोग अनुसंधान संस्थान भेजे। जांच में पुष्टि हुई कि कौओं में एच5एन1 एवियन इन्फ्लुएंजा वायरस (बर्ड फ्लू) का संक्रमण था। स्थिति को देखते हुए तमिलनाडु सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं। पड़ोसी आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिला में दो पोल्ट्री फार्मों में बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद निगरानी और कड़ी कर दी गई है। जिले के सात क्षेत्रों में प्रत्येक में तीन टीमों के हिसाब से कुल 21 विशेष निगरानी दल गठित किए गए हैं, जो पोल्ट्री फार्म, बाजारों और पक्षियों की अधिकता वाले इलाकों में निरीक्षण कर रहे हैं। तमिलनाडु-आंध्र सीमा के कृष्टियनपेट, साइनागुंडा और पत्रापल्ली चेकपोस्ट पर पशुपालन विभाग के चिकित्सकों द्वारा आंध्र प्रदेश से वेल्लोर जिले में प्रवेश करने वाले सभी वाहनों की जांच की जा रही है। मुर्गियां, मुगीर्चारा और अंडे लेकर आने वाले वाहनों पर कीटाणुनाशक छिड़काव अनिवार्य किया गया है। बिना वैध दस्तावेजों या संदिग्ध सामग्री वाले वाहनों को वापस भेजा जा रहा है।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि वेल्लोर जिले में अब तक बर्ड फ्लू का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है। साथ ही आम जनता से अपील की गई है कि वे मृत पक्षियों को न छुएं और तुरंत नजदीकी पशु चिकित्सा अधिकारी को सूचना दें। स्वास्थ्य विभाग ने भी लोगों से सतर्क रहने की सलाह दी है, क्योंकि दुर्लभ मामलों में यह संक्रमण मनुष्यों में भी फैल सकता है।

जांजगीर-चांपा में युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, घर में मचा मातम

जांजगीर-चांपा। जिले से एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां एक 21 वर्षीय युवती ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार मामला नवागढ़ ब्लॉक के घुठिया गांव का है। बताया जा रहा है कि युवती सुनीति पटेल ने आज सोमवार सुबह करीब 9 बजे अपने घर में लगे सीलिंग पंखे से दुपट्टे के सहारे फांसी लगा ली। सुबह जब घर के परिजनों की नजर उस पर पड़ी तो वह पंखे से लटकी हुई थी। परिजनों ने उसे जीवित समझकर तुरंत नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के समय युवती के कान में हेडफोन लगा हुआ था। इससे आशंका जताई जा रही है कि वह किसी से बात करते हुए या कुछ सुनते समय यह कदम उठा सकती है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस को खबर दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई शुरू कर दी है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी की जा रही है। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। इसी तरह एशियाई बाजार में भी आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव बना रहा। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 6,836.17 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नैस्डेक ने 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,542.42 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 49,571.96 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.42 प्रतिशत की तेजी के साथ 10,446.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.25 प्रतिशत उछल कर 24,914.88 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स 0.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,311.74 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से चार के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि तीन सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं।

पाकिस्तान में महंगाई, पेट्रोल 253.17 और हाई स्पीड डीजल 258.17 रुपये प्रति लीटर

एजेंसी (हि.स.)

इस्लमाबाद

फोटोः हि.स.

पाकिस्तान की संघीय सरकार ने पेट्रोल और हाई स्पीड डीजल की कीमत बढ़ा दी है। नई दर आज सुबह से प्रभावी हो गई। सरकार की पेट्रोलियम शाखा की विज्ञप्ति के अनुसार, पेट्रोल में पांच रुपये और हाई स्पीड डीजल में 7.32 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पेट्रोलियम शाखा ने कहा कि यह दरें दो हफ्ते तक प्रभावी रहेंगी। सरकार इसके बाद समीक्षा कर नई दर जारी कर सकती है। इस बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल की नई कीमत फ्र253.17 प्रति लीटर से बढ़कर 258.17 रुपये प्रति लीटर और डीजल का दाम 268.38 से बढ़कर फ्र275.70 प्रति लीटर हो गया। इससे 15 दिन पहले सरकार ने हाई स्पीड डीजल की कीमत 11.30 प्रति लीटर बढ़ाई थी पर पेट्रोल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया था। देश में पेट्रोल का इस्तेमाल अधिकतर छोटी गाड़ियों, रिक्शा और टू-व्हीलर से आने-जाने वाले लोग करते हैं। ईंधन की ज्यादा कीमतें मध्यम और अति मध्यम वर्ग के घरों के बजट पर काफी असर डालती हैं। परिवहन क्षेत्र का बड़ा हिस्सा हाई स्पीड डीजल पर निर्भर है। इसका इस्तेमाल ज्यादातर भारी सामान ढोने वाली गाड़ियों, ट्रकों, बसों, ट्रेनों और खेती की मशीनों जैसे ट्रैक्टर, ट्यूबवेल और थ्रेशर में होता है। हाई स्पीड डीजल की कीमत बढ़ने से सब्जियों और खाने की दूसरी चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी हो जाती है।

बाजार

आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 900 रुपये के भाव पर जारी

स्टॉक मार्केट में फ्रैक्टल एनालिटिक्स की कमजोर एंट्री, नुकसान में आईपीओ निवेशक

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

सिटीबैंक, फ्रेंकलिन टेंपलटन और फिलिप्स जैसी बड़ी कंपनियों को ग्लोबल एंटरप्राइज एआई सर्विस देने वाली कंपनी फ्रैक्टल एनालिटिक्स के शेयरों ने सोमवार स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 900 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 900 रुपये के स्तर पर ही हुई, जबकि एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 2.67 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 876 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इसकी चाल में और गिरावट आ गई। सुबह 11:30 बजे कंपनी के शेयर 862.10 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 4.21 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है।

फ्रैक्टल एनालिटिक्स का 2,840 करोड़ रुपये का आईपीओ 9 से 11 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.81 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 4.41 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 1.11 गुना सब्सक्रिप्शन आ पाया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.10 गुना और एंप्लॉयीज का हिस्सा 0.65 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 1,030 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं, जबकि ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए एक रुपये फेस वैल्यू वाले 2,01,15,554 शेयर बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयर की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज को कम करने, नए ऑफिस का सेटअप करने, आर एंड डी तथा मार्केटिंग में निवेश करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

स्टॉक मार्केट में सपाट लिस्टिंग के बाद लुढ़के शेयर

नई दिल्ली। नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी आय फाइनेंस के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में सपाट स्तर पर बिना किसी उतार-चढ़ाव के एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 129 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 129 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह शेयर उछल कर 132.75 रुपये के स्तर पर पहुंचा, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इसने 120.60 रुपये के स्तर तक गोता लगा दिया। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद यह शेयर 123.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक 4.26 प्रतिशत के नुकसान में थे। आय फाइनेंस का 1,010 करोड़ रुपये का आईपीओ 9 से 11 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.04 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.62 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.05 गुना सब्सक्रिप्शन आ पाया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 0.81 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 710 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं, जबकि ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए दो रुपये फेस वैल्यू वाले 2,32,55,812 शेयर बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयर की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपना कैपिटल बेस बढ़ाने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

गारमेंट कंपनी फ्रैक्टल इंडस्ट्रीज का आईपीओ लॉन्च

नई दिल्ली। गारमेंट सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी फ्रैक्टल इंडस्ट्रीज लिमिटेड का 49 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 18 फरवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 19 फरवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 20 फरवरी को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 23 फरवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन इस आईपीओ को दोपहर 12 बजे तक 0.24 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 205 रुपये से लेकर 216 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 600 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 1,200 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,59,200 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 22,68,600 नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.42 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.27 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.28 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर्स के लिए 5.03 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है।

बेखौफ किशन ने हमसे मैच छीन लिया: पाकिस्तान के कोच हेसन

ईशान किशन ने 40 गेंद पर 77 रन की तूफानी पारी खेल भारत को दिलाई जीत

एजेंसी (हि.स.)
कोलंबो

पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन ने कहा कि बेखौफ होकर खेल रहे ईशान किशन के तूफानी अर्धशतक ने उनकी टीम और भारत के बीच अंतर पैदा किया। किशन की 40 गेंद पर 77 रन की तूफानी पारी की मदद से भारत ने रविवार को यहां पाकिस्तान को 61 रन से हराकर सुपर आठ में जगह पक्की कर ली।

हेसन ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे लगता है कि वह बेखौफ होकर खेलता है। वह मैदान के दोनों तरफ रन बना सकता है। इसलिए वह सिर्फ लेग साइड तक ही सीमित नहीं है। हम जानते हैं कि वह लेग साइड का मजबूत बल्लेबाज है, लेकिन वह रिवर्स शॉट भी खेल सकता है। इसलिए, अगर विशेष कर पावर प्ले में

फोटोः हि.स.

स्पिन गेंदबाज गेंदबाजी कर रहे हो तो उसे रोकना चुनौती हो सकती है। हेसन ने स्वीकार किया कि किशन ने प्रेमदासा की धीमी पिच पर पाकिस्तान के धीमे गेंदबाजों के खिलाफ 37 गेंदों में 66 रन बनाकर उनकी स्पिन-प्रधान रणनीति को ध्वस्त कर दिया।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जिस तरह से वह शानदार फॉर्म में हैं, उससे हमारे स्पिनरों पर काफी दबाव पड़ा और शायद वे ह्यबेसिक्सह्ल से भटक गए। उसके अलावा (शिवम) दुबे का प्रदर्शन थोड़ा बेहतर था, लेकिन मुकाबला कठिन था। किशन की पारी वास्तव में पूरे मैच में सबसे बेहतरीन थी। किशन जिस तरह से खेला, उसने हमसे मैच छीन लिया। न्यूजीलैंड में जन्मे कोच ने स्वीकार किया कि इस बड़ी हार से टीम निराश है और उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती इस पराजय से उबरकर वापसी करना है। इस करारी शिकस्त से पाकिस्तान का नेट रन रेट गड़बड़ा गया है और वह ग्रुप ए में भारत और अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गया है। अब पाकिस्तान को सुपर आठ में जगह बनाने के लिए अपने आखिरी लीग मैच में नामीबिया को हराना होगा।

हेसन ने कहा, हम जानते हैं कि भारत बनाम पाकिस्तान का मुकाबला बड़ा होता है।

भारत के खिलाफ हार के बाद बाबर को टीम से बाहर करने की मांग उठी

कराची। पाकिस्तान की टी20 विश्व कप के मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से 61 रन की हार के बाद स्टार बल्लेबाज बाबर आजम आलोचनाओं के घेरे में आ गए हैं तथा देश के कई पूर्व खिलाड़ियों ने कुछ अन्य सीनियर खिलाड़ियों के साथ-साथ उन्हें भी टीम से बाहर करने की मांग की है। पूर्व कप्तान बाबर, शादाब खान और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी जैसे अनुभव खिलाड़ी रविवार रात कोलंबो में खेले गए एकतरफा मुकाबले में उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। भारत के युवा सलामी बल्लेबाज ईशान किशन (40 गेंदों में 77 रन) ने पाकिस्तानी गेंदबाजी की जमकर धुलाई की। दूसरी तरफ भारत के तेज गेंदबाजों और स्पिनरों के सामने पाकिस्तान के बल्लेबाज बगलें झांकते हुए नजर आए। पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने कहा, अगर यह मेरे हाथ में होता तो मैं बाबर, शादाब और शाहीन को दोबारा टी20 टीम में नहीं चुनता। उन्हें पाकिस्तान के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के कई मौके मिले हैं, लेकिन कल वे फिर से नाकाम रहे। फरीदी ने कहा कि अब इस टी20 प्रारूप में युवा खिलाड़ियों को तैयार करने का समय आ गया है। शाहीन ने दो ओवर में 31 रन लुटाए वहीं बाबर को अक्षर पटेल ने पांच रन पर आउट किया। पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद हार पर विस्तार से बोलने को तैयार नहीं थे, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि पाकिस्तान की क्रिकेट टीम दबाव में आने पर चुनौती पेश करने में नाकाम रही है। मियांदाद ने कहा, भाई बड़े मैचों में ही खिलाड़ियों को अपना जज्बा दिखाना होता है। हमारे खिलाड़ी ऐसा नहीं कर पाए। बाबर का हमेशा समर्थन करने वाले एक अन्य पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ ने भी कहा कि इस करारी हार के बाद बाबर और शाहीन का टी20 करियर समाप्त हो जाना चाहिए। यूसुफ ने एक्स पर पोस्ट किया, ह्यशाहीन, बाबर और शादाब का करियर अवसान पर है। पाकिस्तान की टी20 टीम को नए खिलाड़ियों की जरूरत है, कमजोर टीमों के खिलाफ खोखली जीत की नहीं।ह्ल पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने भारतीय समाचार चैनल एबीपी पर बाबर के सुपरस्टार दर्जे का मजाक उड़ाया।

फिडे फ्रीस्टाइल वर्ल्ड चैंपियनशिप : मैग्नस कार्लसन बने पहले आधिकारिक चैंपियन

एजेंसी (हि.स.)
जर्मनी

फोटोः हि.स.

नॉर्वे के विश्व नंबर एक शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम करते हुए पहले आधिकारिक फिडे फ्रीस्टाइल विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। उन्होंने फाइनल में अमेरिका के फैबियानो कारुआना को 2.5-1.5 से हराकर खिताब जीता।

वाइसेनहाउस में खेले गए चार गेम के फाइनल मुकाबले में कार्लसन ने चौथा और अंतिम गेम ड्रॉ खेलकर खिताब पक्का किया। 35 वर्षीय कार्लसन को निर्णायक मुकाबले में सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी और उन्होंने बराबरी के एंडगेम में यह परिणाम हासिल कर लिया। 33 वर्षीय कारुआना वापसी के कुछ अवसरों को भुना नहीं सके।

रविवार को खेले गए तीसरे गेम ने मैच की दिशा बदल दी। कार्लसन ने लगभग हारी हुई स्थिति से शानदार जीत दर्ज कर मुकाबले का रुख अपने पक्ष में कर लिया। यही जीत अंततः निर्णायक साबित हुई। इस खिताब के साथ कार्लसन अब विभिन्न प्रारूपों में कुल 21 विश्व खिताब अपने नाम कर चुके हैं। यह विश्व चैंपियनशिप फिडे और निजी आयोजक फ्रीस्टाइल चेस के बीच सहयोग का परिणाम थी। यह इस प्रारूप में पहला आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त खिताब रहा। इससे पहले कार्लसन फिडे फिशर रैंडम विश्व चैंपियनशिप नहीं जीत पाए थे, इसलिए यह जीत उनके लिए खास मानी जा रही है। कांस्य पदक मुकाबले में उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराया। अंतिम गेम ड्रॉ रहने के बावजूद अब्दुसत्तोरोव ने जीत सुनिश्चित की। कार्लसन, कारुआना और अब्दुसत्तोरोव ने अगले वर्ष होने वाली चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। पांचवें स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में अमेरिका के हांस नीमन ने भारत के अर्जुन एरिगैसी को 2-0 से हराया। वहीं सातवें स्थान के लिए आर्मेनिया के लेवोन अरोनियन ने उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव को आर्मगेडन गेम में मात दी। महिला प्रदर्शनी मुकाबले में कजाखस्तान की बिबिसारा अस्साउबायेवा ने स्विट्जरलैंड की अलेक्जांद्रा कोस्टेनियुक को हराया। अंतिम मुकाबला ड्रॉ रहने के बाद भी अस्साउबायेवा विजेता रहीं।

नेपाल की कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश करेगा स्कॉटलैंड

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

पिछले मैच में इटली पर बड़ी जीत से उत्साहित स्कॉटलैंड की टीम नेपाल के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप के ग्रुप सी के मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरूआत करेगी। इंग्लैंड अगर सोमवार को इटली को हरा देता है तो वह ग्रुप सी में वेस्टइंडीज के बाद ऊपर आठ में जगह बनाने वाली दूसरी टीम बन जाएगी। इससे स्कॉटलैंड बाहर हो जाएगा। नाटकीय परिस्थितियों में प्रतियोगिता में शामिल होने वाला स्कॉटलैंड हालांकि संघर्षरत नेपाल के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए प्रतिबद्ध होगा।

बेहतर नेट रन रेट (0.359) होने के बावजूद स्कॉटलैंड तीसरे स्थान पर है क्योंकि तीन मैचों में उसके केवल दो अंक हैं। इंग्लैंड (-0.143) के तीन मैचों में दो जीत और एक हार के साथ चार अंक हैं। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज से करारी हार के बावजूद स्कॉटलैंड ने इटली को 73 रन से हराया। नेपाल की टीम अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई है और उसके खिलाफ स्कॉटलैंड न केवल अपनी जीत की उम्मीद करेगा बल्कि अपने नेट रन रेट में सुधार करने की भी कोशिश करेगा।

टीम इस प्रकार हैं

स्कॉटलैंडः रिची बेरिंगटन (कप्तान), टॉम ब्रूस, मैथ्यू क्रॉस, माइकल जोन्स, फिनले मैकक्रीथ, जॉर्ज मुन्सी, ओलिवर डेविडसन, माइकल लीस्क, ब्रैंडन मैकमुलेन, ब्रैड क्यूरी, क्रिस ग्रीव्स, सफ्यान शरीफ, मार्क वाट, ब्रैड व्हील, जैनुल्लाह इहसान।

नेपालः रोहित पौडेल (कप्तान), आरिफ शेख, आसिफ शेख (विकेटकीपर), दीपेंद्र सिंह ऐरी, बसीर अहमद, कुशल भुर्टेल, संदीप जोरा, लोकेश बाम, गुलशन झा, करण केसी, सोमपाल कामी, संदीप लामिछाने, शेर मल्ला, ललित राजबंशी, नंदन यादव।

मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:00 बजे शुरू होगा।

भारत-पाक मैच में आम मैच की तुलना में थोड़ा अधिक दबाव होता हैः अक्षर पटेल

कोलंबो। ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने स्वीकार किया कि भारत और उसके कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच के दौरान अतिरिक्त दबाव होता है, लेकिन उन्होंने कहा कि खिलाड़ी सदियों पुरानी प्रतिद्वंद्विता को लेकर बाहर हो रही चर्चाओं पर गौर न करके शांतचित्त होकर अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करते हैं। इन दोनों देशों के बीच रविवार को यहां खेले गए मैच में भारत ने पाकिस्तान को 61 रन से करारी शिकस्त देकर टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में प्रवेश कर लिया। अक्षर ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, हां, दबाव तो होता है। आपके आस-पास के लोग, आपका परिवार या दोस्त इसके बारे में आपसे बात करते हैं। इसलिए हां, एक आम मैच की तुलना में थोड़ा अधिक दबाव होता है। उन्होंने आगे कहा, पेशेवर क्रिकेटर होने के कारण हम केवल अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। हम प्रतिद्वंद्विता के बारे में ज्यादा नहीं सोचते और न ही इसकी वजह से खुद पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। अक्षर ने कहा, हम उसे एक अन्य टीम के रूप में ही देखते हैं। हम आपस की प्रतिद्वंद्विताओं आदि के बारे में नहीं सोचते। हम सिर्फ क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

डलास ओपन: बेन शेल्टन ने टेलर फ्रिट्ज को हराकर जीता खिताब

एजेंसी (हि.स.)
डलास

फोटोः हि.स.

अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी बेन शेल्टन ने शानदार वापसी करते हुए रविवार रात हमवतन टेलर फ्रिट्ज को 3-6, 6-3, 7-5 से हराकर डलास ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया। यह 23 वर्षीय बाएं हाथ के खिलाड़ी का करियर का चौथा एटीपी खिताब है। फाइनल मुकाबला पूरी तरह रोमांच से भरा रहा।

निर्णायक सेट में शेल्टन ने तीन मैच प्वाइंट बचाते हुए जबरदस्त मानसिक मजबूती दिखाई और फ्रिट्ज की सर्विस तोड़कर जीत पक्की की। 28 वर्षीय फ्रिट्ज मुकाबले में अधिक अनुभवी नजर आ रहे थे, लेकिन अहम मौकों पर शेल्टन ने बाजी पलट दी। मुकाबले की शुरूआत में फ्रिट्ज ने लगभग बेदाग सर्विस गेम के दम पर दबदबा बनाया। 11 विनर्स लगाते हुए उन्होंने महज 26 मिनट में पहला सेट 6-3 से जीत लिया। वह अपने करियर के 11वें एटीपी टूर खिताब की ओर बढ़ते दिख रहे थे।

पहला सेट गंवाने के बाद शेल्टन ने संयम बनाए रखा। उन्होंने बेहतरीन सर्विस करते हुए 10 ऐस जमाए और लंबी रैलियों में अंक हासिल कर लय वापस पाई। फ्रिट्ज की कुछ गलतियों का फायदा उठाकर शेल्टन ने 5-3 की बढ़त बनाई और मजबूत सर्विस गेम के साथ मैच बराबरी पर ला दिया।

तीसरे सेट में फ्रिट्ज ने 5-4 पर सर्विस ब्रेक कर तीन मैच प्वाइंट हासिल किए, लेकिन शेल्टन ने दबाव में शानदार खेल दिखाते हुए सभी मैच प्वाइंट बचा लिए। स्कोर 5-5 होने के बाद उन्होंने फ्रिट्ज की सर्विस फिर तोड़ी और अगला गेम जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया।

मैच के बाद शेल्टन ने कहा, टेलर को बधाई, यह पागलपन भरा मुकाबला था। इस साल आपने जिस तरह मुश्किलों और चोटों से उबरकर खेल दिखाया है, वह प्रेरणादायक है।

यह जीत शेल्टन के लिए बड़ी वापसी भी है। पिछले महीने वह ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में जैनिक सिनर से हार गए थे, लेकिन डलास में उन्होंने दमदार प्रदर्शन कर अपनी फॉर्म साबित कर दी।

स्टीफन करी 2027 ऑल-स्टार तीन अंक प्रतियोगिता में लेंगे हिस्सा

एजेंसी (हि.स.)
फीनिक्स/इंगलवुड (कैलिफोर्निया)

फोटोः हि.स.

एनबीए की टीम गोल्डन स्टेट वॉरियर्स के स्टार बास्केटबॉल खिलाड़ी स्टीफन करी ने घोषणा की है कि वह 2027 के ऑल-स्टार वीकेंड के दौरान आयोजित होने वाली तीन अंक (3-पॉइंट) शूटिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। यह आयोजन फीनिक्स में होगा। करी ने यह ऐलान रविवार को एनबीसी के टेलीविजन सेट से किया, ठीक ऑल-स्टार गेम से पहले, जो इंगलवुड, कैलिफोर्निया में खेला गया।

37 वर्षीय करी इस प्रतियोगिता के दो बार के चैंपियन रह चुके हैं। उन्होंने 2015 और 2021 में खिताब जीता था। उन्होंने कहा, सौ प्रतिशत। मैंने इसे पहले ही अपने कार्यक्रम में शामिल कर लिया है। करी ने यह भी कहा कि वह अपने पूर्व साथी खिलाड़ी क्ले थॉम्पसन को भी प्रतियोगिता में उतरने के लिए मनाने की कोशिश करेंगे। थॉम्पसन फिलहाल डैलस मावेरिक्स के लिए खेल रहे हैं। करी एनबीए इतिहास में नियमित सत्र में 4,233 तीन अंक शॉट और प्लेऑफ में 650 तीन अंक शॉट के साथ रिकॉर्ड धारक हैं। हालांकि, घुटने की चोट के कारण वह रविवार के ऑल-स्टार गेम में नहीं खेल सके।

इस बीच, डेमियन लिलार्ड ने शनिवार को आयोजित तीन अंक प्रतियोगिता जीतकर तीसरी बार यह खिताब अपने नाम किया। वह अब लैरी बर्ड (1986-88) और क्रेग होजेस (1990-92) की बराबरी पर आ गए हैं, जिन्होंने तीन-तीन बार यह प्रतियोगिता जीती थी। लिलार्ड ने 2023 और 2024 में भी यह खिताब जीता था। हालांकि 27 अप्रैल को अकिलीज टेंडन फटने के बाद वह नियमित मैचों में नहीं खेले हैं, लेकिन शनिवार की प्रतियोगिता में उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई।

आज साल का पहला सूर्य ग्रहण

साल 2026 का पहला सूर्य ग्रहण 17 फरवरी को लगने वाला है। यह वलयाकार सूर्य ग्रहण होगा, जिसे अग्नि वलय, आग का छल्ला या रिंग ऑफ फायर भी कहा जाता है। इसमें सूर्य के चारों ओर एक चमकदार वलय यानी अंगूठी जैसी आकृति दिखाई देती है। यह तब होता है जब चंद्रमा सूर्य को पूरी तरह से ढक नहीं पाता है।

क्या सूतक काल लगेगा

17 फरवरी 2026 के सूर्य ग्रहण का सूतक नहीं लगेगा क्योंकि ये ग्रहण भारत में नहीं दिख रहा है। इसलिए इस दौरान किसी कार्यों को करने की मनाही नहीं है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह सूर्य ग्रहण कुंभ राशि और धनिष्ठा नक्षत्र में लगेगा इसलिए इस राशि और नक्षत्र के लोगों पर ही इस ग्रहण का सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ेगा। साल 2026 के फरवरी महीने में लगने वाला सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा, जिस कारण भारत पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।चूंकि यह सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए सूतक काल नहीं माना जाएगा। मंदिरों के कपाट केवल उसी स्थिति में बंद किए जाते हैं जब सूर्य ग्रहण दिखाई दे और सूतक काल लागू हो। इस बार चूंकि ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए मंदिर सामान्य दिनों की तरह खुले रहेंगे। इस बार सूर्य ग्रहण अंटार्कटिका, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण अर्जेंटीना और चिली के कुछ हिस्सों में दिखाई देगा।

सूर्य ग्रहण क्यों लगता है?

सूर्य ग्रहण एक खगोलीय घटना है। यह तब होता है जब चंद्रमा, सूर्य और पृथ्वी एक सीधी रेखा में आ जाते हैं, जिससे पृथ्वी पर सूर्य की रोशनी नहीं पहुँच पाती। यह घटना हमेशा अमावस्या के दिन होती है।

सूर्य ग्रहण के समय क्या करना चाहिए?

यदि सूर्य ग्रहण दिखाई दे और सूतक काल मान्य हो, तो कुछ विशेष सावधानियां बरतनी चाहिएः ग्रहण के समय जागते हुए भगवान का नाम जाप करना चाहिए। भोजन और जल में तुलसी के पत्ते डालकर रखना चाहिए ताकि भोजन शुद्ध रहे। घर के बाहर जाने से बचना चाहिए। गर्भवती महिलाओं को इस दिन खासकर घर के अंदर रहना चाहिए। कहते हैं कि ग्रहण के दौरान नकारात्मक ऊर्जा निकलती है, जिसका बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

सूर्य ग्रहण के समय क्या नहीं करना चाहिए?

सूर्य ग्रहण के समय सोना नहीं चाहिए। ग्रहण के दौरान किसी भी तरह की नुकीली चीजें जैसे चाकू, कैंची, सुई का उपयोग नहीं करना चाहिए।

सूर्य ग्रहण के समय भोजन नहीं करना चाहिए। सूर्य ग्रहण को कभी भी नंगी आंखों से नहीं देखना चाहिए, क्योंकि इससे आंखों पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

कब लगेगा सदी का सबसे लंबा सूर्य ग्रहण, दिन में हो जाएगी रात

खगोलीय घटनाओं में दिलचस्पी रखने वालों के लिए बेहद अहम खबर सामने आई है। दरअसल, साल 2027 में दुनिया ऐतिहासिक पूर्ण सूर्य ग्रहण देखेगी। इस दौरान दोपहर के समय ही आसमान में अंधेरा छा जाएगा। हाल के इतिहास में ऐसा सूर्य ग्रहण कभी नहीं दिखा है और आने वाले करीब 100 वर्ष तक भी नहीं दिखेगा। यह सूर्य ग्रहण अटलांटिक महासागर से शुरू होगा। इसके बाद जिब्राल्टर जलडमरूमध्य, दक्षिणी स्पेन, उत्तरी अफ्रीका से अरब प्रायद्वीप तक नजर आएगा। हालांकि, हिंद महासागर के ऊपर यह धुंधला हो जाएगा।

दुनिया के बड़े इलाके में यह सूर्य ग्रहण दो अगस्त 2027 को दिखाई देगा। इस दौरान सूर्य आंखों से पूरी तरह नजर नहीं आएगा और दुनिया में करीब छह मिनट के लिए अंधेरा छा जाएगा। यह सैकड़ों वर्षों के इतिहासर का सबसे लंबा सूर्य ग्रहण होगा। अभी तक इतिहास का सबसे लंबा पूर्ण सूर्य ग्रहण 743 ईसा पूर्व हुआ था, तब 7 मिनट 28 सेकंड के लिए अंधेरा छाया था।

2027 के बाद कब लगेगा ऐसा सूर्य ग्रहण

दो अगस्त 2027 में लगने वाला सूर्य ग्रहण का पूर्ण पथ 275 किलोमीटर चौड़ा है। यह कई महाद्वीपों में दिखेगा। इसे महान उत्तरी अफ्रीकी ग्रहण भी कहा जा रहा है, क्योंकि अफ्रीका के ज्यादातर देशों में नजर आएगा। यह सूर्य ग्रहण अपनी अवधि की वजह से विशेष होगा। यह ग्रहण छह मिनट तक रहेगा और ऐसा अगले 100 वर्षों तक नहीं होने वाला है। विशेषज्ञों का कहना है कि 2027 के बाद ऐसा सूर्य ग्रहण शायद 2114 में होगा।

कहां-कहां नजर आएगा पूर्ण सूर्य ग्रहण

अगस्त, 2027 का सूर्य ग्रहण अटलांटिक महासागर में शुरू होगा और जिब्राल्टर जलडमरूमध्य के पास जमीन पर उतरेगा। पूर्ण सूर्य ग्रहण सबसे पहले दक्षिणी स्पेन, जिब्राल्टर और मोरक्को में नजर आएगा। इसके बाद अल्जीरिया, ट्यूनीशिया, लीबिया और मिस्र में सूर्य ग्रहण तब होगा, जब वह आकाश में अपने उच्चतम बिंदु पर होगा। मिस्र के बाद सूर्य ग्रहण लाल सागर को पार करते हुए सऊदी अरब, यमन और सोमालिया में दिखेगा। स्पेन के काडिज और मलागा शहरों में चार मिनट से अधिक तक पूरी तरह से अंधेरा रहेगा। मोरक्को के टैंजियर और टेटुअन में पूर्ण सूर्य ग्रहण सबसे अच्छा दिखाई देगा, क्योंकि ये केंद्रीय छाया पट्टी के ठीक नीचे होंगे। ललीबिया के आसमान में सूर्य ग्रहण के दौरान पाच मिनट तक अंधेरा छाया रहेगा। मिस्र के ऐतिहासिक शहर लक्सर के पास छह मिनट तक घना अंधेरा छाया रहेगा। इटली का लैम्पेडुसा द्वीप लगभग पूरी तरह से ढक जाएगा। सऊदी अरब के जेद्दा और मक्का, यमन और सोमालिया के कुछ इलाकों में आखिरी में ग्रहण नजर आएगा। अगस्त, 2027 का सूर्य ग्रहण भारत और आसपास के देशों में दिखाई नहीं देगा।

सूर्य ग्रहण

2026 का पहला सूर्य ग्रहण मंगलवार 17 फरवरी को है। दुनिया भर के लोग इस सूर्य ग्रहण पर दुर्लभ खगोलीय घटना का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसे रिंग ऑफ फायर के नाम से जाना जाता है। यह घटना तब होती है जब पृथ्वी, सूर्य और चंद्रमा एक सीध में होते हैं। इस दौरान जब चंद्रमा सूर्य और पृथ्वी के बीच से गुजरता है, तब उसकी छाया सूर्य पर पड़ती है। इस नजारे को देखने के लिए लोग कई तरह के जुगाड़ करते हैं, जिनमें स्पेशल उपकरणों के इस्तेमाल से लेकर लाइव टेलीकॉस्ट के जरिए देखना भी शामिल है।

रिंग ऑफ फायर क्या है?

NASA के अनुसार, रिंग ऑफ फायर वह समय है जब चंद्रमा पृथ्वी से अपने सबसे दूर के पॉइंट पर या उसके पास होता है। इस दौरान चंद्रमा, सूर्य को पूरी तरह से नहीं ढकता है और ग्रह से दूर होने के कारण छोटा दिखता है। इससे यह एक बड़ी, चमकदार डिस्क के ऊपर एक काली डिस्क जैसा दिखता है, जिससे चंद्रमा के चारों ओर एक पतली, चमकदार रिंग बनती है, जो हीरे की अंगूठी की तरह नजर आती है। इसे ही रिंग ऑफ फायर कहा जाता है।

सूर्य ग्रहण 2026 : तारीख और समय

फोर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार, 2026 का पहला सूर्यग्रहण 17 फरवरी को 07:01 UTC 3.26 PM) पर शुरू होगा। वलयाकार ग्रहण 11:42 UTC (05:12 PM) पर शुरू होगा। यह सूर्य ग्रहण 12:12 UTC (5:42 PM) पर चरम पर होगा। इस दौरान सूर्य रिंग ऑफ फायर की तरह दिखाई देगा। हालांकि, लगभग 2:20 मिनट बाद ग्रहण कम होना शुरू हो जाएगा। यह सूर्य ग्रहण 14:27 UTC (07:57 PM) पर खत्म हो जाएगा।

क्या यह भारत से दिखेगा

नहीं, भारत में लोग यह घटना नहीं देख पाएंगे। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह दक्षिणी गोलार्ध में होगा, तब भारत में सूर्य क्षितिज से नीचे रहता है। ऐसे में भारत में रहने वाले लोग इस घटना को डिजिटल माध्यम के जरिए ही देख पाएंगे।

किन देशों में दिखेगा सूर्य ग्रहण

17 फरवरी को लगने वाला सूर्य ग्रहण अटार्कटिका, अर्जेंटीना, बोत्सवाना, ब्रिटिश इंडियन ओशन क्षेत्र, चिली, कोमोरोस, इस्वातिनी (स्वाजीलैंड), फ्रांसीसी दक्षिणी क्षेत्र, लेसोथो, मेडागास्कर, मलावी, मॉरीशस, मायोटे, मोजाम्बिक, नामीबिया, रियूनियन आईलैंड्स, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिणी जॉर्जिया/सैंडविच आईलैंड्स, तंजानिया, जाम्बिया और जिम्बॉब्वे में देखा जाएगा।

सूर्य ग्रहण को कब और कैसे देखें

17 फरवरी को लगने वाले सूर्य ग्रहण को कई देशों के अंतरिक्ष एजेंसियां लाइव प्रसारित करेंगी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा इसका लाइव फीड प्रसारण करेगा। इसे कई दूसरी वेबसाइट पर रिले भी किया जाएगा, जिससे बड़ी संख्या में खगोल प्रेमी इस घटना को देख सकेंगे।

समाधान शिविर में उठी ड्रेनेज की समस्या पर उपायुक्त सख्त

सेक्टर-21 पार्ट-3 में ड्रेनेज समस्या को एक सप्ताह में दूर करने के दिए निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने सेक्टर-21 पार्ट-3 की रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा उठाई गई ड्रेनेज की समस्या का संज्ञान लेते हुए नगर निगम को एक सप्ताह के भीतर समाधान कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उपायुक्त लघु सचिवालय के सभागार में हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार आयोजित समाधान शिविर में जिलावासियों की समस्याएं सुन रहे थे। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने अवगत कराया कि सेक्टर-21 पार्ट-3, पंचकूला में कुछ मकानों में ड्रेनेज पाइपलाइन की समस्या के कारण जलभराव की स्थिति बनी रहती है, जिससे क्षेत्रवासियों को भारी असुविधा हो रही है। इस पर उपायुक्त ने नगर निगम अधिकारियों को मौके का निरीक्षण कर आगामी सोमवार तक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि समस्या का शीघ्र समाधान किया जाएगा।

श्रीमती ममता रानी ने गलत खाते में बिजली बिल का भुगतान होने की शिकायत रखी। उन्होंने बताया कि समान अकाउंट नंबर होने के कारण उन्होंने यूएचबीवीएन के बजाय डीएचबीवीएन के खाते में बिल जमा कर दिया। कई बार अनुरोध करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। उपायुक्त ने बिजली विभाग के संबंधित अधिकारी को 15 दिनों के भीतर त्रुटि को दूर कर समस्या का समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गांव श्यामटू निवासी सतीश कुमार ने कनौली से श्यामटू तक मार्केटिंग बोर्ड द्वारा निर्मित सड़क में अनियमितताओं की शिकायत की। उन्होंने बताया कि ठेकेदार ने सड़क के कुछ हिस्से में बिना उचित आधार तैयार किए सीधे मिट्टी पर टाइलें लगा दीं। उन्होंने गुणवत्ता बनाए रखने के लिए स्टोन डस्ट डालकर दोबारा टाइलें लगाने की मांग की। इस पर उपायुक्त ने पंचायती राज विभाग के कार्यकारी अभियंता को 5 दिनों में जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

समाधान शिविर के दौरान गांव चाकली बड़ी शेर भोज और गांव दलाना भोज दराड़ा, तहसील मोरनी के निवासियों ने कृषि भूमि की सिंचाई के लिए वाटर टैंक निर्माण की मांग रखी। उपायुक्त ने सहायक मृदा संरक्षण अधिकारी, पंचकूला को इस संबंध में पूर्ण विवरण सहित रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। समाधान शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 12 शिकायतें सुनी गईं। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण किया जाए, ताकि नागरिकों को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके।

उपायुक्त ने कहा कि समाधान शिविर आमजन की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की मंशा है कि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रत्येक सोमवार और वीरवार को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किया जाता है, जिसमें सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहते हैं। समय-समय पर मुख्यमंत्री स्वयं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़कर शिकायतों की प्रगति की समीक्षा करते हैं और फीडबैक लेते हैं। इस अवसर पर नगराधीश जागृति, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी विशाल पराशर, नायब तहसीलदार हरदेव सिंह, सहायक मृदा संरक्षण अधिकारी राहुल बरकोदिया, सीएम विंडो के एमिनेंट पर्सन सत्यवान भारद्वाज सहित जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, लोक निर्माण विभाग, एचएसवीपी, पीएमडीए, पुलिस, स्वास्थ्य, सिंचाई, नगर निगम और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नाईपर मोहाली ने मनाया 28वां स्थापना दिवस

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली

नाईपर, मोहाली संसद के अधिनियम (नाईपर अधिनियम 1998) द्वारा स्थापित एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, औषध विभाग, भारत सरकार के अधीन कार्यरत है, ने आज 16.02.2026 (सोमवार) को अपना स्थापना दिवस समारोह मनाया। संस्थान के निदेशक प्रो. दुलाल पांडा ने मुख्य अतिथि प्रो. अनिल कुमार त्रिपाठी, निदेशक, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, मोहाली तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. चंद्रशेखर नायर, कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ), मोलबायो डायग्नोस्टिक्स एवं बिगटेक लैब्स का स्वागत किया। प्रो. पांडा ने अपने संबोधन में कहा कि भारत को स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी, औषधियों एवं चिकित्सा उपकरणों के क्षेत्र में वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने के लिए अनुसंधान एवं उसके रूपांतरण (ट्रांसलेशन) में उत्कृष्टता प्राप्त करना अत्यंत आवश्यक है, जिससे आयात पर निर्भरता कम की जा सके। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप उन्होंने नाईपर, मोहाली में बायोफार्मास्यूटिकल्स एवं रेगुलेटरी साइंसेज में दो नए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की घोषणा भी की। उन्होंने संस्थान का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुसंधान एवं अनुदानों, पेटेंट, प्लेसमेंट, समझौता ज्ञापनों (एमओयू) तथा विभिन्न गतिविधियों का विवरण दिया। उन्होंने बताया कि नाईपर, एसएएस नगर उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान है, जो सदैव उद्योग-उन्मुख शिक्षण कार्यक्रमों पर विशेष बल देता है। मुख्य अतिथि प्रो. अनिल कुमार त्रिपाठी ने हार्नेस्सिंग द पोटेंशियल ऑफ मेडिसिनल प्लांट्स : ऑपरच्यूनिटीज एण्ड चैलेंजिज विषय पर स्थापना दिवस व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने व्याख्यान में स्ट्रोक, हृदयाघात, कैंसर, मोटापा, मधुमेह आदि अनेक रोगों के उपचार में औषधीय पौधों एवं हर्बल दवाओं की उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा गुणवत्तापूर्ण हर्बल औषधियों के उत्पादन में मिलावट जैसी चुनौतियों का उल्लेख किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. चंद्रशेखर नायर ने अपने संबोधन में कहा कि भारत को उपयोग में आने वाले उत्पादों का स्वदेश में निर्माण करना चाहिए तथा परिवर्तनकारी उत्पादों के विकास के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय बाजार में सशक्त उपस्थिति दर्ज करानी चाहिए। रोश की मुख्य रणनीति अधिकारी सुश्री शीतल रंगनाथन ने ट्रांसफॉर्मिंग लाइव्स, स्ट्रेंथनिंग इंडिया टुगेदर (रोशझनाईपर) विषय पर विशेष व्याख्यान दिया। दिवस समारोह के अंतर्गत सामान्य विज्ञान प्रश्नोत्तरी, सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी तथा साइबर यौन उत्पीड़न झ ऑनलाइन महिलाओं की सुरक्षा विषय पर प्रतियोगिता सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जीतने वाले विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। स्मृति स्वरूप श्रीमती कृष्णा गुलाटी पुरस्कार (राशि रु. 10,000/-) मेडिकल डिवाइसेज विभाग के श्री सोमनाथ कोठावड़े वैभव को प्रदान किया गया। नेहा शोरे मेमोरियल एआईडीसीओसी-नाईपर बेस्ट अचीवर अवार्ड औषधि प्रौद्योगिकी (बायोटेक) विभाग की सुश्री परिनिष्ठा गुप्ता को प्रदान किया गया। वैभव एनालिटिकल सर्विसेज अवार्ड औषधीय प्रबंधन विभाग के श्री जतिन, श्री सैय्यद अमन अजीज एवं श्री जेन्नू कुमार जैन को प्रदान किया गया। इस अवसर पर नाईपर ने रोश प्रोडक्ट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड तथा विनायक मिशनह्लस रिसर्च फाउंडेशन के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। नाईपर - मोहाली एवं रोश फार्मा इंडिया (जो कि रोश समूह की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है) के मध्य पाठ्यक्रम निर्माण एवं विकास, छात्र परामर्श, प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस की नियुक्ति तथा उद्योग-उन्मुख अल्पकालिक पाठ्यक्रमों के संचालन के क्षेत्रों में सहयोग हेतु समझौता किया गया, जिससे नाईपर - मोहाली के विद्यार्थियों को उद्योग के लिए अधिक सक्षम एवं तैयार बनाया जा सके।

पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ में लंबे समय से पेंडिंग कार्डियक इमरजेंसी अब असलियत बनी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

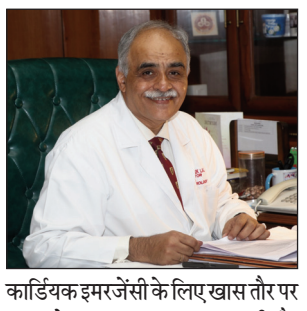

इमरजेंसी कार्डियक केयर को मजबूत करने की दिशा में एक बड़े कदम के तौर पर, पीजीआईएमईआर 1 मार्च 2026 से अपनी लंबे समय से इंतजार की जा रही डेडिकेटेड कार्डियक इमरजेंसी फैसिलिटी को चालू कर देगा। यह पहल 2009 में एडवांस्ड कार्डियक सेंटर की स्थापना के बाद से महसूस की जा रही एक बड़ी कमी को पूरा करती है। इस डेवलपमेंट के बारे में बताते हुए, पीजीआईएमईआर के डायरेक्टर प्रो. विवेक लाल ने कहा कि एक अलग कार्डियक इमरजेंसी की जरूरत सालों से पहचानी जा रही थी। पीजीआईएमईआर के डायरेक्टर ने कहा, हाई-वॉल्यूम टर्शियरी केयर इंस्टीट्यूट में, जनरल इमरजेंसी सिस्टम के अंदर एक्यूट कार्डियक केस को मैनेज करना बहुत मुश्किल होता जा रहा था। हमें लगा कि

कार्डियक इमरजेंसी के लिए खास तौर पर एक फोकस्ड रास्ता बनाना जरूरी है। लंबे समय तक, कार्डियक इमरजेंसी मरीजों को मेन इमरजेंसी विंग के जरिए मैनेज किया जाता था, जो पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड, राजस्थान और आस-पास के इलाकों से आने वाले ट्रॉमा, मेडिकल, सर्जिकल और गंभीर रूप से बीमार मामलों की बड़ी संख्या को देखता है। रोजाना मरीजों की संख्या को देखते हुए, टाइम-सेंसिटिव कार्डियक मामलों को अक्सर भीड़-भाड़ वले सिस्टम में काम करना पड़ता था, जिससे एक स्ट्रक्चर्ड, स्पेशलाइज्ड रिस्पॉन्स की जरूरत पर जोर दिया गया। प्रो. विवेक लाल ने बताया कि पीजीआईएमईआर के डायरेक्टर के तौर पर उनके कार्यकाल की शुरूआत से ही, सिस्टम को आसान बनाने और मरीज-केंद्रित सुधारों को प्राथमिकता देने की कोशिश की गई थी। कार्डियोवैस्कुलर इमरजेंसी में टाइम बहुत जरूरी होता है। बचाया गया हर मिनट एक जान बचा सकता है। हमारा मकसद यह पक्का करना रहा है कि किसी भी कार्डियक मरीज का कीमती समय लॉजिस्टिक दिक्कतों की वजह से बर्बाद न हो। टीम स्पिरिट की तारीफ करते हुए, पीजीआईएमईआर के डायरेक्टर ने कहा, डेडीकेटेड कार्डियक इमरजेंसी कार्डियोलॉजी, इमरजेंसी मेडिसिन, एनेस्थीसिया, हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन और नर्सिंग सर्विसेज डिपार्टमेंट्स की कोशिशों से मुमकिन हो पाई है।

ब्रह्मज्ञान से ही सच्ची प्रेमा भक्ति संभव: निरंकारी सतगुरु माता जी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/ पंचकूला/बागपत

संत निरंकारी मिशन का एक दिवसीय निरंकारी संत समागम सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी की पावन अध्यक्षता में मेरठ के बागपत में भव्य रूप से आयोजित हुआ। समागम में हजारों श्रद्धालु भक्तों ने सहभागिता कर सतगुरु के दिव्य प्रवचनों से अपने जीवन को आध्यात्मिक दिशा प्रदान की। श्रद्धा और भक्ति से ओत-प्रोत सत्संग में सतगुरु माता जी ने फरमाया कि परमात्मा से सच्चा प्रेम तभी संभव है जब उसका वास्तविक परिचय हो। केवल नाम लेने से नहीं, बल्कि ब्रह्मज्ञान द्वारा परमात्मा को जानकर उसे जीवन में धारण करके ही प्रेमा भक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

सतगुरु माता जी ने उदाहरण सहित समझाया कि परमात्मा एक ही है, चाहे उसे किसी भी नाम से पुकारा जाए। जिस

प्रकार एक ही मैदे से अनेक प्रकार के व्यंजन बनते हैं, उसी प्रकार मूल तत्व एक ही रहता है। इसी तरह जल, बर्फ और भाप रूप बदलते हैं, पर उनका तत्व एक ही होता है। वैसे ही समस्त सृष्टि के कण-कण में एक ही निराकार परमात्मा विद्यमान है। सतगुरु माता जी ने कहा कि मनुष्य जीवन अत्यंत अनमोल है क्योंकि इसी में परमात्मा की प्राप्ति संभव है। यह मनुष्य पर निर्भर है कि वह अज्ञान में जीवन बिताए या जागरूक होकर प्रेम, क्षमा, सेवा और सद्भाव को अपनाए। सच्ची भक्ति भय, स्वार्थ या चतुराई से नहीं, बल्कि निष्काम प्रेम से की जाती है।

मनुष्य सेवा, सुमिरन और सत्संग से जुड़कर मानवता के गुणों को अपनाए, किसी को कष्ट न पहुँचाए और क्षमा व प्रेम का व्यवहार रखे। परमात्मा का प्रेम अमीर-गरीब, ऊँच-नीच या किसी भेदभाव में भेद नहीं करता; वह सभी पर समान रूप से बरसता है। मेरठ जोन के जोनल इंचार्ज श्री कुंवरपाल की ओर से बागपत संयोजक श्री यशवीर ने विभिन्न स्थानों से आए हुए संत महात्माओं, भाई-बहनों का धन्यवाद ज्ञापन किया तथा प्रशासन से प्राप्त सहयोग हेतु प्रशासन का भी आभार व्यक्त किया। निसंदेह, समागम में उपस्थित संगत ने एकत्व, प्रेम और मानवता के संदेश को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त-समाचार

8,000 रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार इनकम टैक्स इंस्पेक्टर के विरुद्ध चालान प्रस्तुत

चंडीगढ़। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम ने भ्रष्टाचार के एक प्रकरण में सख्त कार्रवाई करते हुए आरोपी भारत भूषण, इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, इनकम टैक्स विभाग गुरुग्राम के विरुद्ध माननीय न्यायालय डॉ. गगनगीत, ए.एस.जे., गुरुग्राम की अदालत में चालान (चार्जशीट) प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आरोप था कि आरोपी ने शिकायतकर्ता से उसका टैक्स नंबर स्वीकृत करने के एवज में 8,000 की रिश्वत की मांग की। शिकायत की पुष्टि उपरांत ब्यूरो की टीम ने योजनाबद्ध कार्रवाई करते हुए आरोपी को 8,000 रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। इस संबंध में अभियोग संख्या 35 दिनांक 18.09.2025 को थाना राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम में धारा 7, 13(1)(बी) सहपठित 13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम तथा धारा 308(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। विस्तृत जांच उपरांत साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के विरुद्ध न्यायालय में चालान पेश किया गया है। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध शून्य सहनशीलता की नीति के तहत ऐसी कार्रवाई भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगी।

जर्मन स्टार जूलिया क्लेसे ने डॉन बॉस्को, सेक्टर 24 में खुशी और मुस्कान बिखेरी

चंडीगढ़। जर्मन स्टार जूलिया क्लेसे ने सेक्टर 24 के डॉन बॉस्को चर्च में जरूरतमंद स्कूली स्टूडेंट्स को जूते, जरूरत का सामान और स्टेशनरी बांटी। जूलिया, वोगा रवढ योगा एकेडमी, ड्रेसडेन की फाउंडर हैं, और एक टैलेंटेड डांसर, योगा एक्सपर्ट और एक्टर हैं, जो अपनी पंजाबी शॉर्ट फिल्म ̄छक्वइए ऋफइलअठऋफअर के लिए जानी जाती हैं। फिल्म के इंडियन कोऑर्डिनेटर और प्रोड्यूसर दिवाकर साहूंजा ने पंजाब के लिए जूलिया के पैशन और उनकी फ्री डांस ट्रेनिंग क्लासेस की तारीफ की। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ के लोग खुशकिस्मत हैं कि उन्हें पंजाब से बहुत प्यार करने वाले ऐसे विदेशी विज़िटर्स मिलते हैं। डॉन बॉस्को के फादर टॉम राजी ने जूलिया के इस इंसानियत भरे काम की तारीफ करते हुए कहा कि ऐसे काम इंसानियत की सच्ची भावना दिखाते हैं। रविंदर बिल्ला, एक लोकल समाजसेवी, जिन्होंने फिल्म में मशहूर नरिंदर सिंह गाइड का रोल भी किया था। इस मौके पर आए, बॉलीवुड कैरेक्टर आर्टिस्ट और उस फिल्म के हीरो नवदीप बंधु, सिपाह हेड रंजीत के साथ प्रोग्राम में शामिल हुए।

मोहाली स्थित टवेन्टी सेकंड संेचुरी टेक्नोलोजिसे ने ब्रिटिश टेलीकॉम फेडरले का अधिग्रहण किया

चंडीगढ़। नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर, चंडीगढ़ से अपने करियर की शुरूआत करने वाली और आज वैश्विक स्तर पर पहचान बना चुकी आईटी कंपनी टवेन्टी सेकंड संेचुरी टेक्नोलोजिसे के अनिल शर्मा ने अमेरिका की सरकारी एजेंसियों को सेवाएं देने वाली कंपनी ब्रिटिश टेलीकॉम फेडरल (जो ब्रिटिश टेलीकॉम ग्रुप की यूएस. गवर्नमेंट कॉन्ट्रैक्टिंग इकाई है) का अधिग्रहण कर लिया है। इस रणनीतिक कदम के बादे ब्रिटिश टेलीकॉम फे-डरले अब टवेन्टी सेकंड संेचुरी नेटवर्के के नाम से काम करेगी और अमेरिकी संघीय मिशनों को विश्वसनीय कनेक्टिविटी और सुरक्षित नेटवर्क सेवाएं प्रदान करेगी। चंडीगढ़झमोहाली क्षेत्र के लिए यह खबर खास महत्व रखती है। कंपनी के सीईओ अनिल शर्मा, जो थापर इंस्टीट्यूटे के पूर्व छात्र हैं, इस क्षेत्र की मिट्टी से जुड़े प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं। यह अधिग्रहणे` ब्रिटिश टेलीकॉम फेडरले के दूरसंचार और नेटवर्किंग अनुभव को टवेन्टी सेकंड संेचुरी टेक्नोलोजिस की आईटी अपग्रेडेशन, साइबर सुरक्षा और मिशन सपोर्ट विशेषज्ञता के साथ जोड़ता है। ह्यह्यटवेन्टी सेकंड संेचुरी नेटवर्क ह्व के रूप में यह नई इकाई अमेरिकी संघीय एजेंसियों को सुरक्षित, भरोसेमंद और आधुनिक नेटवर्क समाधान उपलब्ध कराएगी, जिन पर वे अपने दैनिक संचालन के लिए निर्भर रह सकें।

पंजाब पर्यटन को इंडिया ट्रैवल मार्ट चंडीगढ़ 2026 में सर्वश्रेष्ठ रुरल पर्यटन पुरस्कार मिला

चंडीगढ़। इंडिया ट्रैवल मार्ट (आईटीएम) चंडीगढ़ 2026 के समापन समारोह के दौरान पंजाब पर्यटन को प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ रुरल पर्यटन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान राज्य द्वारा अनुभवात्मक गांव पर्यटन, फार्म स्टे और सतत ग्रामीण यात्रा अनुभवों को बढ़ावा देने की उत्कृष्ट पहलों के लिए प्रदान किया गया। यह पुरस्कार पंजाब पर्यटन के संयुक्त निदेशक दमप्रीत वालिया ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान पंजाब पर्यटन ने राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत के साथ-साथ तेजी से विकसित हो रहे ग्रामीण पर्यटन क्षेत्र को प्रदर्शित किया। प्रस्तुति में पंजाब के विविध पर्यटन अनुभवों को उजागर किया गया, जिनमें कृषि पर्यटन, इको-टूरिज्म, जल पर्यटन, फार्म स्टे और बेड एंड ब्रेकफास्ट पहल शामिल हैं। इन पहलों को राज्य सरकार की प्रगतिशील पर्यटन नीतियों और निवेश-अनुकूल उपायों का समर्थन प्राप्त है। पंजाब पर्यटन के प्रतिनिधियों ने राज्य के गहरे आध्यात्मिक और ऐतिहासिक महत्व पर भी प्रकाश डाला। पंजाब में कई पवित्र सिख तख्त स्थित हैं, जिनमें प्रमुख अकाल तख्त, तख्त श्री केशगढ़ साहिब और तख्त श्री दमदमा साहिब शामिल हैं, जिससे यह धार्मिक और विरासत पर्यटन का एक प्रमुख केंद्र बनता है। प्रस्तुति में पंजाब के जीवंत त्योहारों, सांस्कृतिक आयोजनों और बड़े धार्मिक समारोहों को भी रेखांकित किया गया, जो देश और विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

व्हर्लपूल ने पावरफुल कूलिंग के साथ 3डी कूल प्रो+ एसी रेंज लॉन्च की

चंडीगढ़। घरेलू उपकरणों के क्षेत्र की अग्रणी कंपनी व्हर्लपूल ऑफ इंडिया लिमिटेड ने अपनी नई 3डी कूल प्रो+ एसी 2026 रेंज लॉन्च की है। यह रेंज उन्नत 6वीं सेंस तकनीक से लैस है, जो एक बटन दबाते ही व्यक्तिगत और सहज ठंडक प्रदान करती है। भारतीय गर्मियों की तीव्र और अनिश्चित परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विकसित यह एसी रेंज अत्यधिक तापमान में भी तेज, शक्तिशाली और समान कूलिंग सुनिश्चित करती है। साथ ही, यह वायु शुद्धिकरण और ऊर्जा दक्षता के बीच संतुलन बनाकर बेहतर इनडोर अनुभव देती है। बदलती जीवनशैली और बढ़ते तापमान के कारण उपभोक्ता अब ऐसे एयर कंडीशनर चाहते हैं जो बड़े कमरों में भी समान वायु प्रवाह प्रदान करें।

कालका से कलेसर तक 7 दिवसीय ट्रैकिंग अभियान आरंभ, युवा बितायेंगे प्रकृति के साथ समय

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत आज से 7 दिवसीय ट्रैकिंग कैंप का शुभारंभ किया गया। यह विशेष ट्रैकिंग अभियान कालका से कलेसर तक कुल 153 किलोमीटर के चिन्हित मार्ग पर आयोजित किया जा रहा है। इस ट्रैकिंग कैंप में हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए छात्र भाग ले रहे हैं। युवा कल्याण संयोजक नरेंद्र सिंह ने बताया कि यह ट्रैकिंग कैंप हरियाणा सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य युवाओं को प्रकृति से जोड़ना, साहसिक गतिविधियों के प्रति प्रेरित करना तथा हरियाणा की प्राकृतिक एवं पर्वतीय सुंदरता से परिचित कराना है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से छात्र हरियाणा के प्राकृतिक परिवेश, पहाड़ों, वन्य जीवन और ऐतिहासिक स्थलों का

प्रत्यक्ष अनुभव करेंगे। रेंज ऑफिसर संजय ने छात्रों को एक पेशेवर ट्रैकर की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने ट्रैकिंग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, अनुशासन तथा टीम वर्क के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 153 किलोमीटर का यह ट्रैक दो राज्यों – हरियाणा और हिमाचल प्रदेश – से होकर गुजरेगा। इस दौरान छात्र विभिन्न वनस्पति प्रजातियों, प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता का अवलोकन करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि ट्रैकिंग के दौरान छात्र ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का भ्रमण करेंगे, जिनमें मोरनी फोर्ट, पिंजौर गार्डन, समरोठा देवी मंदिर तथा आदी बद्री मंदिर प्रमुख हैं। यह ट्रैकिंग कैंप न केवल युवाओं में साहस, नेतृत्व और अनुशासन की भावना का विकास करेगा, बल्कि उन्हें हरियाणा की समृद्ध प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर से भी जोड़ने का कार्य करेगा।

युवा कल्याण संयोजक नरेंद्र सिंह ने बताया कि हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत 16 फरवरी से 7 मार्च तक दो दिवसीय विशेष ट्रैकिंग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रदेश के विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं, विशेषकर हरियाणा में अध्ययनरत हिमाचल प्रदेश, पंजाब तथा जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों को भी सहभागिता का अवसर प्रदान किया जा रहा है। इस दौरान विद्यार्थियों को जलवायु परिवर्तन के विषय में जागरूक किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी गई। छात्रों ने प्राकृतिक परिवेश का अवलोकन किया, विभिन्न वनस्पतियों एवं जैव विविधता के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा एक लघु ट्रैकिंग गतिविधि में भी भाग लेंगे। इस ट्रैकिंग कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाना, पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करना तथा साहसिक गतिविधियों के माध्यम से उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना है।

आज पंचकूला जिला के उपभोक्ताओं की बिजली सम्बन्धी शिकायतों की होगी सुनवाई

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम सर्कल फोरम पंचकूला के उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच के चेयरमैन एवं सदस्य मंच की कार्यवाही 17 फरवरी (मंगलवार) को सुबह 11.30 बजे से अधीक्षण अभियंता, पंचकूला के कार्यालय, एससीओ नंबर - 96, पहली मंजिल, सेक्टर-5, पंचकूला में की जाएगी । इस दौरान केवल पंचकूला जिला के उपभोक्ताओं की शिकायतों की सुनवाई की जाएगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए निगम के प्रवक्ता ने बताया कि मंच के सदस्य, पंचकूला जिले के उपभोक्ताओं की सभी प्रकार की समस्याओं की सुनवाई करेंगे, जिनमें मुख्यतः बिलिंग, वोल्टेज, मीटरिंग से सम्बंधित शिकायतें, कनैक्शन काटने और जोड़ने, बिजली आपूर्ति में बाधाएं, कार्यकुशलता, सुरक्षा, विश्वसनीयता में कमी और हरियाणा बिजली विनियामक आयोग के आदेशों की अवहेलना आदि शामिल हैं। मंच द्वारा बिजली अधिनियम की धारा 126 तथा धारा 135 से 139 के अन्तर्गत बिजली चोरी और बिजली के अनधिकृत उपयोग के मामलों में दंड तथा जुमार्ना और धारा 161 के अन्तर्गत जांच एवं दुर्घटनाओं से सम्बंधित मामलों की सुनवाई नहीं की जाएगी। उन्होंने जिला के सभी उपभोक्ताओं से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी शिकायतों के निवारण के लिए इस अवसर का लाभ अवश्य उठाएं । प्रवक्ता ने बताया कि उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली की आपूर्ति उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है । उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निगम द्वारा अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

जायजा — श्री अजय कुमार ने सुविधाएं सुदृढ़ करने के दिए निर्देश

सीजेएम-कम-सेक्रेटरी ने मोरनी क्षेत्र के लीगल एड क्लीनिकों का किया निरीक्षण

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के सीजेएम-कम-सेक्रेटरी श्री अजय कुमार ने आज मोरनी क्षेत्र में संचालित लीगल एड क्लीनिकों की कार्यप्रणाली एवं आधारभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य क्लीनिकों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, स्थानीय लोगों की पहुँच तथा जमीनी स्तर पर प्रदान की जा रही विधिक सेवाओं की प्रभावशीलता का आकलन करना है। गांव भोज जब्याल स्थित लीगल एड क्लीनिक का निरीक्षण गांव की सरपंच सुश्री काजल की उपस्थिति में किया गया। श्री अजय कुमार ने स्थानीय लोगों से बातचीत कर यह जानकारी प्राप्त की कि उन्हें क्लीनिक के माध्यम से विधिक सहायता एवं परामर्श सही प्रकार से मिल रहा है या नहीं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं दूर-दराज क्षेत्रों में लीगल एड क्लीनिक स्थापित करने का मुख्य उद्देश्य

यह सुनिश्चित करना है कि निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण विधिक सेवाएं समाज के जरूरतमंद एवं वंचित वर्ग तक पहुंचें। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि क्लीनिक वर्तमान में आंगनवाड़ी केंद्र में संचालित हो रहा है, जहां आम लोगों की पहुंच अपेक्षाकृत कम है। इसे ध्यान में रखते हुए श्री अजय कुमार ने निर्देश दिए कि लीगल एड क्लीनिक को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, भोज जब्याल में स्थानांतरित किया जाए, क्योंकि यह अधिक सुलभ एवं प्रभावी स्थान है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग चिकित्सा सेवाओं के लिए आते हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी पंचकूला को भी निर्देश दिए गए कि पीएचसी भोज जब्याल में क्लीनिक के सुचारु संचालन के लिए पर्याप्त स्थान एवं आवश्यक आधारभूत सामान उपलब्ध करवाया जाए। लोगों को कानूनी मामलों में सहायता एवं विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं तथा अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रत्येक रविवार को एक पैनल अधिवक्ता एवं एक पैरा लीगल वालंटियर की नियुक्ति की जाएगी। इसके अतिरिक्त जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी को स्थानीय क्षेत्र में मुनादी (सार्वजनिक घोषणा) कराने के निर्देश दिए गए ताकि ग्रामीणों को लीगल एड क्लीनिक के समय एवं सेवाओं की जानकारी मिल सके और अधिकाधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। श्री अजय कुमार ने मोरनी क्षेत्र के गांव भोगपुर स्थित एक अन्य लीगल एड क्लीनिक का भी निरीक्षण किया, जो आंगनवाड़ी केंद्र में संचालित है। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि क्लीनिक का कोई साइनबोर्ड नहीं लगाया गया है। इस पर उन्होंने डीडीपीओ को तुरंत उपयुक्त साइनबोर्ड लगवाने के निर्देश दिए ताकि आमजन आसानी से स्थान की पहचान कर सकें और विधिक सेवाओं का लाभ ले सकें।

उन्होंने कहा की जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला लीगल एड क्लीनिकों के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ कर उनके प्रभावी संचालन के लिए प्रतिबद्ध है ताकि विशेषकर ग्रामीण एवं दूर-दराज क्षेत्रों में सभी को न्याय सुलभ हो सके।